आज का विचार
खूबसूरत रिश्तों को संभाल कर रखना साहब... अगर यह खो गए तो गूगल से भी नहीं ढूंढ पाओगे।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ I सोमवार, 23 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 47, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

आप भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से चार कदम आगे: नायब सिंह सैनी

पंजाब की जनता अब बदलाव चाहती है, हमें मिलकर पंजाब को नंबर वन स्टेट बनाना है: मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में जनता से जो वायदे किए थे वह 4 साल बीत जाने के बाद भी पूरे नहीं हुए है। कांग्रेस व आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार में लिप्त है तथा आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से भी चार कदम आगे है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को लुधियाना स्थित छट पूजा मैदान में आयोजित पूर्वांचल सम्मान रैली को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री का यहां पहुंचने पर पदाधिकारियों ने भव्य अभिन्नदन किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस मौके पर पूर्वांचल सम्मान रैली के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि लुधियाना एक प्रसिद्ध औद्योगिक नगरी है और इस मेहनतकश धरती को मैं शीश नवा कर नमन करता हूं। पंजाब गुरुओं की, पीरों की और वीरों की भूमि है। लुधियाना की इस ऐतिहासिक धरती पर, जिसे पंजाब की औद्योगिक राजधानी और भारत का ह्यमैनचेस्टरह्ण भी कहा जाता है, मुझे आमंत्रित करने के लिए आप सब का वंदन करता हूं। यह रैली केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि परिवर्तन का संदेश है। पंजाब भारत की आत्मा है। यह सीमाओं का प्रहरी है, खेतों की खुशबू है, ढोल की थाप है, गुरूओं की वाणी है और शौर्य की पहचान है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कांग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि दोनों पार्टियां भ्रष्टाचार में लिप्त है। आम आदमी पार्टी तो भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से भी चार कदम आगे है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों ने मन बना लिया है कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनानी है। लोग कांग्रेस और आप को बाहर करने का कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि आम आदमी पार्टी ने चार साल में कुछ नहीं किया। लोगों से झूठ बोला, झूठे सब्जबाज दिखाए। एक भी वायदा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को दिल्ली की जनता ने बाहर का रास्ता दिखाने का काम किया है। इतना ही नहीं केजरीवाल व उसके नेता अपने आपको कट्टर ईमानदारी कहते थे उनका असली चेहरा सारे देश के सामने आया है। केजरीवाल के साथ-साथ उसके नेता जेल में रहे है, इस बात का प्रमाण है। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार को जन्म दिया, जबकि आम आदमी पार्टी ने इस पर अंकुश लगाने की बजाए, उसे बढाया है, चार कदम इनसे भी आगे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब और हरियाणा का आपस में रिश्ता है, इनकी एक ही छत है, संस्कार व संस्कृति भी एक ही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जनता के साथ जो वायदें किए गए थे उन्हें तेजी से पूरा करने का काम किया जा रहा है। बहनों की रसोई में 500 रूपए में गैस सिलेन्डर देने का काम किया गया है। किडनी के जो रोगी है उनकी हरियाणा के सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ मेडिकल कॉलेजों में निःशुल्क डायलिसिस भी की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जहां पर शत प्रतिशत फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। युवाओं को पारदर्शी तरीके से नौकरी दी जा रही है। लगभग 2 लाख युवाओं को नौकरी देने का काम किया गया है। आयुष्मान/चिरायु योजना के माध्यम से 27 लाख परिवारों का निःशुल्क ईलाज किया गया है और इस पर साढे चार हजार करोड़ रूपए की राशि खर्च की गई है। इसके साथ-साथ 70 साल से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्गो के ईलाज की चिंता भी केन्द्र व प्रदेश सरकार ने की है। लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रूपए की राशि प्रति माह दी जाती है तथा बहनो को आत्म निर्भर बनाने के लिए 4 प्रतिशत ब्याज की दर पर 5 लाख रूपए का लोन भी दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने नशे को रोकने की बजाए उसे बढाया है। उन्होंने कहा कि जैसे ही पंजाब में 2027 में कमल का फूल खिलेगा, यहां से नशे की गतिविधियों में जो भी सलिप्त है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और जो गैंग्स्टर कल्चर है उसे सख्ती से खत्म किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकास की राजनीति में विश्वास रखते है और जैसे ही भाजपा की पंजाब में सरकार बनेगी, केन्द्र की जितनी भी योजनाएं है, यहां पर उन सभी को लागू करने का काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आम आदमी पार्टी पर औच्छी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस रैली में आने वाले लोगों को रोका गया, उनके वाहन रोके गए। रैली में लोगों को आने से रोकना व बसों को रोकना उनकी घटिया मानसिकता को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित सभी लोगों से आहवान किया कि पंजाब को नम्बर वन का सूबा बनाने के लिए वर्ष 2027 में पंजाब में भाजपा की सरकार लाने का काम करे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा व रैली के आयोजक राजेश मिश्रा ने भी लोगों को सम्बोधित किया।

प्रधानमंत्री की विजनरी लीडरशिप में भारत ने समग्र विकास की नई आधारशिला रखी : आदित्यनाथ

राज्य सरकार मेडटेक की दिशा में आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर कार्य कर रही

सिटी दर्पण संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विजनरी लीडरशिप में भारत ने समग्र विकास की नई आधारशिला रखी है। विगत 11 वर्ष में इन्फ्रास्ट्रक्चर व डीपटेक के क्षेत्र में भारत ने जिन ऊँचाइयों को प्राप्त किया है, वह अद्भुत, आश्चर्यजनक व दुनिया के लिए कौतुहल का विषय है। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि लखनऊ को ए0आई0 सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। यदि आई0बी0एम0 इस कार्य में सहयोग करेगी, तो इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आई0बी0एम0 ने आई0आई0टी0 कानपुर में देश का पहला कम्प्यूटर स्थापित करने में योगदान दिया था। क्वॉण्टम कम्प्यूटिंग के लिए उत्तर प्रदेश की दावेदारी मजबूत है, क्योंकि प्रदेश लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार, आई0आई0टी0 कानपुर व आई0बी0एम0 क्वॉण्टम कम्प्यूटिंग की दिशा में कार्य करने के लिए तत्पर हैं। तीनों मिलकर आगे बढ़ेंगे, तो प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप क्वॉण्टम कम्प्यूटिंग का कार्यक्रम उत्तर प्रदेश से प्रारम्भ होकर डीपटेक की दिशा में आगे बढ़ने में सफल होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गत वर्ष उन्हें आई0आई0टी0 कानपुर में डीपटेक पर आधारित कॉन्फ्रेंस में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ था। राज्य सरकार ने मेडटेक के लिए आई0आई0टी0 कानपुर के साथ मिलकर कार्य किया है। वर्तमान में अलग-अलग क्षेत्रों में 07 सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस प्रदेश में कार्यरत हैं, जो उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। हेल्थ सेक्टर में लखनऊ का एस0जी0पी0जी0आई0 अच्छा कार्य कर रहा है। आई0आई0टी0 कानपुर भी उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज डिजिटल इण्डिया की सफलता विभिन्न मंचों के माध्यम से प्रस्तुत हो रही है। वैश्विक नेताओं ने नई दिल्ली में आयोजित इण्डिया ए0आई0 इम्पैक्ट समिट में प्रधानमंत्री जी के विजन को सराहा। प्रधानमंत्री जी की लीडरशिप में डिजिटल इण्डिया की सफलता की कहानी सबके सामने है। 140 करोड़ भारतवासियों को डिजिटल पहचान पत्र प्राप्त हुआ। 50 करोड़ लोग भारत में आयुष्मान भारत की सुविधा प्राप्त कर रहे हैं। देश के 50 करोड़ परिवार पारदर्शी बैंकिंग प्रणाली के अन्तर्गत डी0बी0टी0 के माध्यम से अपने खातों में शासन की सुविधा और योजनाओं का सीधे लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कल गौतमबुद्धनगर जनपद में प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश की पहली सेमीकण्डक्टर यूनिट की आधारशिला रखी गयी है। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में रोबोटिक्स के सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस हेतु धनराशि का प्राविधान किया है। इससे पूर्व, ड्रोन टेक्नोलॉजी के लिए भी सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु बजट की व्यवस्था की गयी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार प्रत्येक सेक्टर में कार्य कर रही है, जिसका परिणाम आज उत्तर प्रदेश में दिखायी दे रहा है। प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर में टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग कर प्रत्येक वर्ग के जीवन में परिवर्तन लाया जा रहा है।

एआई से होगी भारत की अगली कृषि क्रांति: जितेन्द्र सिंह

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत की अगली कृषि क्रांति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित होगी। एआई कृषि नीति, अनुसंधान और निवेश का प्रमुख आधार बन रहा है। जितेन्द्र सिंह ने मुंबई में आयोजित एआई4एग्री शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की जा रही है।

जितेन्द्र सिंह ने कहा कि एआई पहली बार कृषि क्षेत्र की पुरानी समस्याओं का बड़े स्तर पर समाधान दे रहा है। इसमें मौसम की अनिश्चितता, सूचना की कमी और बिखरे बाजार जैसी चुनौतियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एआई उत्पादकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि एआई के उपयोग से किसानों को हर वर्ष लगभग 70 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। यदि प्रत्येक किसान को बेहतर सलाह से 5 हजार रुपये की बचत होती है तो यह बड़ी आर्थिक उपलब्धि होगी। उन्होंने बताया कि देश में 14 करोड़ कृषि जोत हैं। इनमें अधिकांश छोटे और सीमांत किसान हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार 10372 करोड़ रुपये के इंडिया एआई मिशन के माध्यम से डिजिटल क्षमता, डाटा और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रही है। भारतजेन पहल के तहत एग्री परम नामक कृषि मॉडल विकसित किया गया है। यह 22 भारतीय भाषाओं में किसानों को सलाह देता है। मंत्री ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग एआई ओपन स्टैक विकसित कर रहा है। इससे देश में विकसित कृषि एआई समाधान एकीकृत ढांचे से जुड़ सकेंगे। राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान आईआईटी, आईआईएससी और आईसीएआर के साथ मिलकर कृषि एआई पर अनुसंधान को बढ़ावा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि ड्रोन और उपग्रह तकनीक से मृदा स्वास्थ्य कार्ड और स्वामित्व योजना को मजबूत किया जा रहा है। इससे भूमि और मिट्टी का सटीक डाटा मिल रहा है। इसके साथ एआई आधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की जा रही है। इससे किसान समय पर निर्णय ले सकेंगे।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय बजट 2026-27 में भारत विस्तार पहल का प्रस्ताव किया गया है। यह बहुभाषी एआई उपकरण होगा। इससे किसानों को उनकी फसल, मिट्टी और क्षेत्र के अनुसार सलाह मिलेगी। इसका उद्देश्य जोखिम कम करना और उत्पादकता बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय कृषि एआई अनुसंधान नेटवर्क स्थापित करेगी। इसमें केंद्र, राज्य, अनुसंधान संस्थान और अंतरराष्ट्रीय संगठन शामिल होंगे। इसका उद्देश्य कृषि, मिट्टी और जलवायु से जुड़े डाटा का राष्ट्रीय ढांचा तैयार करना है।

ग्लोबल साउथ के 43 राजनयिक उज्जैन पहुंचे, बाबा महाकाल के दर्शन किए

एजेंसी (हि.स.)

भोपाल

ग्लोबल साउथ यंग डिप्लोमेट्स फोरम का 43 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल रविवार शाम को उज्जैन पहुंचा। इस दल ने उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन किए।

दरअसल, विदेश मंत्रालय के अधीन सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान द्वारा आयोजित दौरा कार्यक्रम के तहत ग्लोबल साउथ यंग डिप्लोमेट्स फोरम का दल उज्जैन पहुंचा था। दल में शामिल ग्लोबल साउथ के 43 राजनयिक रविवार शाम उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में पहुंचने पर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से इंजीनियर शिवाकांत पांडे ने अतिथियों का पुष्पमालाओं और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविख्यात ज्योतिर्लिंग भगवान महाकल के दर्शन किए। इस दौरान मंदिर प्रबंध समिति द्वारा प्रतिनिधिमंडल को मंदिर की प्राचीनता, धार्मिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्ता से अवगत कराया। अतिथियों को बताया गया कि उज्जैन स्थित यह ज्योतिर्लिंग देश-विदेश में आस्था का प्रमुख केंद्र है। उन्हें मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी दी गई।

इस दौरान विदेश राजनियकों ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्हें भगवान शिव के बारे में बहुत कुछ जानने को मिला और यह एक अच्छा अनुभव रहा। उन्होंने भारत सरकार को धन्यवाद देते हुए यहां की कलाकृतियों की भी प्रशंसा की।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने मंदिर की भव्यता और आध्यात्मिक वातावरण की सराहना करते हुए इसे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक बताया। इस दौरे को सांस्कृतिक आदान-प्रदान और भारत की आध्यात्मिक धरोहर को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

नवीन का गुजरात के नेताओं से जनता के बीच जाकर काम करने का आह्वान

एजेंसी (हि.स.)

गांधीनगर

गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी नेताओं और जनप्रतिनिधियों को कड़ी नसीहत दी है। गुजरात मुख्यालय 'कमलम' में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि राजनीति कोई शॉर्टकट नहीं बल्कि एक मैराथन है, जिसमें निरंतर मेहनत जरूरी है। उन्होंने पार्टी नेताओं से जनता के बीच जाकर काम करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, केवल पद पाने के लिए पार्टी में मत आइए। पद हो या न हो, संगठन के लिए काम करना चाहिए। अपने जिले में खुद को ही पार्टी समझ लेना और अपने लोगों को सेट करना, यह नीति पार्टी के लिए सही नहीं है। बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों, शहर अध्यक्षों और अन्य नेताओं के साथ चर्चा के दौरान नितिन नवीन ने प्रभारियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कई नेता जिले में जाकर न्याय की बात करते हैं, लेकिन वहीं अपने लोगों को सेट कर देते हैं, जो संगठन के सिद्धांतों के खिलाफ है।

भाजपा अध्यक्ष नवीन ने नेताओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भाजपा प्रतिनिधियों की समाज पर मजबूत पकड़ होनी चाहिए। अगर आप अपने पद से दो कदम नीचे उतरकर काम करेंगे, तो बेहतर परिणाम मिलेंगे। साथ ही उन्होंने अपनी छवि सकारात्मक बनाए रखने की भी सलाह दी। विधायकों और सांसदों के साथ बैठक में उन्होंने खास तौर पर कहा, घर बैठकर कार्यालय मत चलाइए। जमीन पर उतरिए, लोगों के बीच जाइए और जनसंपर्क को मजबूत बनाइए।

आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाया जाए और बूथ स्तर पर डेटा मजबूत किया जाए।

भेदभाव मन का विषय, शक्ति और संस्कार से होगा समाज परिवर्तन: डॉ मोहन भागवत

एजेंसी (हि.स.)

देहरादून

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संघ यात्रा-नये क्षितिज, नये आयाम विषय पर प्रमुख जन गोष्ठी व विविध क्षेत्र समन्वित संवाद के द्वितीय सत्र में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। हिमालयन कल्चरल सेंटर के सभागार में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में कुल 190 प्रश्न आए। इनमें से प्रमुख प्रश्नों का सर संघचालक डॉ मोहन भागवत ने उत्तर दिए।

भेदभाव और सामाजिक परिवर्तन संबंधी प्रश्न के उत्तर में डॉ भागवत ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव का मूल कारण व्यवस्था नहीं, बल्कि मन है। अंधकार को पीटने से नहीं, प्रकाश जलाने से समाप्त किया जाता है। व्यवहार में परिवर्तन से ही भेदभाव मिटेगा। संघ में कई स्वयंसेवक दशकों तक कार्य करते हैं, पर पहचान की अपेक्षा नहीं रखते क्योंकि कार्य ही प्रधान है। संघ में नाम के आगे जाति लिखने का प्रावधान नहीं है।

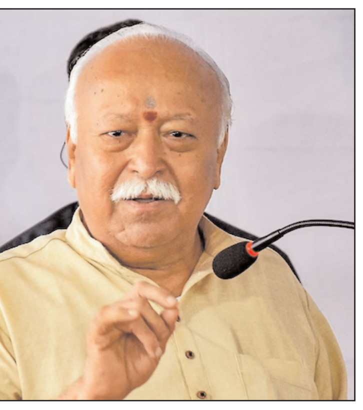

तकनीक और संस्कार से संबंधित सवाल के उत्तर में उन्होंने कहा कि तकनीक साधन है, साध्य नहीं। उसका उपयोग संयम और अनुशासन से होना चाहिए। परिवार में आत्मीयता और समय देना आवश्यक है, तकनीक के लिए मनुष्य की बलि नहीं चढ़ाई जा सकती। तकनीकी के साथ संस्कार का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। सांस्कृतिक पहचान और शक्ति से संबंधित प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जो जोड़ने का कार्य करे वही हिंदू है। मातृभूमि के प्रति भक्ति अनिवार्य है। विश्व सत्य से अधिक शक्ति को समझता है, इसलिए शक्ति अर्जित करना आवश्यक है, किंतु उसका उपयोग मर्यादित होना चाहिए।

संघ में राष्ट्रीय स्वयंसेविका संघ से संबंधित सवाल के उत्तर में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेविका संघ पूर्णतः स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि सेविका समिति अपने निर्णय स्वयं लेती है और उनका अनुपालन भी करती है। उन्होंने कहा कि देश संचालन में उनकी भागीदारी 33 प्रतिशत ही नहीं, 50 प्रतिशत तक होनी चाहिए। प्रतिबंध काल में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पर्यावरण, शिक्षा और सामाजिक सद्भाव संबंधित प्रश्न के उत्तर में उन्होंने उत्तराखंड की नदियों और पर्यावरण संरक्षण पर समन्वित नीति और स्थानीय सहभागिता पर जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने शिक्षा में पाठ्यक्रम, आरक्षण, वर्गीकरण और समान नागरिक संहिता जैसे विषयों से संबंधित सवालों के भी उत्तर दिए। लिव-एंड-रिलेशन संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल गलत है और इस तरह की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विवाह एक संस्कार है और इस संस्कार के बाद ही पति-पत्नी साथ रह सकते हैं।

डिजिटल कौशल से जुड़ने के लिए राष्ट्रीय अभियान शुरू, जयंत चौधरी ने किया शुभारंभ, अमिताभ बच्चन होंगे चेहरा

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने देश में डिजिटल कौशल को बढ़ावा देने के लिए ह्यबढ़ना है तो यहां जुड़ना हैह्ण नाम से राष्ट्रव्यापी जन जागरूकता अभियान शुरू किया। इस अभियान का शुभारंभ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान किया गया। इसका उद्देश्य स्किल इंडिया डिजिटल हब के माध्यम से युवाओं और नागरिकों को डिजिटल कौशल, रोजगार और आजीवन सीखने के अवसरों से जोड़ना है। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि स्किल इंडिया डिजिटल हब देश का एकीकृत डिजिटल कौशल मंच है। इस पर अब तक 1.5 करोड़ से अधिक अभ्यर्थी पंजीकरण करा चुके हैं। यह मंच नागरिकों को कौशल बढ़ाने, नए कौशल सीखने और रोजगार के अवसरों से जुड़ने की सुविधा देगा। इसके लिए बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को जोड़ा गया है। इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कहा कि भारत की डिजिटल क्षमता को इंडिया स्टैक और स्किल इंडिया डिजिटल हब जैसे मंचों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। ये मंच बड़े स्तर पर कौशल विकास और सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने में सहायक बने हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान हर भारतीय को इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ने और अपने विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। मंत्रालय के अनुसार स्किल इंडिया डिजिटल हब मोबाइल आधारित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सक्षम मंच है। इसमें विभिन्न सरकारी कौशल योजनाओं को एकीकृत किया गया है। यह मंच उद्योग आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। साथ ही अभ्यर्थियों को उनकी रुचि और करियर के अनुसार व्यक्तिगत सुझाव देता है। इस मंच पर डिजिटल प्रमाणपत्र, क्यूआर कोड आधारित डिजिटल जीवनवृत्त, आधार आधारित ई-केवाईसी पंजीकरण और मोबाइल ओटीपी के माध्यम से लॉगिन की सुविधा उपलब्ध है। यह मंच 21 से अधिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। इससे देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को समान अवसर मिल रहे हैं। यह मंच विद्यार्थियों, स्नातकों, नौकरीपेशा लोगों और उद्यमियों सभी के लिए उपयोगी है। इसका उद्देश्य कौशल और रोजगार से जुड़ी सेवाओं को एक मंच पर उपलब्ध कराना है। इससे सूचना, भाषा और पहुंच से जुड़ी बाधाएं दूर हो रही हैं।

आपदा राहत: किराये को 8.97 करोड़ पुनर्निर्माण को 141.61 करोड़ जारी

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

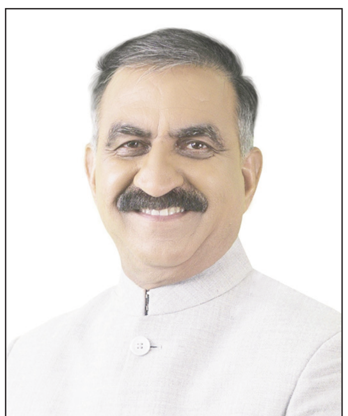

हिमाचल प्रदेश में वर्ष 2025 की भारी बारिश से प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए राज्य सरकार ने वित्तीय सहायता जारी की है। सरकार ने ऐसे परिवारों के लिए, जिनके मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए या रहने योग्य नहीं रहे, किराये की मदद के तौर पर 8 करोड़ 97 लाख 90 हजार रुपये जारी किए हैं।

सरकार अपने संसाधनों से शहरी क्षेत्रों में प्रति परिवार 10,000 रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों में 5,000 रुपये किराया सहायता दे रही है। इस पहल से अब तक ग्रामीण क्षेत्रों के 2,817 परिवार और शहरी क्षेत्रों के 88 परिवार लाभान्वित हुए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2025 में प्राकृतिक आपदाओं से प्रदेशभर में लगभग 16,488 परिवार प्रभावित हुए। इस दौरान 2,246 मकान पूरी तरह तबाह हो गए, जबकि 7,888 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा।

सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि देश में पहली बार आपदा प्रभावितों को मिलने वाले मुआवजे में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की गई है। विशेष राहत पैकेज के तहत क्षतिग्रस्त घरों के पुनर्निर्माण के लिए 141 करोड़ 61 लाख रुपये की पहली किस्त लाभार्थियों को जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं से प्रदेश के लगभग सभी क्षेत्र प्रभावित हुए हैं और निजी व सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान हुआ है। अनुमान के अनुसार प्रदेश को 16,500 करोड़ रुपये से अधिक की क्षति झेलनी पड़ी है। प्रवक्ता के अनुसार वर्ष 2023 में राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से विशेष राहत पैकेज शुरू किया था, ताकि प्रभावित परिवारों को आवास और आजीविका से जुड़ी परेशानियों का सामना न करना पड़े। वर्ष 2025 में भी इस पैकेज को जारी रखते हुए प्रभावितों को वित्तीय सहायता दी जा रही है।

सरकार ने राहत राशि में बड़ा इजाफा करते हुए पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकानों के लिए मुआवजा 1.30 लाख रुपये से बढ़ाकर 7 लाख रुपये कर दिया है। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कच्चे और पक्के मकानों के लिए सहायता राशि 1 लाख रुपये तय की गई है। घरेलू सामान के नुकसान पर पहले 2,500 रुपये मिलते थे, जिसे बढ़ाकर मकान मालिकों के लिए 1 लाख रुपये और किरायेदारों के लिए 50 हजार रुपये कर दिया गया है।

इसके अलावा अब पॉलीहाउस को हुए नुकसान पर 25 हजार रुपये और घरों से मलबा या गाद हटाने के लिए 50 हजार रुपये देने का भी प्रावधान किया गया है, जो पहले नहीं था।

पहली अप्रैल से बिना हिमबस कार्ड नहीं मिलेगी रियायत, कार्ड बनवाने की तारीख 31 मार्च तक बढ़ी

शिमला। हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बसों में मुफ्त और रियायती यात्रा करने वालों के लिए बड़ा बदलाव हुआ है। अब पहली अप्रैल 2026 से बिना हिमबस कार्ड पास के किसी भी यात्री को रियायत नहीं मिलेगी। इस बीच राहत देते हुए निगम ने कार्ड बनवाने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 31 मार्च 2026 कर दी है, जिससे पात्र लोग समय रहते पंजीकरण पूरा कर सकें। निगम के प्रबंध निदेशक निपुण जिंदल ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश पर समयसीमा बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि मुफ्त और रियायती यात्रा श्रेणी में आने वाले सभी नागरिक तय तिथि से पहले अपना हिमबस कार्ड पास अवश्य बनवा लें। उनके मुताबिक एक अप्रैल से केवल वही यात्री एचआरटीसी बसों में छूट के पात्र होंगे, जिनके पास वैध हिमबस कार्ड होगा। निगम ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय के बाद बिना पास यात्रा करने वालों को सामान्य किराया देना पड़ेगा। इसलिए पात्र लाभार्थियों से अपील की गई है कि वे अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए जल्द आवेदन करें। एचआरटीसी के अनुसार पंजीकरण प्रक्रिया को सरल और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया गया है, जिससे लोग आसानी से ऑनलाइन आवेदन कर सकें। निगम ने बताया कि पुलिस कर्मियों को छोड़कर जिन श्रेणियों को एचआरटीसी बसों में मुफ्त या रियायती यात्रा की सुविधा मिलती है, उनके लिए हिमबस कार्ड अनिवार्य कर दिया गया है। कार्ड बनाने के लिए प्रति वर्ष 236 रुपये (जीएसटी सहित) शुल्क निर्धारित किया गया है और यह कार्ड एक साल के लिए मान्य रहेगा। अगले वर्ष नवीनीकरण के लिए 150 रुपये प्लस जीएसटी देना होगा। लोकमित्र केंद्रों में आवेदन जमा करने पर 25 रुपये प्रति आवेदन सेवा शुल्क लिया जाएगा, जो सभी करों सहित होगा और नागरिकों द्वारा देय रहेगा।

दलाई लामा के स्वर्ण सिंहासन अरोहण की 86वीं वर्षगांठ आयोजित, कैलाश सत्यार्थी रहे मौजूद

एजेंसी (हि.स.)

धर्मशाला

नोबल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि जब भी मैक्लोडगंज और चुगलाखंग बौद्ध मठ में आने का मौका मिलता है तो लगता है कि मेरी तीर्थ यात्रा हो रही है। कैलाश सत्यार्थी रविवार को मैक्लोडगंज स्थित चुगलाखंग बौद्ध मठ में 14वें दलाई लामा के स्वर्ण सिंहासन अरोहण की 86वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। 22 फरवरी 1940 को तिब्बत के ऐतिहासिक पोटाला पैलेस में स्वर्ण सिंहासन पर परमपावन 14वें दलाई लामा को सिंहासनारूढ़ किया गया था। कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि 14वें दलाई लामा को स्वर्ण सिंहासन अरोहण की 86वीं वर्षगांठ पर हो रहा कार्यक्रम, केवल कार्यक्रम या उत्सव नहीं बल्कि 86 साल की ऐसी यात्रा है जो अंधेरों को चीरते हुए इसे उजाले की ओर जाती है। यह यात्रा शीतल नदी की तरह अन्याय व अत्याचारों के पहाड़ों को चीरते हुए पूरी दुनिया को प्रेम और करुणा का संदेश देते हुए चल रही है। यह दया और करुणा की यात्रा है, जो विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश देती है। इस दौरान कैलाश सत्यार्थी ने धर्मगुरु दलाईलामा से भी मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर निर्वासित तिब्बत सरकार के प्रधानमंत्री पेंपा सेरिंग ने तिब्बत के अंदर और बाहर के तिब्बतियों और दुनिया भर में तिब्बत के दोस्तों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। कार्यक्रम में फिलीपींस संसद के सांसद भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पेंपा सेरिंग ने कहा कि 86 साल पहले, 17 जुलाई 1939 को, छोटे बच्चे ल्हामो थोंडुप ने वर्षों की गहन खोज और पवित्र मौखिक पुष्टि के बाद 14वें दलाई लामा के वास्तविक पुनर्जन्म के रूप में अपनी पहचान के बाद कुंबुम जम्पा लिंग को छोड़ दिया। वह 8 अक्टूबर 1939 को ल्हासा के नोरबुलिंग्का पैलेस पहुंचे। औपचारिक राज्याभिषेक समारोह 22 फरवरी 1940 को पोटाला पैलेस के अंदर सिशी फुंटसोक हॉल मेंप में आयोजित किया गया था। यह समारोह सदियों पुरानी परंपरा और आस्था में निहित गाडेन फोडरंग प्रणाली के तहत तिब्बत के आध्यात्मिक और लौकिक नेतृत्व की निरंतरता का प्रतीक है। निर्वासित तिब्बत सरकार की ओर से प्रकाश डाला कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वैश्विक उथल-पुथल और क्षेत्रीय राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, मान्यता और सिंहासन की प्रक्रिया बाहरी हस्तक्षेप के बिना आयोजित की गई थी। निर्वासित सरकार ने अपने बयान में परम पावन की चार प्रमुख प्रतिबद्धताओं पर जोर दिया गया।

उपमुख्यमंत्री ने डेरा बाबा श्री रुद्रानंद आश्रम में नवाया शीश

एजेंसी (हि.स.)

ऊना

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने रविवार को ऊना जिले के नारी स्थित डेरा बाबा श्री रुद्रानंद आश्रम पहुंचकर ब्रह्मलीन वेदांताचार्य स्वामी श्री सुग्रीवानंद जी महाराज के प्रथम वार्षिक श्राद्ध कार्यक्रम में भाग लिया तथा श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर उन्होंने पूज्य संत की आध्यात्मिक विरासत को स्मरण करते हुए कहा कि स्वामी सुग्रीवानंद जी महाराज तप, त्याग और साधना की सजीव प्रतिमूर्ति थे। उनका समूचा जीवन लोककल्याण और आध्यात्मिक उत्थान को समर्पित रहा, जो समाज के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।

उपमुख्यमंत्री ने आश्रम के अधिष्ठाता स्वामी हेमानंद जी महाराज के गद्दीनशीनी समारोह में भी सहभागिता की तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्वामी हेमानंद जी महाराज के मार्गदर्शन में आश्रम आध्यात्मिक चेतना, सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों को नई दिशा और ऊंचाइयां प्रदान करेगा।

अग्निहोत्री ने कहा कि स्वामी सुग्रीवानंद जी महाराज चारों वेदों के प्रकाण्ड ज्ञाता और विरले संत थे। उनके ब्रह्मलीन होने पर समूचा प्रदेश शोकाकुल हो उठा था। उनके सम्मान में राजकीय आदर के साथ अंतिम संस्कार सम्पन्न किया गया तथा ऊना जिले में अवकाश घोषित किया गया, जो उनके प्रति सरकार और समाज की गहरी श्रद्धा का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि संत परंपरा भारतीय संस्कृति की आधारशिला है, जो समाज को नैतिक मूल्यों, सेवा भावना और सद्भाव का मार्ग प्रशस्त करती है। हिमाचल देवभूमि है और प्रदेश सरकार धार्मिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं के संरक्षण तथा सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान आश्रम परिसर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा।

भगवान शिव का त्रिशूल हमें सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है : राज्यपाल

एजेंसी (हि.स.)

मंडी

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव का विधिवत समापन किया। मंडी के ऐतिहासिक पड्डल मैदान में आयोजित समापन समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि शिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि धर्म, समर्पण और संतुलन का प्रतीक है। उन्होंने कहा भगवान शिव का त्रिशूल हमें सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। हिमाचल की देव संस्कृति हमारी आध्यात्मिक धरोहर है। उन्होंने मंडी जिला प्रशासन की ओर से मेले के सफल आयोजन की सराहना की।

राज्यपाल ने पिछले वर्ष की आपदा का जिक्र करते हुए करसोग और सराज के लोगों के जज्बे को नमन किया और भगवान शिव से प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने प्रधानमंत्री के मन की बात का उल्लेख करते हुए कहा कि मंडी मांडव्य ऋषि की अदभुत नगरी है। उन्होंने कहा कि हिमाचल देव परंपरा का केंद्र बिंदु है। मंडी नगरी की 500 सालों की गौरवशाली परंपरा है, पांच सौ सालों का इतिहास है, शिवरात्रि को लेकर लोगों का प्रबल उत्साह है।

उन्होंने कहा कि कुल्लू का दशहरा और मंडी की शिवरात्रि दोनों ही अंतर्राष्ट्रीय मेले हैं। मंडी का भूतनाथ मंदिर वास्तुकला का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने मंडी जिला प्रशासन और मंडी के लोगों से अपील की इस वास्तु कला को बनाए रखें, इसे मिटने न दें और न ही इसमें बदलाव करें।

राज्यपाल ने कहा कि राम और शिव हमारे आराध्य व पूर्वज हैं। उन्होंने कहा कि अन्य देशो के जेनजी ऐतिहासिक धरोहरों को मिटाने में लगी है, मगर मंडी हिमाचल का जेनजीशिव के ताल में ताल से ताल मिला कर नाच रहा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में पर्यावरण विखंडन की वजह से भारी उत्पात मचा था। भगवान शिव शंकर से प्रार्थना है कि डमरू के तांडव में हिमाचल की हर चीज को सुरक्षित रखे।

इस अवसर पर लेडी गवर्नर जानकी शुक्ल, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, साधना ठाकुर, अनिल शर्मा, चंद्रशेखर, पूर्णचंद ठाकुर, इंद्र सिंह गांधी, दलीप ठाकुर, दीपराज, वीरेंद्र भट्ट शर्मा एवं पार्षदगण मौजूद रहे।

मन की बात राष्ट्र में युवाओं, नवाचार और जिम्मेदारी को करती उजागरमन की बात राष्ट्र में युवाओं, नवाचार और जिम्मेदारी को करती हैं उजागर

एजेंसी (हि.स.)

जम्मू

जम्मू-कश्मीर में बूथ स्तर पर भाजपा ने 131वें मन की बात को सुना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर ने केंद्र शासित प्रदेश में बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो संबोधन मन की बात के 131वें संस्करण को सामूहिक रूप से सुना जा सके। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जो जनभागीदारी और समावेशी विकास को मजबूत करने के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा ने विधायक विक्रम रंधावा के साथ बहु विधानसभा क्षेत्र के गांधी नगर मंडल के बूथ नंबर 24 स्थित विधायक देवयानी राणा के आवास पर प्रसारण सुना। इस अवसर पर बोलते हुए सत शर्मा ने कहा कि मन की बात नागरिकों, विशेषकर युवाओं को नवाचार, जिम्मेदारी और सामुदायिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करती रहती है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आज के एपिसोड में प्रधानमंत्री ने हाल ही में संपन्न हुए ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट में भारत के नेतृत्व के बारे में बात की और इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया जिसने देश की तकनीकी क्षमताओं और किसानों, पशुधन प्रबंधन और विरासत संरक्षण को लाभ पहुंचाने वाले रचनात्मक समाधानों को प्रदर्शित किया।

सत शर्मा ने प्रधानमंत्री द्वारा डिजिटल सतर्कता के आह्वान का भी उल्लेख किया जिसमें लोगों से ऑनलाइन धोखाधड़ी से सावधान रहने और प्रौद्योगिकी को जिम्मेदारी से अपनाने का आग्रह किया गया था। उन्होंने पीएम मोदी द्वारा अंगदान की प्रेरणादायक कहानियों का जिक्र किया जैसे कि एक युवा दाता की कहानी, जिसके निस्वार्थ कार्य ने कई जिंदगियां बचाईं, जिससे करुणा और सामाजिक जागरूकता का संदेश मजबूत हुआ जो सभी समुदायों में गहराई से गूंजता है।

जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ श्रीनगर के सी-पट्टन, बूथ हारिनारा (62) में प्रसारण सुना। अशोक कौल ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम जिम्मेदारी, नवाचार और सांस्कृतिक गौरव पर आधारित राष्ट्र की प्रगति को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज के एपिसोड ने परीक्षाओं के दौरान छात्रों को प्रोत्साहित करने, स्थानीय समाधानों को अपनाने और उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जिम्मेदारी से जुड़ने के महत्व को रेखांकित किया।

मेंढर में विकास कार्यों की समीक्षा, गुणवत्ता व समयबद्ध पूर्णता पर जोर

एजेंसी (हि.स.)

जम्मू

कैबिनेट मंत्री जावेद राणा ने पीडब्ल्यूडी डिवीजन मेंढर द्वारा संचालित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु एक वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य अभियंता पीडब्ल्यू (आर एंड बी) पीर पंजाल, कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यू (आर एंड बी) मेंढर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मंत्री ने एसएएएससीआई के तहत चल रहे कार्यों, ईएमआरएस अवसंरचना, यूटी कैपेक्स बजट व नाबार्ड के अंतर्गत सड़क परियोजनाओं तथा मेंढर नगर के ड्रेनेज सिस्टम के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता मानकों का पालन, तय समयसीमा का अनुपालन तथा बाधाओं को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। ड्रेनेज कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि कार्यों का निष्पादन इस प्रकार हो कि आम जनता की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। विशेष रूप से सड़क संपर्क परियोजनाओं में तेजी लाने और जमीनी स्तर पर नियमित निगरानी के निर्देश भी दिए गए। मंत्री ने दोहराया कि सीमा व दूरदराज क्षेत्रों जैसे मेंढर में बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण सरकार की प्राथमिकता है और सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं ताकि स्थानीय जनता को शीघ्र लाभ मिल सके।

संक्षिप्त-समाचार

किश्तवाड़ में मुठभेड़ के बाद एक आतंकवादी मारा गया, ऑपरेशन जारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक दूरदराज के इलाके में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ चल रहे ऑपरेशन में एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने बताया कि चतरू बेल्ट के पासेरकुट के सामान्य इलाके में सुबह एक मिट्टी के घर के अंदर छिपे जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो पाकिस्तानी आतंकवादियों के बारे में सूचना मिली। इसके बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टियों को तलाशी अभियान शुरू करना पड़ा। आतंकवादियों ने पास आ रहे सैनिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे करीब 10:30 बजे मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि अब तक जारी ऑपरेशन में एक आतंकवादी मारा गया है।

आत्मविश्वास व उन्नतिशील सोच युवाओं के लिए आवश्यक: आर.एस. बाली

सोलन। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आर.एस. बाली ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नेतृत्व को पूरी ईमानदारी और समर्पण भावना के साथ कार्य करना आवश्यक है। आर.एस. बाली रविवार को सोलन जिला के कसौली उपमण्डल स्थित द लॉरेंस स्कूल सनावर में आयोजित आई कैन कान्फ्रन्स ह्यलीडरशिप विद हार्टह्व कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लीडरशिप विद हार्ट के लिए अपनी टीम की भावनाओं को समझना, टीम का मार्गदर्शन करना और उनके दृष्टिकोण को समझना ही एक सफल नेतृत्व की पहचान है। बाली ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, मार्गदर्शक, संप्रेषण कौशल, वक्ता कौशल, विवाद समाधान कौशल, टीम वर्क, कूटनीति इत्यादि कौशल सीखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को भविष्य के बेहतरीन मार्गदर्शक बनाने में सहायक सिद्ध होते है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम प्रत्येक विद्यालय स्तर एवं महाविद्यालय स्तर पर आयोजित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास व उन्नतिशील सोच से भरे बच्चे ही देश, प्रदेश व जिला का विकास सुनिश्चित बना सकते हैं। उन्होंने बच्चों से नशे जैसे कुरीति से दूर रहने का आग्रह भी किया। आर.एस. बाली ने द लॉरेंस स्कूल सनावर द्वारा आयोजित आई कैन कान्फ्रन्स ह्यलीडरशिप विद हार्टह्व कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास में निखार लाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

किराए के कमरे में चिट्टा बरामद, दो सगे भाइयों सहित तीन गिरफ्तार

शिमला। शिमला के लोअर खलीणी इलाके में पुलिस ने किराए के कमरे में दबिश देकर दो सगे भाइयों समेत तीन युवकों को चिट्टा (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से कुल 6.560 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस टीम इलाके में नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान संदेह के आधार पर लोअर खलीणी स्थित एक किराए के कमरे की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कमरे में मौजूद तीन युवकों के पास से नशीला पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही तीनों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहित कुमार (26 वर्ष) और रजत कुमार (24 वर्ष) पुत्र केसर सिंह के रूप में हुई है, जो आपस में सगे भाई हैं। तीसरे आरोपी की पहचान सोनू (26 वर्ष) पुत्र सत्या के रूप में हुई है। तीनों मूल रूप से गांव सैंज, डाकघर पंदराणू, तहसील जुब्बल, जिला शिमला के रहने वाले हैं और फिलहाल लोअर खलीणी के सूद भवन में किराए पर रह रहे थे। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से 6.560 ग्राम चिट्टा बरामद होने के बाद उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

कठुआ पुलिस की बड़ी कार्रवाई-35 क्विंटल खैर लकड़ी बरामद, 3 वाहन जब्त

कठुआ। कठुआ पुलिस ने एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 35 क्विंटल खैर लकड़ी और जलाऊ लकड़ी से लदे 3 वाहनों को जब्त किया है। पुलिस थाना लखनपुर क्षेत्र में बसंतपुर के पास नाका चेकिंग के दौरान एक ट्रक को रोका गया, जो महानपुर से लखनपुर की ओर जा रहा था। तलाशी लेने पर ट्रक से करीब 30-35 क्विंटल खैर लकड़ी बरामद हुई। पुलिस ने वाहन को जब्त कर चालक मोहम्मद सलीम निवासी गुरदासपुर पंजाब को हिरासत में लिया। बाद में मामला वन विभाग से संबंधित होने के कारण लकड़ी और वाहन को वन विगाभ के हवाले कर दिया गया। इसी तरह थाना हीरानगर पुलिस ने कूटा क्षेत्र में गश्त के दौरान दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में लदी जलाऊ लकड़ी बरामद कर उन्हें भी जब्त किया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

मौसम पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं हुआ तो बारिश की कमी का असर आगे भी दिख सकता है

तीन जिलों में बर्फबारी के आसार, जनजातीय इलाकों में माइनस पारा

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

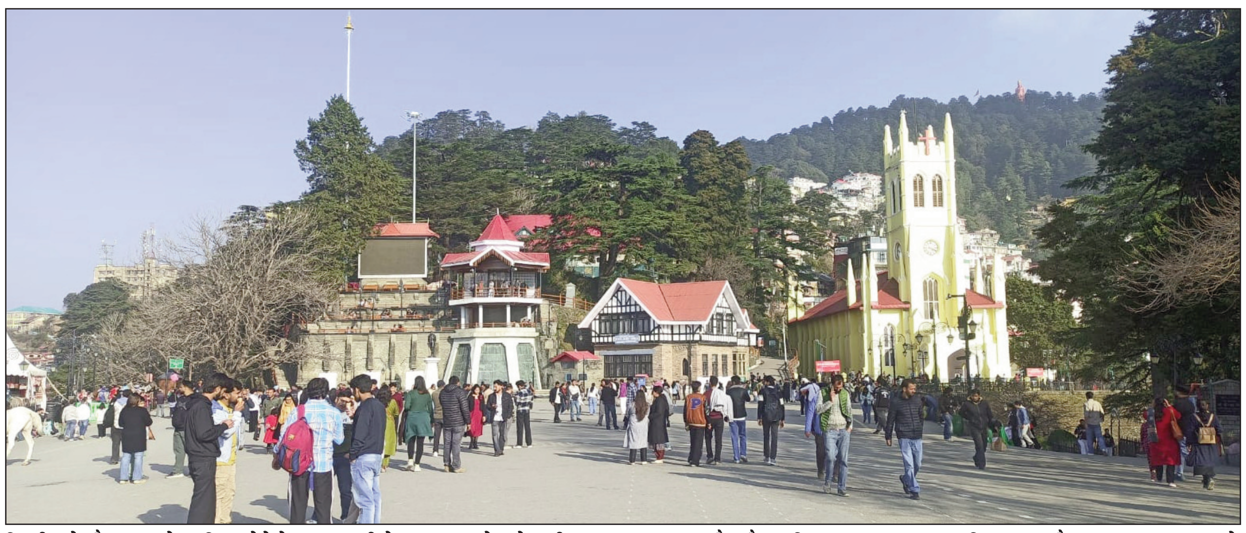

हिमाचल प्रदेश में मौसम भले ही इन दिनों साफ बना हुआ है, लेकिन तीन पर्वतीय जिलों लाहौल-स्पीति, किन्नौर और चम्बा–में हल्की बर्फबारी के आसार जताए गए हैं। वहीं जनजातीय इलाकों में ठंड अभी भी कायम है और तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार 23 फरवरी को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिसका असर सीमित रहने की संभावना है। इसी वजह से केवल ऊंचे क्षेत्रों में ही हल्का हिमपात हो सकता है, जबकि राज्य के अन्य जिलों में मौसम साफ रहेगा।

रविवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में धूप खिली है और कहीं से भी बारिश या बर्फबारी दर्ज नहीं हुई। विभाग का कहना है कि 24 से 28 फरवरी तक पूरे हिमाचल में मौसम शुष्क और साफ बना रहेगा। इस दौरान किसी बड़े मौसम तंत्र के सक्रिय होने के संकेत नहीं हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए कोहरे या ठंडी लहर की कोई चेतावनी भी जारी नहीं की है।

इस सर्दी के मौसम में हिमाचल में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है। एक जनवरी से अब तक प्रदेश में करीब 30 प्रतिशत कम बारिश हुई है। फरवरी महीना भी लगभग सूखा ही रहा है। महीने की शुरूआत में पहाड़ी इलाकों में हल्का हिमपात जरूर हुआ था, लेकिन उसके बाद से लंबे समय से मौसम शुष्क बना हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी कोई मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं हुआ तो बारिश की कमी का असर आगे भी दिख सकता है। पिछले कुछ दिनों से लगातार धूप खिलने के कारण प्रदेश के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में उछाल आया है। दिन के समय ठंड का असर काफी कम हो गया है, लेकिन सुबह और शाम हल्की ठंड अभी भी महसूस की जा रही है। जनजातीय इलाकों में सर्दी का असर बना हुआ है और वहां पारा अब भी माइनस में चल रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार शिमला में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सुंदरनगर में 8.6, भुंतर में 7.9, धर्मशाला में 11.0, ऊना में 9.2 और नाहन में 9.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पालमपुर में 9.0, सोलन में 6.5, मनाली में 3.9 और कांगड़ा में 10.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मंडी में 9.4 और बिलासपुर में 10.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जुब्बड़हट्टी में 9.4 डिग्री और पांवटा साहिब में 14.0 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ।

सबसे कम न्यूनतम तापमान लाहौल स्पीति जिला के ताबो में माइनस 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि इसी जिला के कुकुमसेरी में पारा माइनस 3.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से करीब 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है।

महात्मा ज्योतिराव और माता सावित्री फुले ने अंधकार में शिक्षा का दीप जलाया: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली के मंगोलपुरी में अंतरराष्ट्रीय सैनी भवन का किया उद्घाटन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को दिल्ली के मंगोलपुरी में अंतरराष्ट्रीय सैनी भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने इस भवन में स्थापित की गई महात्मा बुद्ध, महात्मा ज्योतिराव फुले, माता सावित्री बाई फुले, महाराज शूर सैन की प्रतिमाओं का भी अनावरण किया। उन्होंने सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले ट्रस्ट को 51 लाख रुपए देने की घोषणा भी की।

इस दौरान संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिराव फुले और माता सावित्री बाई फुले ने अंधकार में शिक्षा का दीप जलाया।

उन्होंने कहा कि यह समारोह उन विचारों, मूल्यों और आदर्शों का उद्घोष है, जिन्होंने भारतीय समाज को दिशा दी, नई चेतना पैदा की और सामाजिक न्याय, शिक्षा तथा समानता के मार्ग पर आगे बढ़ाया। यह गर्व का क्षण है कि मंगोलपुरी में हमारे महापुरुषों की प्रतिमा का अनावरण हुआ है। यह उस चेतना को नमन करने का अवसर है, जिसने अंधकार में दीप जलाने का काम किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिराव और माता सावित्री फुले केवल दो नाम नहीं बल्कि सामाजिक क्रांति के दो स्तंभ हैं जिन्होंने बराबरी व शिक्षा की मजबूत नींव रखने का काम किया। जब समाज में बेटियों को पढ़ाना अपराध माना जाता था तब सावित्रीबाई फुले ने ज्ञान को आगे बढ़ने का काम किया। उन्होंने जाति, भेदभाव और अन्याय के विरुद्ध कलम को तलवार बनाया और अपने विचारों के माध्यम से क्रांति का दीप जलाया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह मूर्तियां हमें याद दिलाती रहेगी कि शिक्षा से बड़ा कोई हथियार नहीं है, समानता से बड़ा कोई धर्म नहीं है और मानवता से बड़ा कोई राष्ट्र धर्म नहीं है। उन्होंने सभी से आान किया कि सभी अपनी बेटियों को आगे बढ़ाएं और भेदभाव के खिलाफ अपनी आवाज को बुलंद करें। इसके साथ-साथ मिलकर शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लें।

इस मौके पर ट्रस्ट के प्रधान श्रीपाल सैनी ने मुख्यमंत्री के समक्ष ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों का उल्लेख किया और अपनी मांगे रखी। इस दौरान राज्यसभा सांसद राजेंद्र सिंह, पूर्व सांसद राजकुमार सैनी, पूर्व मंत्री धर्म सिंह, उत्तर प्रदेश में मंत्री जसवंत सैनी, रणवीर सिंह, गुलाब सिंह आदि मौजूद रहे।

राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे अनदेखे नायकों को पहचान दिलाने का सशक्त मंच है मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात: रणबीर गंगवा

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने आज हिसार में मील गेट पर लोगों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को सामूहिक रूप से सुना। इस अवसर पर मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देश के कोने-कोने में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करता है। यह कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के उन अनदेखे नायकों को पहचान दिलाने का सशक्त मंच है, जो चुपचाप राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए विचार स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, युवा नवाचार, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जन-जागरूकता बढ़ाते हैं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह प्रयास देशवासियों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है और नागरिकों को राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है।

सनातन धर्म की परंपराओं में बसती है भारतीय संस्कृति की आत्मा : कृष्ण कुमार बेदी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- पर्यावरण शुद्धि एवं सनातन जागरण के लिए जींद में 108 कुंडीय महायज्ञ का हो रहा भव्य आयोजन

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सनातन धर्म की परंपराएं केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। पर्यावरण शुद्धि तथा आमजन को सनातन संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से 108 कुंडीय महायज्ञ जैसे भव्य आयोजन समाज को एकजुट करने और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

श्री कृष्ण कुमार बेदी गत देर सायं जींद में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में जगतगुरु पीठाधीश चक्रवर्ती यज्ञ सम्राट श्री श्री 1008 हरिओम जी महाराज के सान्निध्य में किये जा रहे 103वें महायज्ञ की महा आरती में शामिल होकर लोगों को संबोधित कर रहे थे।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भारत की भूमि सदियों से संतों, ऋषि-मुनियों और महापुरुषों की तपोभूमि रही है। भारतीय संस्कृति का मूल आधार अध्यात्म, नैतिकता और मानवता के उच्च आदर्शों पर टिका हुआ है। हमारे संत-महापुरुषों ने अपने उपदेशों, तप और त्याग से समाज को सत्य, अहिंसा, करुणा और सेवा का मार्ग दिखाया है। प्राचीन काल से ही भारत में ज्ञान की परंपरा रही है।

वेद, उपनिषद, पुराण और महाकाव्य जैसे ग्रंथों ने मानव जीवन को दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जहां रामायण हमें मयार्दा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का संदेश देती है, वहीं महाभारत धर्म और अधर्म के संघर्ष के माध्यम से सत्य की विजय का संदेश देती है। इसी प्रकार भगवद्गीता जीवन के प्रत्येक संकट में कर्तव्य पालन, कर्मयोग और आत्मबल की प्रेरणा प्रदान करती है।

शहीदों के बलिदान और जवानों की मुस्तैदी से सशक्त हो रहा है देश: डॉ अरविंद शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि वीर जवानों के बलिदान और सीमाओं पर मुस्तैद हमारे जवानों की बदौलत हमारा देश सशक्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की प्रदेश सरकार निरन्तर जवानों के उत्साहवर्धन एवं उनके प्रति सम्मान को बढाने की दिशा में काम कर रही है। डॉ अरविंद शर्मा ने आज गोहाना विधानसभा में वर्ष 1965 जंग के शहीद लांसनायक हवा सिंह के शहीद स्थल व उनकी आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण करते हुए राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमारे वीर जवानों की बदौलत देश की सीमाएं सुरक्षित हैं और आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प ले चुका है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से देश मे केंद्र, प्रदेश सरकारों द्वारा सैनिकों के सम्मान में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। दशकों पुरानी वन रैंक - वन पेंशन की मांग को मजबूत इच्छा-शक्ति के साथ पूरा किया गया। हरियाणा वीरों की धरती है, जहां हर दसवां जवान सेना में है। युद्ध व आईईडी ब्लास्ट में शहीद जवान के परिवार को अनुग्रह राशि 50 लाख रुपए से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए किया गया है। शहीद परिवार के आश्रित सदस्यों को वर्ष 2014 के बाद 418 नौकरी दी गई हैं।

डीपीआर हुई तैयार, अब मुख्यमंत्री के आदेशानुसार तेज गति से बनेगा बाईपास: सुभाष सुधा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि कुरुक्षेत्र बाईपास परियोजना की जल्द डिटेल प्रोजैक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो गई है। इस बाईपास के लिए डीपीआर तैयार करने वाली एजेंसी ने प्रोजेक्ट की पूर्ण सरकार को सौंप दी है। इस प्रोजैक्ट को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार तेज गति के साथ पूरा किया जाएगा। इस परियोजना को जल्द ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से अमलीजामा पहनाया जाएगा।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने बातचीत करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र के नागरिकों को ट्रैफिक जाम व सडक दुर्घटनाओं जैसी समस्याओं से निजात दिलवाने के लिए बाईपास की मांग लम्बे अरसे से की जा रही है। यह बाईपास कुरुक्षेत्र के लिए किसी जीवन रेखा से कम नहीं होगा। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पदभार संभालते ही कुरुक्षेत्र बाईपास प्रोजैक्ट को लेकर केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से बातचीत की थी। इससे पहले भी इस प्रोजैक्ट को लेकर सरकार पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रही थी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ही विशेष प्रयासों से इस प्रोजैक्ट के लिए तीन गुणा तेज गति के साथ कार्रवाई की जा रही है। सरकार के आदेशानुसार राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रोजैक्ट मैनेजर अंबाला डिविजन द्वारा कुरुक्षेत्र शहर के लिए बाईपास प्रोजैक्ट की डीपीआर बनाकर एजेंसी ने सरकार को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि पिहोवा, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर हाइवे के साथ-साथ कुरुक्षेत्र बाइपास जोकि एनएच 152 पिहोवा से शुरू होगा, यह एमडीआर 119 और एनएच 44 तथा एनएच 344 यमुनानगर जिले को जोडेगा। इस क्षेत्र के लिए डिटेल प्रोजैक्ट रिपोर्ट तैयार होगी।

पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि एनएचएआई की तरफ से एजेंसी द्वारा तैयार डीपीआर के बाद अब जमीन का अधीग्रहण होगा और उसके बाद बाईपास बनाने की योजना को एनएचएआई की तरफ से अमलीजामा पहना दिया जाएगा।

इस परियोजना के पूरा होने के बाद कुरुक्षेत्र का सारा हैवी ट्रैफिक बाहर से डाइवर्ट हो जाएगा और शहरवासियों को ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलेगी और सडक दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लग पाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

केयू के 25 विद्यार्थी प्रतिष्ठित बैंक आईसीआईसीआई में चयनित

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए बड़े हर्ष का विषय है कि केयू के 25 विद्यार्थियों को चयन प्रतिष्ठित बैंक आईसीआईसीआई में हुआ है। इस अवसर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, लगन और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये विद्यार्थी बैंकिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय का प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता एवं रोजगार केन्द्र विद्यार्थियों को कौशल युक्त कर उन्हें रोजगार प्रदान करने की ओर निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने भी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। केयू प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता एवं रोजगार केन्द्र के कोऑर्डिनेटर डॉ. मोहिंदर सिंह ने बताया कि केयू में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में विभिन्न संकायों के लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें लिखित परीक्षा के बाद 55 विद्यार्थी अंतिम साक्षात्कार में पहुंचे और उनमें से 25 विद्यार्थी चयनित किये गए। इनमे आईआईएचएस के 10, यूआईईटी के 8 तथा आईएमएस के कुल 7 विद्यार्थी शामिल हैं जिन्हें 5 लाख रुपए का सालाना पैकेज दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान आईसीआईसीआई बैंक की ओर से वरिष्ठ अधिकारी कैलाश शर्मा, सन्नी कवातरा तथा एचआर मैनेजर ईशा ने बैंक की कार्य संस्कृति, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, करियर उन्नति के अवसरों तथा प्रदर्शन आधारित पदोन्नति प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर केयू डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, केयूसीटीईआई के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. जसविन्दर कुमार ने भी विद्यार्थियों के चयन पर प्रसन्नता प्रकट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की।

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के कुलपति पद का प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने संभाला कार्यभार

कुरुक्षेत्र। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में आज नवनियुक्त कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विधिवत रूप से अपने पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण समारोह के दौरान उनकी धर्मपत्नी डॉ. ममता सचदेवा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. सी. मलिक सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, उसे वे पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के समग्र विकास, शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा शोध गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि उनका प्राथमिक लक्ष्य विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान संस्कृति को सुदृढ़ करना, नवाचार को प्रोत्साहन देना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शैक्षणिक सुधार, डिजिटल अवसंरचना का विस्तार, उद्योग, संस्थान सहयोग तथा अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक साझेदारियों को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

आज से 27 फरवरी तक कुरुक्षेत्र में आयोजित होगा सांग महोत्सव-2026

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- श्री धनपत सिंह सांगी स्मृति पुरस्कार के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा महोत्सव
- सांग महोत्सव हरियाणा का एक प्रमुख पारंपरिक लोकनाट्य उत्सव

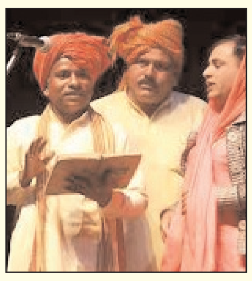

पारंपरिक लोकनाट्य विधा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 23 से 27 फरवरी, 2026 तक पांच दिवसीय सांग महोत्सव का आयोजन कुरुक्षेत्र में किया जा रहा है, जिसमें प्रदेशभर के कलाकार सांगों की प्रस्तुति देंगे।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सूचना, लोक संपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा द्वारा श्री धनपत सिंह सांगी स्मृति पुरस्कार के उपलक्ष्य में इस भव्य सांग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से कलाकृति भवन, हरियाणा कला परिषद, नजदीक ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। सांग महोत्सव में हरियाणा की समृद्ध लोकनाट्य परंपरा सांग की प्रस्तुतियां प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों द्वारा दी जाएंगी। पांच दिवसीय इस सांस्कृतिक आयोजन में कुल 24 सांग प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें ऐतिहासिक, पौराणिक एवं लोककथाओं पर आधारित कथानक शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि सांग महोत्सव के अंतर्गत 23 फरवरी को वीर विक्रमजीत, हीर-रांझा, राजा नल दमयंती और पिंगला भरथरी जैसे सांग मंचित होंगे। 24 फरवरी को हीरामल्ल जमाल, जानी चोर, बणदेवी, गोपी चंद और चंद्र प्रभा मदनपाल की प्रस्तुतियां होंगी। 25 फरवरी को लीलो चमन, बणदेवी, पिंगला भरथरी, शाही लकड़हारा और दुष्यंत शकुंतला जैसे सांग दर्शकों को आकर्षित करेंगे। 26 फरवरी को बणदेवी , राजा नल दमयंती, हीरा मल्ल जमाल, गोपी चंद और सेठ ताराचंद का मंचन किया जाएगा। समापन दिवस पर 27 फरवरी को धर्म की जीत, बणदेवी , राजा उत्तानपाद ध्रुव का जन्म और विराट पर्व जैसे सांग प्रस्तुत किए जाएंगे।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में एसपीएसएस और आर पर एक सप्ताह की कार्यशाला आज से

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के सांख्यिकी एवं परिचालन अनुसंधान विभाग द्वारा एसपीएसएस एवं आर के माध्यम से डेटा एनालिटिक तकनीकों पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 23 से 27 फरवरी, 2026 तक विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में आयोजित होगी।

विभागाध्यक्ष प्रो. जितेन्द्र खटकड़ ने बताया कि यह कार्यक्रम कौशल विकास केंद्र, केयूके के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जो कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय रूसा परियोजना सोसायटी के तत्वावधान में संचालित है। कार्यशाला का उद्देश्य शोधार्थियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों को डेटा विश्लेषण की आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना तथा उन्हें एसपीएसएस और आर सॉफ्टवेयर के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान करना है।

कार्यक्रम के संयोजक डा. मुकेन्द्र कादियान ने बताया कि कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को डेटा प्रबंधन, सांख्यिकीय विश्लेषण, हाइपोथीसिस परीक्षण, रिग्रेशन मॉडलिंग तथा शोध में डेटा की व्याख्या जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे वे अपने शोध कार्य और अकादमिक परियोजनाओं में इन तकनीकों का प्रभावी उपयोग कर सकें।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से इस कार्यशाला में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपने कौशल को सुदृढ़ करने का आान किया है।

प्रदेश सरकार द्वारा भविष्य में शिक्षा पर और ध्यान दिया जाएगा: हरविन्द्र कल्याण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि सरकार द्वारा भविष्य में प्रदेश में शिक्षा पर और ध्यान दिया जाएगा। इस प्लान में उन सभी स्कूलों में नए भवन बनवाए जाएंगे जहां जरूरत होगी। आगामी दो साल में जहां भी जमीन उपलब्ध होगी वहां महिलाओं के लिए चौपाल बनवाई जाएंगी।

श्री कल्याण आज करनाल के अमृतपुर कलां गांव में पौने दो करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। पंचायती राज विभाग की ओर से इस केंद्र का निर्माण कार्य 15 महीने के अंदर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में घरौंडा हलके में विकास के अनेक कार्य कराए गए हैं। कई गांवों में कम्युनिटी सेंटर बनवाए गए हैं। अमृतपुर कलां गांव सहित करीब 17 गांवों के स्कूलों को सीनियर सेकेंडरी बनवाया गया।

श्री कल्याण ने कहा कि अब पढ़ने वाले बच्चों को मेरिट पर नौकरी मिल रही है। कोशिश है कि हर युवा पैरों पर खड़ा हो, ऐसा होने से परिवार, समाज व देश प्रगति करेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों में अच्छे संस्कार डालें। उन्हें मेहनत के लिए प्रेरित करें, उन्हें ठीक-गलत का ज्ञान दें।

उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह के लिए घरौंडा में प्रदेश का पहला ट्रेनिंग सेंटर बन रहा है। अराईपुरा में एनसीसी अकादमी बनाई जा रही है। यमुना बेल्ट में दूसरी आईटीआई बनवाई जाएगी।

उन्होंने महिलाओं से लाडो लक्ष्मी योजना और ग्रामीणों से सूर्य घर मुफ्त योजना का लाभ उठाने की अपील की।

इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, बीडीपीओ सोमवीर खटकड़ व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सबसे प्राचीन और परंपरागत विद्या सांग महोत्सव का महासंगम आज से: डॉ.नरेन्द्र सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा के महानिदेशक केएम पांडुरंग के आदेशानुसार व उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के मार्गदर्शन में धनपत सिंह सांग पुरस्कार के उपलक्ष्य में सांग महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। अहम पहलू यह है कि सबसे प्राचीन और परंपरागत विद्या सांग महोत्सव का महासंगम देखने को मिलेगा और यह सांग महोत्सव 23 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक कलाकृति भवन हरियाणा कला परिषद के भरतमुनि रंगशाला के सभागार में आयोजित किया जाएगा।

जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने बातचीत करते हुए बताया कि हरियाणा के प्रसिद्ध सांगी धनपत सिंह के हरियाणा लोक संस्कृति योगदान को देखते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की घोषणा उपरांत धनपत सिंह सांगी की स्मृति में इस वर्ष धनपत सिंह सांगी पुरस्कार की घोषणा की जानी है। इसके लिए 23 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक कलाकृति भवन हरियाणा कला परिषद के भरतमुनि रंगशाला के सभागार में सांग महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में पिंगला भरथरी, हीर-रांझा, राजा नल दमयंती, वीर विक्रमाजीत के किस्सों की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। प्रदेश में सबसे प्राचीन और परंपरागत विद्या सांग महोत्सव 5 दिन में 24 सांगों की प्रस्तुति दी जाएगी। इन प्रस्तुतियों से पंडित दादा लख्मीचंद, मांगेराम, पाले राम, धनसिंह, रामकिशन व्यास, पंडित जय नारायण, प्यारे लाल को जिंदा रखा जा रहा है। यह सांग महोत्सव 23 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक कलाकृति भवन हरियाणा कला परिषद के भरतमुनि रंगशाला के सभागार में आयोजित किया जाएगा।

जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने बातचीत करते हुए बताया कि सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा के महानिदेशक केएम पांडुरंग के आदेशानुसार व उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के मार्गदर्शन में धनपत सिंह सांग पुरस्कार के उपलक्ष्य में सांग महोत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा के प्रसिद्ध सांगी धनपत सिंह के हरियाणा लोक संस्कृति योगदान को देखते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की घोषणा उपरांत धनपत सिंह सांगी की स्मृति में इस वर्ष धनपत सिंह सांगी पुरस्कार की घोषणा की जानी है। इसके लिए 23 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक कलाकृति भवन हरियाणा कला परिषद के भरतमुनि रंगशाला के सभागार में सांग महोत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। यह सांग महोत्सव 5 दिवसीय होगा।

उन्होंने कहा कि जिसमें हरियाणा संस्कृति को जीवंत रखे हुए सांग पार्टियां इस महोत्सव में भाग लेगी और हरियाणा की संस्कृति धरोहर को सहेजने का काम करेगी। इतना ही नहीं यह सांग महोत्सव सुबह 10 बजे से सायं के 6 बजेतक आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव में नगाड़ा वादन, लोकगायन और 3-5 घंटे तक चलने वाली लंबी सांग प्रस्तुतियां दर्शकों का मनोरंजन करेंगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा का लोकनाट्य सांग समस्त विधाओं से ओतप्रोत रहता है। जिसमें अभिनय के साथ-साथ नृत्य, संगीत, रागनी इत्यादि शामिल रहती है। प्रत्येक कलाकार पूरे रियाज के बाद 3 से 5 घंटे की प्रस्तुति से हरियाणा की पारम्परिक लोक विधाओं को किस्सें के माध्यम से लोगों तक पहुंचाते हैं।

जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि 23 फरवरी को सांगी नेरन द्वारा वीर विक्रमाजीत का, सांगी राजेश कुमार द्वारा हीर रांझा का, सांगी राजपाल द्वारा राजा नल दमयंती और सांगी आजाद सिंह द्वारा पिगंला भरथरी का किस्सा पेश किया जाएगा। दूसरे दिन 24 फरवरी को सांगी कुलदीप द्वारा हीरामल्ल जमाल का, सांगी संजय द्वारा जानी चोर का, सांगी सुभाष द्वारा बणदेवी का, सांगी सतपाल द्वारा गोपी चंद का और सांगी नितिन कुमार द्वारा चंद्रप्रभा मदनपाल का किस्सा पेश किया जाएगा। इसी तरह तीसरे दिन 25 फरवरी को सांगी समंदर द्वारा लीलो चमन का, सांगी कृष्ण लाल द्वारा बणदेवी का, सांगी कृष्ण कुमार द्वारा पिंगला भरथरी का, सांगी स्वामी कर्ण सिंह द्वारा शाही लकड़हारा और सांगी वेद प्रकाश अत्री द्वारा दुष्यंत शकुंतला का किस्सा पेश किया जाएगा।

जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि चौथे दिन 26 फरवरी कोसांगी सोनू द्वारा बणदेवी का, सांगी उस्मान द्वारा राजाल नल दमयंती का, सांगी इंद्र सिंह द्वारा हीरा मल्ल जमाल का, सांगी राजेश कुमार द्वारा गोपी चंद का और सांगी रतन भारती द्वारा सेठ ताराचंद का किस्सा पेश किया जाएगा। अंतिम दिन 27 फरवरी सांगी रामशरण द्वारा धर्म की जीत का, सांगी राजेंद्र सिंह द्वारा बणदेवी, सांगी रमेश कुमार द्वारा धर्म की जीत का, सांगी बाबू लाल द्वारा राजा उत्तानपाद ध्रुव का जन्म का और सांगी विष्णुदत्त द्वारा विराट पर्व का किस्सा प्रस्तुत किया जाएगा।

संपादकीय

मेरठ से रफ्तार की क्रांति: देश की सबसे तेज मेट्रो और नमो भारत ट्रेन की शुरुआत

भारत के शहरी परिवहन ढांचे में एक नया अध्याय उस समय जुड़ गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ से देश की सबसे तेज मेट्रो सेवा और नमो भारत ट्रेन को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई। इस पहल को केवल एक नई परिवहन सुविधा के शुभारंभ के रूप में नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कनेक्टिविटी, आर्थिक गतिविधियों और नागरिकों के जीवन स्तर में संभावित सुधार के संकेत के रूप में भी समझा जा रहा है। जिस गति से देश में शहरीकरण बढ़ रहा है और आबादी महानगरों के आसपास केंद्रित हो रही है, उस संदर्भ में तेज, सुरक्षित और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। यही कारण है कि यह परियोजना नीतिगत और व्यावहारिक – दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दिल्ली और मेरठ के बीच बढ़ती दैनिक आवाजाही ने क्षेत्रीय परिवहन प्रणाली को मजबूत बनाने की आवश्यकता को और स्पष्ट कर दिया था। नमो भारत ट्रेन इसी क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट नेटवर्क का हिस्सा है, जिसे यात्रियों को कम समय में लंबी दूरी तय करने की सुविधा देने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। उच्च गति क्षमता, आधुनिक डिब्बे और डिजिटल सूचना प्रणाली जैसी विशेषताओं के साथ इसे भविष्य की सार्वजनिक रेल सेवाओं का नमूना बताया जा रहा है। यात्रियों को आरामदायक बैठने की व्यवस्था, बेहतर सुरक्षा मानक और तकनीकी सुविधाओं का अनुभव देने का दावा किया गया है, जिससे दैनिक आवागमन न केवल तेज बल्कि अधिक भरोसेमंद भी बन सके। यदि यह प्रणाली अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करती है, तो यह महानगरों के बीच यात्रा के स्वरूप को बदलने की क्षमता रखती है। इसके समानांतर, मेरठ मेट्रो सेवा का विकास शहर के भीतर तेज और व्यवस्थित आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। आधुनिक तकनीक और ऊर्जा दक्षता को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई यह सेवा स्थानीय स्तर पर यातायात दबाव को कम करने और प्रदूषण घटाने में मददगार हो सकती है। शहर के प्रमुख इलाकों को जोड़ते हुए यह मेट्रो प्रणाली नागरिकों को वैकल्पिक और विश्वसनीय परिवहन विकल्प प्रदान करने का प्रयास है। इसकी रफ्तार और संचालन क्षमता को देश की अग्रणी मेट्रो सेवाओं की श्रेणी में रखने की बात कही जा रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि भारत के मध्यम आकार के शहरों में भी उन्नत परिवहन ढांचे को प्राथमिकता दी जा रही है। इस परियोजना का आर्थिक आयाम भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना इसका सामाजिक पक्ष। बेहतर कनेक्टिविटी का अर्थ केवल दूरी कम होना नहीं है, बल्कि यह व्यापार, उद्योग और रोजगार के अवसरों में विस्तार की संभावना भी पैदा करता है। दिल्लीझ्र मेरठ क्षेत्र पहले से औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है, और तेज परिवहन नेटवर्क के माध्यम से इसकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे बुनियादी ढांचे के विकास से आसपास के शहरों में निवेश को प्रोत्साहन मिल सकता है और रियल एस्टेट, सेवा क्षेत्र तथा छोटे उद्योगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इससे क्षेत्रीय विकास संतुलन को भी मजबूती मिल सकती है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से देखा जाए तो सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने वाली परियोजनाएं दीर्घकालिक टिकाऊ विकास रणनीति का हिस्सा होती हैं। निजी वाहनों पर निर्भरता कम होने से ईंधन की खपत घट सकती है और वायु प्रदूषण पर भी सकारात्मक असर पड़ सकता है। हालांकि इस लक्ष्य की प्राप्ति तभी संभव होगी जब सेवाओं की पहुंच व्यापक हो और किराया संरचना आम नागरिकों के लिए संतुलित रहे। यदि बड़ी संख्या में लोग इस परिवहन प्रणाली को अपनाते हैं, तो यह न केवल पर्यावरणीय दबाव को कम करेगी बल्कि शहरी जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हो सकती है। राजनीतिक और प्रतीकात्मक स्तर पर भी ऐसी परियोजनाओं का महत्व कम नहीं होता। बड़े बुनियादी ढांचे के उद्घाटन अक्सर विकास, आधुनिकीकरण और नीतिगत प्राथमिकताओं के संकेत के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं। यह जनता के सामने शासन की उपलब्धियों को दशार्ने और भविष्य की योजनाओं के प्रति विश्वास बनाने का माध्यम भी बनते हैं। हालांकि किसी भी परियोजना की वास्तविक सफलता समय के साथ उसके प्रदर्शन, उपयोगिता और स्थायित्व से निर्धारित होती है। इसलिए उद्घाटन के बाद उसके संचालन और रखरखाव की गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक हो जाता है। चुनौतियों के संदर्भ में देखा जाए तो नई परिवहन प्रणालियों के सामने तकनीकी, वित्तीय और प्रबंधन से जुड़ी बाधाएं आ सकती हैं। कई शहरों के अनुभव बताते हैं कि शुरूआती उत्साह के बाद सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखना एक जटिल कार्य बन जाता है। यात्री संख्या, संचालन लागत और रखरखाव के बीच संतुलन बनाना आवश्यक होता है। इस परियोजना के लिए भी यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा कि तकनीकी दक्षता, वित्तीय पारदर्शिता और यात्री संतुष्टि को समान रूप से प्राथमिकता दी जाए। तभी यह पहल दीर्घकालिक रूप से सफल मानी जा सकेगी। समग्र रूप से देखा जाए तो मेरठ से शुरू हुई यह पहल भारत के परिवहन ढांचे में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत देती है। तेज गति, आधुनिक सुविधाओं और क्षेत्रीय जुड़ाव को केंद्र में रखते हुए यह परियोजना शहरी जीवन को सरल बनाने के साथ आर्थिक और सामाजिक गतिशीलता को भी नई दिशा दे सकती है। आने वाले समय में इसका वास्तविक प्रभाव यात्रियों के अनुभव, यातायात दबाव में कमी और क्षेत्रीय विकास की गति में दिखाई देगा। फिलहाल, इसे देश के बुनियादी ढांचे के विस्तार और भविष्य की शहरी योजना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा सकता है।

कुत्तों को संसार से शून्य करने की मंशा ठीक नहीं

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

प्रकृति में जैव विविधता है। पशुओं के प्रति लगाव का इतिहास पुराना है। मनुष्य और पशुओं के मध्य आत्मीयता का भाव वैदिक साहित्य से लेकर आज तक प्रत्यक्ष दिखाई पड़ता है। कुत्ते हमारे स्वाभाविक परिजन हैं। उनकी सूंघने व सुनने की क्षमता विलक्षण है। संप्रति आधुनिक सभ्यों का एक वर्ग कुत्तों से चिढ़ा हुआ है। कोर्ट-कचहरी तक कुत्तों पर बहस है। कुत्तों को संसार से शून्य करना चाहता है। यह बात सही है कि जब-तब कुत्ते आक्रामक भी हो जाते हैं लेकिन वे स्वयं अपनी ओर से कभी आक्रामक नहीं होते। उनकी आंखों में स्वाभाविक आत्मीय लगाव देखा जा सकता है। वे अपने लिए कोई संपदा नहीं चाहते। वे इस विराट संसार में अपने लिए छोटी-सी जगह चाहते हैं। दौड़ने पर वे वह जगह छोड़कर दूसरी जगह बैठ जाते हैं। पालतू कुत्तों की बात अलग है। बाकी सब भूखे-प्यासे मरते हैं।

वैदिक साहित्य में कहा गया है, 'मनुष्य और पशु दोनों में एक प्राण शक्ति है।' उनमें आत्मीयता है। बाघ आदि जानवर कभी पालतू नहीं रहे। ऋग्वेद के शिव और रुद्र पशुपति भी हैं। वैदिक इंडेक्स में लिखा है कि, ह्लऋग्वेद में प्राणियों को तीन श्रेणियां में बांटा गया है, पहली श्रेणी वायव्य है। इस श्रेणी में पक्षी आते हैं। दूसरी श्रेणी अरण्य है। अरण्य का अर्थ है वन। इस श्रेणी में जंगल में रहने वाले पशु आते हैं और ग्राम्य-गांव में रहने वाले पालतू पशु हैं। वैदिक काल में पशुओं के प्रति प्रेम बहुत सघन रूप में व्यक्त हुआ है। अग्नि ऋग्वेद में बड़े देवता हैं। ऋग्वेद के ऋषि के ध्यान में अग्नि की पशु जैसी चंचलता की ओर गया है। ऋग्वेद (1.65.5) में कहते हैं, 'अग्नि पशु जैसे चंचल हैं।' कभी-कभी घरेलू पशु खो जाते हैं। खोजने पर मिल जाते हैं। पशु के खो जाने और बाद में उसके मिल जाने पर प्रसन्नता होती है। ऋग्वेद में कहते हैं, 'पूषन देव हमें वैसे ही मिलते हैं जैसे खोए हुए पशु खोजने पर मिल जाते हैं।' अनेक पशु इधर-उधर घूमा करते हैं। ऋषि ऐसे पशुओं की तुलना अग्नि देवता से करते हैं, 'अग्नि वैसे ही फैल जाता है, जैसे रक्षक के बिना पशु इधर-उधर भागता है।'

पशुओं से अपने कुल या वंश का सम्बंध जोड़ना सर्वविदित है। सभी पशु प्रिय हैं लेकिन कुत्ते प्राचीन भारतीय इतिहास से लेकर आधुनिक काल तक अपनी विशेष पहचान बनाए हुए हैं। भारतीय अध्यात्म परंपरा में स्वर्ग प्राप्ति को महत्वपूर्ण बताया गया है। महाभारत के रचनाकाल में स्वर्ग अति प्रतिष्ठित धारणा थी। महाभारत की कथा के अनुसार युधिष्ठिर अपने भाई व द्रौपदी के साथ स्वर्ग की यात्रा पर निकले। कथा के अनुसार उनका कुत्ता भी साथ था। स्वर्ग की दुर्गम पहाड़ियों में एक-एक पांडव गिरते गए। मरते गए अंत में द्रौपदी के भी गिर जाने के बाद कुत्ता ही जीवित शेष रहा। महाभारत में सभी पांडवों के देहावसान के कारण बताए गए हैं। युधिष्ठिर के कुत्ते का बच जाना उसकी निष्ठा का पुरस्कार था। कुत्ते अपने पालक के प्रति निष्ठावान रहते हैं। निष्ठा भी साधारण नहीं। अपने पालक के साथ स्वर्ग तक जाने की पात्रता ध्यान देने योग्य है। स्वर्ग प्राप्ति की पात्रता आश्चर्यजनक है।

कुत्तों को मारने का फतवा ठीक नहीं। कुत्तों की आंखों में आंख डालकर झांकना चाहिए। यहां आत्मीयता है। वे निर्दोष हैं। आंखें आत्मरस से लबालब हैं। वे किसी को भी चोट नहीं पहुंचाना चाहते। अपने पालक के प्रति निष्ठा दुर्लभ है उनमें। संसार में बड़े अनूठे जीव हैं। संसार जैव विविधता से भरा-पूरा है। ऋग्वेद के एक प्रसंग में कुत्ते देवताओं की गाय चुरा लेते हैं। गायों की चोरी की घटना से देव व्यथित थे। ऋग्वेद की कथा के अनुसार देवों की कुतिया शर्मा ने चोरी गई गाय खोज निकालीं। गाय चोरी करने वालों ने शर्मा से कहा कि हम तुम यह गोधन परस्पर बांट लें। शर्मा ने यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। उसकी अपनी वंश परंपरा में निष्ठा बहुत महत्वपूर्ण है। उसने कहा कि इन्द्र आ रहे हैं और अपनी गाय वापस ले जाएंगे। आचार्य सायण ने इस मंत्र सूक्त के आधार पर शर्मा को कुतिया होने के बावजूद देवता का सम्मान दिया है। शर्मा वैदिक देवता हैं।

गाय और घोड़े भी प्राचीन समाज में प्रतिष्ठित पशु रहे हैं लेकिन तीनों की अलग-अलग प्रतिष्ठा है। गाय वैदिक समाज में माता हैं। घोड़ा उपयोगी है, लेकिन कुत्ते की बात ही अलग है। कुछ विद्वान बंदर को पूर्वज बताते हैं। बंदर में पूंछ होती है। बाकी सब मनुष्य जैसा है। पूरी बात गले नहीं उतरती। मनुष्य में ईर्ष्या होती है। हिंसा होती है। बेईमानी होती है। पशु बेईमान नहीं होते। भारतीय समाज में जीवों को अतिरिक्त आदर दिया गया है। गणेश गण देवता हैं। उनका वाहन एक छोटा-सा पशु चूहा है। एक देवता कार्तिकेय हैं। उनका वाहन मोर है। रूद्र शिव का वाहन वृषभ है।

नंदी प्रतीक की चर्चा पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया के बड़े भूभाग में प्रचलित है। वैसे भी शंकर पशुपति हैं। बिल्ली भी अपनी ओर से काटने नहीं दौड़ती। घिर जाने पर हाथ-पैर चलाती है। समूचे पशु संसार को आदर के साथ मानना भारत में ही संभव है। ऐसे प्रतीक दुनिया की किसी अन्य संस्कृति में नहीं मिलते। सभी जीवों के प्रति आत्मीयता के सिद्धांत में सभी मनुष्यों के प्रति आत्मीयता का भाव अंतर्निहित है। प्रायः सभी जीव अपने आचरण से हिंसक नहीं होते। वे आत्मरक्षा में गलती कर सकते हैं।

पशु भारत की सम्मानित संपदा रहे हैं। इसके विपरीत पश्चिम एशिया और यूरोप के देशों में पशुओं के प्रति प्रेम भाव नहीं रहा है। संभवतः यूरोपीय देशों में मनुष्य और पशुओं के भीतर प्रवाहमान एक ही प्राण शक्ति का दार्शनिक भावबोध नहीं था। भारतीय दर्शन में मनुष्यों और पशुओं में तथा सभी जीवों में एक ही प्राण शक्ति का दर्शन हुआ है। भारत के आमजनों में सभी जीवों में एक ही प्राण शक्ति के दर्शन हुए हैं। हमारे परिचित देवाजी जायसवाल व अजय प्रताप सिंह कुत्तों, बंदरों व पक्षियों के प्रति संवेदनशील हैं। यह संवेदनशीलता प्रशंसनीय है।

गीता प्रबोधन में श्रीकृष्ण ने अर्जुन से समूचे ब्रह्माण्ड में भिन्न-भिन्न प्रतिष्ठित प्रतीकों के उल्लेख किए हैं। कृष्ण ने अर्जुन को बताया है कि, 'शस्त्रधारियों में राम मैं हूं।' राम यहां भगवत्ता के प्रतीक हैं। ऐसे ही उन्होंने गाय के बारे में कहा है कि, ह्लकामधेनु गाय मैं हूं। हाथियों में ऐरावत मैं हूं।ह्व गाय सम्माननीय प्रतीक है। हाथी व सांप से लेकर सभी दिव्य प्रतीकों का उल्लेख गीता में हुआ है।

बंदर को मनुष्य का पूर्वज कहा जाता है। यह सिद्धांत चार्ल्स डार्विन के विचार से लिया गया है। जहां डार्विन बंदर को पूर्वज बताते हुए प्रकृति के विकास का संकेत देते हैं। भारतीय परंपरा में हनुमान ज्ञान और बुद्धि के देवता हैं। हनुमान बुद्धि, बल और ज्ञान के देवता हैं। वे भक्ति और समर्पण का शिखर हैं। पशु ऋग्वेद के रचनाकाल के पहले से ही सम्माननीय हैं। ऋग्वेद के एक मंत्र (9.72.9) में ऋषि स्तुति करता है कि हमारा धन पशुओं से भरा-पूरा हो और स्वर्ण से युक्त हो। यहां सोने की तरह पशुओं को भी धन के रूप में देखा गया है। यूरोप के लोग मनुष्य को सोशल एनिमल मानते थे। मनुष्य उनकी दृष्टि में सामाजिक प्राणी हैं। भारत का मनुष्य अनेक संभावनाओं से भरा-पूरा है। यहां वनस्पतियां आराध्य हैं। पृथ्वी आराध्य हैं। अंतरिक्ष आराध्य हैं। शक्ति का कण-कण उपास्य है। पश्चिम एशिया और यूरोप के देशों में पशुओं के प्रति आदर भाव नहीं रहा। ऋग्वेद में पशु सहित सभी प्राणी सम्माननीय हैं। यूरोप पर भारत के दृष्टिकोण में यह आधारभूत अंतर है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

पारदर्शिता से जवाबदेही की ओर: भारत की खाद्य सुरक्षा संरचना में एआई की भूमिका

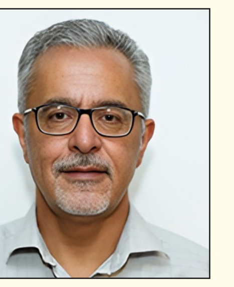

संजीव चोपड़ा

पिछले एक दशक के दौरान, भारत ने अभूतपूर्व पैमाने पर अपनी खाद्य सुरक्षा संरचना का डिजिटलीकरण किया है। खरीद एवं भंडारण से लेकर परिवहन, वितरण और सब्सिडी के निपटारे तक, मूल्य श्रृंखला का हर चरण अब डिजिटल प्रणालियों द्वारा संचालित है। यह व्यवस्था निरंतर संचालन से जुड़े आंकड़े सृजित करने के साथ-साथ ही हर महीने लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रही है।

शासन संबंधी अगली चुनौती इस पारदर्शिता को प्रशासनिक जवाबदेही में बदलना है। सिर्फ दृश्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस प्रणाली को पैटर्न की व्याख्या करने, जोखिमों को प्राथमिकता देने और समय पर प्रतिक्रिया देने में भी समर्थ होना चाहिए। इस बदलाव को देखते हुए, केन्द्र सरकार पूरी प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग कर रही है।

खरीद प्रक्रिया के दौरान, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को कुटाई के बाद आपूर्ति किए गए चावल की गुणवत्ता का आकलन टूटे हुए दानों के प्रतिशत, अशुद्धियों और रंग में बदलाव जैसे निर्धारित मापदंडों के आधार पर दृश्य आधारित मूल्यांकन पर निर्भर करता है। बड़े पैमाने पर, मानवीय व्यक्तिपरकता के कारण नतीजे भिन्न हो सकते हैं। इसलिए, एआई से लैस स्वचालित अनाज विश्लेषक (एजीए) का उपयोग तस्वीर-आधारित विश्लेषण के जरिए इन मापदंडों का आकलन करने हेतु किया जा रहा है। माप को मानकीकृत और व्यक्तिपरकता को कम करके, ये प्रणालियां मौजूदा खरीद मानदंडों के भीतर काम करते हुए गुणवत्ता के सत्यापन में निरंतरता को बेहतर बना रही हैं।

एफसीआई और सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन (सीडब्ल्यूसी) द्वारा संचालित भंडारण केन्द्रों में, निगरानी को मजबूत करने हेतु आईओटी-आधारित निगरानी प्रणालियों की शुरूआत की जा रही है। सेंसर तापमान, आर्द्रता, फॉस्फीन और कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को मापते हैं, जबकि एआई से लैस कंप्यूटर विजन टूल स्वचालित तरीके से बोरियों की गिनती और स्टॉक के सत्यापन में सहायता करते हैं। ये प्रणालियां माल-सूची (इन्वेंट्री) और पर्यावरणीय स्थितियों से संबंधित निरंतर आंकड़े सृजित करती हैं। डीएफपीडी के वेयरहाउस ग्रेडिंग प्लेटफॉर्म, डिपो दर्पण के साथ एकीकृत, इस आंकड़े का विश्लेषण प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स का उपयोग करके खराब होने के जोखिम, स्टॉक संबंधी विसंगतियों या अनुपालन की कमियों से जुड़े पैटर्न की पहचान करने हेतु किया जा सकता है ताकि शीघ्र और अपेक्षाकृत अधिक जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण से जुड़ी कार्रवाई संभव हो सके।

खाद्यान्नों की आवाजाही के दौरान, मार्ग अनुकूलन उपकरणों ('अन्न चक्र') का उपयोग करके जहां परिवहन की योजना बनाई जाती है, वहीं व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (वीएलटीएस) ट्रक की आवाजाही से जुड़े वास्तविक समय में जीपीएस आधारित आंकड़े सृजित करते हैं। राज्यों ने मार्ग अनुकूलन के जरिए लगभग 238 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत की है। मार्ग संबंधी योजना भले ही व्यवस्थित है, लेकिन राज्यों में हजारों यात्राओं की निगरानी करना परिचालन संबंधी चुनौतियां पेश करता है। आवागमन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने और बार-बार होने वाले मार्ग विचलन, असामान्य देरी या असामान्य ठहराव को चिह्नित करने के उद्देश्य से एआई-आधारित पैटर्न का पता लगाने और विसंगति की पहचान करने की योजना बनाई जा रही है। ये विश्लेषण निगरानी को मजबूत कर रहे हैं और परिवहन संचालन के अपेक्षाकृत अधिक केन्द्रित सत्यापन को संभव बना रहे हैं।

वितरण वाले चरण में, राज्यों द्वारा रखे गए लाभार्थियों के रिकॉर्ड को स्मार्ट-पीडीएस प्लेटफॉर्म के तहत समेकित किया जाता है। इससे राशन कार्डों का एक एकीकृत राष्ट्रीय भंडार तैयार होता है। यही नहीं, इससे राज्य द्वारा परिभाषित मानदंडों के तहत संभावित रूप से अपात्र कार्डों की पहचान करने हेतु अन्य सरकारी डेटाबेस के साथ सत्यता की पुष्टि (क्रॉस-वेरिफिकेशन) भी संभव हो पाती है। अब तक, इस तरह के सत्यापन के जरिए 8.51 करोड़ राशन कार्डों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 2.18 करोड़ कार्डों को राज्य सरकारों द्वारा उचित प्रक्रिया के बाद हटा दिया गया है। हालांकि नामों, पतों, आधार सीडिंग और परिवार की संरचना में विसंगतियां बड़े पैमाने पर नियम-आधारित जांच की प्रभावशीलता को सीमित कर सकती हैं। संभावित नकल, संबंधित पहचानों या परिवारों के असामान्य पुनर्गठन की पहचान करने हेतु मशीन लर्निंग पर आधारित आंकड़ों के मिलान की तकनीकों का उपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। इसके परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाले जोखिम संबंधी संकेत राज्यों द्वारा लक्षित सत्यापन में सहायता करेंगे, जिससे मौजूदा पात्रता संबंधी मानदंडों के भीतर सटीकता बेहतर होगी।

लाभार्थियों की शिकायतें सेवाओं की आपूर्ति और अनाज की गुणवत्ता के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। शिकायत दर्ज कराने हेतु कई साधन (ऑनलाइन पोर्टल, कॉल सेंटर, व्हाट्सएप और आईवीआरएस सहित) मौजूद हैं, लेकिन शिकायतों की संख्या और भाषाई विविधता के कारण समय पर उनका निपटान और समाधान करना मुश्किल हो जाता है। सरकार ने अन्न सहायता होलिस्टिक एआई सॉल्यूशन (आशा) शुरू किया है, जो बहुभाषी वॉयस आउटरीच और एआई-आधारित विश्लेषण का उपयोग करके लाभार्थियों से व्यवस्थित प्रतिक्रिया एकत्र करता है। स्वचालित वर्गीकरण और भावनाओं के विश्लेषण प्रशासकों के लिए डैशबोर्ड तैयार करते हैं, जिससे प्राथमिकता के निर्धारण और प्रतिक्रिया में लगने वाले समय में सुधार होता है। आशा वर्तमान में प्रति माह लगभग 20 लाख लाभार्थियों तक पहुंचती है और पूरे देश में इसका विस्तार किया जा रहा है।

अंत में, राज्य सरकारें खरीद लागत घटकों से संबंधित सहायक दस्तावेजों के साथ एनएफएसए के लिए सब्सिडी दावे (स्कैन) पोर्टल के जरिए सब्सिडी संबंधी दावों को प्रस्तुत करती हैं। प्रारूप और चेकलिस्ट भले ही मानकीकृत हैं, लेकिन अपूर्ण, बेमेल या अस्पष्ट दस्तावेज के कारण जांच और प्रतिपूर्ति में देरी हो सकती है। दस्तावेजों की प्रासंगिकता, डेटा की निरंतरता और अपलोड की स्पष्टता की पुष्टि करने हेतु एआई-आधारित दस्तावेज सत्यापन और गुणवत्ता मूल्यांकन का उपयोग किया जा रहा है। इससे बार-बार की पूछताछ कम होती है और दावों के निपटारे की प्रक्रिया में दक्षता और निरंतरता बेहतर होती है।

भारत की खाद्य सब्सिडी संरचना ने डिजिटलीकरण के जरिए पहले ही बबार्दी को कम कर दिया है। अगला बदलाव जवाबदेही में निहित है। खरीद, भंडारण, परिवहन, वितरण और दावों के निपटान की प्रक्रिया में एआई को शामिल करके, यह प्रणाली जोखिमों का शीघ्र पता लगाने, त्रुटियों को तेजी से सुधारने और लाभार्थियों को उनका हक समय पर दिलाने में अधिक समर्थ हो जाती है। कुल 80 करोड़ से अधिक लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले इस कार्यक्रम में, अधिक जवाबदेही कोई मामूली सुधार नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा ढांचे की संरचनात्मक मजबूती का प्रतीक है।

(लेखक खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव हैं)

आज का राशिफल

मेषः आपका सौम्य और सहयोगी स्वभाव लोगों को आकर्षित करेगा, जिससे सामाजिक दायरा मजबूत बनेगा। पारिवारिक स्तर पर भाई-बहनों के साथ रिश्तों में आत्मीयता बढ़ने के संकेत हैं। कला या संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में रुचि जाग सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः व्यापार या वित्तीय मामलों में हल्की सुस्ती दिख सकती है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा। जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास निर्णयों को प्रभावित कर सकता है, जिससे अनावश्यक उलझनें पैदा हो सकती हैं। गलत संगति से दूरी बनाकर रखना बेहतर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः व्यावसायिक गतिविधियों में आर्थिक लाभ की संभावना बन रही है, लेकिन आलस्य कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ने के संकेत हैं। आप सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आपकी गंभीरता और संतुलित व्यवहार की सराहना होगी। दाम्पत्य जीवन में पारस्परिक सम्मान और समझ बढ़ेगी। वरिष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण साबित होगा। आसपास के लोग आपसे अपेक्षाएं रख सकते हैं, जिन्हें आप सहयोग से पूरा करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः कार्यस्थल पर आपके सुझावों को प्राथमिकता मिल सकती है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। मनोरंजन या शौक से जुड़ी गतिविधियों पर खर्च हो सकता है। जीवनशैली में सुधार के संकेत हैं। सरकारी या प्रशासनिक स्तर पर रुके कार्य पूरे होने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः ध्यान भटकने के कारण कार्यों में एकाग्रता की कमी महसूस हो सकती है, इसलिए नये प्रोजेक्ट शुरू करने से बचना बेहतर होगा। निजी रिश्तों में तनाव की स्थिति बन सकती है, जिसे संवाद से संभालना जरूरी है। सुविधाओं में कमी या असंतोष महसूस हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः व्यापारिक समझौतों या साझेदारी के लिए समय अनुकूल दिख रहा है। बच्चों की उपलब्धियां आपको गर्व का अनुभव कराएंगी। निर्माण या विकास से जुड़े कार्य गति पकड़ सकते हैं। स्वास्थ्य में घुटनों से जुड़ी तकलीफ उभर सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः संपत्ति से जुड़े पुराने विवाद फिर से चर्चा में आ सकते हैं, इसलिए संयम बनाए रखें। समय प्रबंधन पर ध्यान देना आवश्यक रहेगा। टालमटोल से बचें, अन्यथा कार्यों में देरी हो सकती है। सहयोगियों का समर्थन मिलने से कार्य आसान होंगे। *(सिटी दर्पण)*

धनुः आप उन कार्यों को प्राथमिकता देंगे जो आपकी रुचि से जुड़े हैं। परिस्थितियों को समझदारी से संभालना लाभकारी रहेगा। अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास करें। बच्चों को अनुशासन और जिम्मेदारी सिखाने का अवसर मिलेगा। पहले किए निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

मकरः वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक रहेगा, क्योंकि कठोर शब्द विवाद बढ़ा सकते हैं। आर्थिक लेन-देन में जल्दबाजी नुकसानदायक हो सकती है। अनावश्यक भागदौड़ से अपेक्षित परिणाम न मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः व्यवसाय में नये अवसर सामने आ सकते हैं, जिनसे प्रगति की राह खुलेगी। योजनाबद्ध तरीके से काम करना फायदेमंद साबित होगा। नौकरीपेशा लोगों को यात्रा करनी पड़ सकती है। विद्यार्थी अपने भविष्य को लेकर अधिक सजग दिखाई देंगे। *(सिटी दर्पण)*

मीनः पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं परेशानी दे सकती हैं, इसलिए सतर्क रहें। जरूरी वस्तुओं के खोने की संभावना है, इसलिए सावधानी बरतें। आपके सही प्रयासों का भी विरोध हो सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। जोखिम भरे निवेश से दूरी रखें। *(सिटी दर्पण)*

नदी को साफ रखना सामाजिक अनुशासन का विषय

संजय सिंह (हि.स)

मथुरा में बहती यमुना को देखते हुए मन में एक साथ कई भाव उठते हैं, स्मृति, श्रद्धा और चिंता। यह वही नदी है जिसका उद्गम उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र स्थित यमुनोत्री हिमनद से होता है, जो पहाड़ों की शीतलता और पवित्रता को अपने साथ लेकर मैदानों में उतरती है। कभी इसे कालिंदी कहा गया, कभी इसे कृष्ण की लीलाओं का साक्षी माना गया, तो कभी आगरा और इटावा के खेतों की जीवनरेखा। दिल्ली, मथुरा, वृंदावन और आगरा जैसे नगरों की सांस्कृतिक स्मृति में यह नदी केवल जलधारा नहीं, जीवन का आधार रही है। परंतु आज जब हम इसके तट पर खड़े होते हैं तो प्रश्न उठता है, क्या हम सचमुच इसके साथ खड़े हैं?

पिछले कई दशकों में यमुना की स्थिति सुधारने के लिए योजनाएँ बनीं, बजट आवंटित हुए, तकनीकी ढाँचे खड़े किए गए। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की संख्या बढ़ी, नालों को इंटरसेप्ट करने के प्रयास हुए, औद्योगिक इकाइयों के लिए मानक तय किए गए। न्यायपालिका और प्रशासन दोनों ने समय-समय पर दिशा-निर्देश दिए। इन प्रयासों को नकारा नहीं जा सकता। परंतु एक बुनियादी सच्चाई यह भी है कि नदी केवल पाइपलाइन और प्लांटों से नहीं बचती; वह उन लोगों से बचती है जो उसके साथ रहते हैं।

यमुना बेसिन में छह करोड़ से अधिक लोग निवास करते हैं। केवल दिल्ली महानगर की आबादी दो करोड़ के आसपास है। मथुरा, आगरा, इटावा, यमुनानगर और अन्य कस्बों को जोड़ दें तो यह संख्या और बढ़ जाती है। प्रतिदिन लाखों लीटर घरेलू सीवेज, ठोस कचरा, प्लास्टिक, पूजा सामग्री और औद्योगिक अपशिष्ट इस नदी तंत्र पर दबाव डालते हैं। सरकारें ढाँचा बना सकती हैं, पर हर गली से निकलने वाली नाली पर पहरा नहीं दे सकतीं।

यहीं समुदाय की भूमिका निर्णायक हो जाती है। जब तक नदी के किनारे रहने वाला व्यक्ति यह न माने कि यमुना उसकी अपनी है, तब तक कोई भी योजना स्थायी परिणाम नहीं दे सकती। नदी का प्रदूषण केवल प्रशासनिक समस्या नहीं, यह सामाजिक व्यवहार का प्रश्न भी है। हम अपने घर के आँगन को साफ रखते हैं, मोहल्ले की सड़क पर कचरा डालने से बचते हैं, पर वही कचरा जब नाले के माध्यम से नदी तक पहुँचता है, तो हमें उसका अहसास नहीं होता। नदी सार्वजनिक है और सार्वजनिक वस्तु के प्रति हमारी जिम्मेदारी अक्सर निजी वस्तु जितनी प्रबल नहीं होती।

जिस प्रकार हम समाज में रहते हुए यह समझते हैं कि हमारा व्यवहार दूसरों को प्रभावित करता है, सड़क पर कचरा न फैलाना, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना, नियमों का पालन करना, उसी प्रकार का सिविक सेंस हमें अपनी नदियों और प्रकृति के प्रति भी विकसित करना होगा। यदि हम मानते हैं कि समाज के बीच हमारा आचरण मर्यादित और जिम्मेदार होना चाहिए तो प्रकृति के साथ हमारा व्यवहार भी उतना ही अनुशासित होना चाहिए। अपशिष्ट को उपचारित किए बिना जलधाराओं में न छोड़ना ये केवल पर्यावरणीय उपाय नहीं बल्कि नागरिक चरित्र के संकेत हैं। जिस दिन प्रत्येक नागरिक यह स्वीकार कर लेगा कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी सामाजिक आचरण का हिस्सा है, उसी दिन से नदियों के पुनर्जीवन की वास्तविक शुरुआत होगी।

यमुना के प्रति यह जिम्मेदारी केवल पर्यावरणीय नहीं, सांस्कृतिक भी है। मथुरा और वृंदावन में इसके तट पर धार्मिक अनुष्ठान होते हैं, दिल्ली में छठ और अन्य पर्वों पर हजारों लोग इसके किनारे जुटते हैं। परंतु श्रद्धा यदि संवेदनशीलता में न बदले तो वह अधूरी रह जाती है। पूजा सामग्री का वैकल्पिक प्रबंधन, एकल-उपयोग प्लास्टिक से परहेज, सामूहिक सफाई अभियान ये छोटे कदम हैं, पर इनकी सामाजिक गूँज बड़ी होती है।

इसी संदर्भ में जल सहेलियों द्वारा यमुना की अविरलता और निर्मलता के लिए निकाली जा रही यात्रा का महत्व सामने आ रहा है। जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहीं जल सहेलियाँ जब यमुना के तटवर्ती गाँवों और शहरों में कदम-दर-कदम चल रही हैं तो वह केवल प्रतीकात्मक यात्रा नहीं होती। वह संवाद का माध्यम बनती है। यह यात्रा न किसी के विरोध में है, न किसी पर आरोप लगाने के लिए; इसका उद्देश्य लोगों को उनकी अपनी नदी से पुनः जोड़ना है।

इन दिनों जल सहेलियों द्वारा संचालित यह महिला-केन्द्रित यात्रा विश्व स्तर पर अपनी तरह की महत्वपूर्ण पहल है। सड़क पर उनका हर कदम यमुना की अविरलता और निर्मलता के प्रति उनके अटूट विश्वास और संकल्प को दशार्ता है।

जल सहेलियाँ वे महिलाएँ हैं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में जल संरक्षण, तालाब पुनर्जीवन और सामुदायिक जागरूकता के कार्य किए हैं। जब वे यमुना के किनारे-किनारे चलकर लोगों से पूछती हैं क्या आपको याद है, यह नदी पहले कैसी थी? तो यह प्रश्न सीधा हृदय तक पहुँचता है। एक बुजुर्ग अपने बचपन की स्मृतियाँ साझा करता है, जब नदी का पानी पीने योग्य माना जाता था। एक किसान बताता है कि अब सिंचाई के लिए वैकल्पिक स्रोत ढूँढ़ने पड़ते हैं। एक युवा स्वीकार करता है कि प्लास्टिक का प्रयोग कम करना उसके हाथ में है।

इस पदयात्रा का सबसे बड़ा प्रभाव यह है कि यह जिम्मेदारी को स्थानीय बनाती है। नदी कोई दूर की नीति नहीं, वह पास की वास्तविकता है। जब किसी गाँव में बैठक होती है और लोग तय करते हैं कि अब से नाले को बिना उपचार के नदी में नहीं गिरने देंगे, जब मंदिर समितियाँ पूजा सामग्री के संग्रह के लिए अलग पात्र रखती हैं, जब बाजार संघ प्लास्टिक कम करने का संकल्प लेते हैं तो यह परिवर्तन योजनाओं को जमीन देता है।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी यही बताते हैं कि नदियों का पुनर्जीवन केवल सरकारी परियोजना से संभव नहीं। यूरोप में टेम्स और राइन जैसी नदियों की स्थिति में सुधार तब आया जब स्थानीय समुदायों, उद्योगों और प्रशासन ने मिलकर दीर्घकालिक संकल्प लिया। जल सहेलियों द्वारा बुंदेलखंड में किये जा रहे छोटी नदियों के पुनर्जीवन के कार्य आज गवाह हैं कि जब समाज स्वयं नदी का संरक्षक बनता है, तब परिवर्तन टिकाऊ होता है।

यमुना के मामले में भी यही सूत्र लागू होता है। यदि यमुना बेसिन में नदी मित्र समूह सक्रिय हों, यदि स्कूलों में नदी-पाठ पढ़ाया जाए, यदि धार्मिक संस्थान पर्यावरण-सम्मत अनुष्ठानों को बढ़ावा दें, यदि औद्योगिक क्षेत्र पारदर्शिता से अपने अपशिष्ट प्रबंधन का विवरण साझा करें तो यह सामूहिक प्रयास नदी को राहत दे सकता है।

अविरल का अर्थ केवल निरंतर बहाव नहीं बल्कि अवरोधों से मुक्त जीवन है। निर्मल का अर्थ केवल स्वच्छ जल नहीं बल्कि स्वच्छ मनोभाव भी है। पदयात्रा इन दोनों अर्थों को जोड़ती है। यह लोगों को बताती है कि नदी को साफ रखना किसी एक विभाग का काम नहीं, यह सामाजिक अनुशासन का विषय है। जिस प्रकार हम यातायात नियमों का पालन करते हैं क्योंकि वह सामूहिक सुरक्षा से जुड़ा है, उसी प्रकार नदी के प्रति आचरण भी सामूहिक स्वास्थ्य से जुड़ा है।

यमुना का प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी है। प्रदूषित जल से उत्पन्न रोग, भूजल पर दबाव, जैव-विविधता का क्षरण–ये सभी सीधे समाज को प्रभावित करते हैं। यदि नदी में घुली ऑक्सीजन का स्तर घटता है, तो मछलियाँ मरती हैं; यदि जल में रासायनिक तत्व बढ़ते हैं, तो वह कृषि और पेयजल दोनों को प्रभावित करते हैं। इसलिए नदी की चिंता भविष्य की चिंता है।

आज आवश्यकता आरोपों की नहीं, सहभागिता की है। योजनाएँ चलती रहें, तकनीकी सुधार होते रहें, पर साथ ही समाज अपने हिस्से की जिम्मेदारी स्वीकार करे। जल सहेलियों की पदयात्रा इसी स्वीकार का निमंत्रण है। वह यह कहती है कि परिवर्तन का रास्ता सरकार और समाज के बीच पुल बनाकर ही निकलेगा।

यमुना को बचाना किसी एक दिन का कार्यक्रम नहीं, यह सतत प्रक्रिया है। जब छह करोड़ लोग अपने-अपने स्तर पर छोटे-छोटे संकल्प लें कचरा पृथक्करण से लेकर जल संरक्षण तक तो नदी की धारा में फर्क दिखाई देगा। पदयात्रा उस चेतना का बीज बो रही है। बीज आज बोया जाए तो वृक्ष बनने में समय लगेगा, पर बिना बीज के वृक्ष की कल्पना नहीं की जा सकती।

अभी तक यात्रा के दौरान स्कूलों और कॉलेजों के साथ हुए संवाद से एक स्पष्ट विमर्श सामने आया है कि नदियों को पुनः निर्मल और अविरल बनाने के लिए अब युद्ध स्तर पर कार्य करना आवश्यक है। 21वीं सदी में हमें अपनी नदियों के संरक्षण और पुनर्जीवन को प्राथमिकता देनी ही होगी।

यमुना के तट पर खड़े होकर यदि हम यह तय करें कि यह नदी हमारी साझी विरासत है और इसे अगली पीढ़ी तक बेहतर रूप में पहुँचाना हमारा दायित्व है, तो यही सबसे बड़ा बदलाव होगा। पदयात्रा का संदेश सरल है–नदी को केवल देखिए मत, उससे जुड़िए।

(लेखक, जल सहेली संगठन के संस्थापक और अविरल निर्मल यमुना यात्रा में अनवरत चल रहे हैं।)

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने मोहाली में आई.टी.सी. होटलज के वैलकम होटल का किया उद्घाटन ; मोहाली के तेज विकास और प्रीमियम होटल कमरों की बढ़ती मांग पर दिया जोर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोफा ने आई.टी.सी. होटलज लिमटिड मोहाली- चंडीगढ़ के वैलकम होटल का रस्मी उद्घाटन किया, जो कि क्षेत्र में प्रीमियम मेहमानवाजी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए एक अहम विस्तार है और पंजाब में सैलानियों, निवेशकों और कारोबारियों के लिए एक नया गेटवे है।

समागम की शुरूआत माननीय मंत्री द्वारा रिबन काटने के साथ हुई, इसके बाद खुशहाली के प्रतीक के तौर पर रिवायती दीया जगाने की रस्म हुई। इस समागम में आई.टी.सी. होटलज लिमटिड के मैनेजिंग डायरैक्टर श्री अनिल चड्ढा, गुजराल ग्रुप के मैनेजिंग डायरैक्टर श्री भुपिन्दर सिंह गुजराल और गगनजीत सिंह गुजराल सहित प्रसिद्ध औद्योगिक नेताओं ने शिरकत की।

सभा को संबोधित करते मंत्री संजीव अरोड़ा ने मोहाली के सकाईलाईन में वैलकमहोटल के शामिल होने का स्नेहपूर्ण स्वागत किया और उत्तरी भारत में तेजी के साथ बढ़ रहे आर्थिक और संस्थागत हब के तौर पर उभर रहे इस शहर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आईटी सिटी, ऐरोसिटी, स्वास्थ्य संभाल संस्थाओं, यूनिवर्सिटियों और कनवैनशन बुनियादी ढांचे के तेज विस्तार के साथ, मोहाली में बहुत तेजी के साथ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लोगों की आमद में निरंतर विस्तार देखा जा रहा है।

मंत्री ने जोर दे कर कहा कि इस विकास के रास्ते ने व्यापारिक प्रतिनिधियों, विश्वव्यापी निवेशकों, सैलानियों और क्षेत्र में आयोजित किए जा रहे बड़े स्तर के समागमों को पूरा करने के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले होटल कमरों की स्पष्ट और बढ़ती जरूरत पैदा की है।

मंत्री ने कहा, ₹ मोहाली अब विकास के शिखर पर है। आईटी, शिक्षा, सेहत संभाल और औद्योगिक वातावरण प्रणालियों के विस्तार के साथ, विश्व स्तरीय मेहमाननवाजी बुनियादी ढांचे की मांग तेजी के साथ बढ़ रही है। पंजाब आईटीसी होटलों द्वारा इस निवेश का स्वागत करता है, और हम ऐसे अन्य बहुत से प्रोजेक्टों की उम्मीद करते है जो हमारे पर्यटन जगत और सेवा आर्थिकता को मजबूत करेंगे, ₹।

उन्होंने आगे जोर दिया कि पंजाब सरकार पारदर्शी प्रवानगियों, नीतिगत सहायता और कारोबार करने में आसानी के द्वारा मेहमानवाजी निवेशों के लिए एक बहुत ही साजगार माहौल बनाने के लिए वचनबद्ध है। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य उच्च स्तरीय मेहमानवाजी विकास के लिए उचित विरासत और संस्थागत जायदादों की सभ्यक ढंग के साथ फिर प्रयोग करने के लिए सक्रियता के साथ खोज कर रहा है कइसके साथ ही पर्यटन प्रोत्साहन और संस्कृतिक सम्पतियों की संभाल दोनों को यकीनी बनाया जा रहा है।

सरकार की दूर अन्देश सोच की पुष्टि करते हुए मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि मेहमाननवाजी- नेतृत्व वाला विकास पंजाब के आर्थिक रोडमैप का अंग है, क्योंकि यह कौशल के आधार पर काफी रोजगार मौके पैदा करता है, एम.एस.एम.ई. का समर्थन करता है और मोहाली जैसे उभर रहे विकास केन्द्रों के पूरे निवेश आकर्षण को बढाता है।

अपने भाषण में श्री भुपिन्दर सिंह गुजराल ने पंजाब सरकार का इस सुविधाजनक और जवाबदेह पहुंच के लिए धन्यवाद किया और कहा कि मोहाली का विकसित हो रहा कारोबार और पर्यटन वातावरण इसको प्रीमियम मेहमानवाजी प्रोजेक्टों के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है। उन्होंने होटल को पंजाब की विकास कहानी में एक बढा योगदान बताया।

आई.टी.सी. होटलज लिमटिड के मैनेजिंग डायरैक्टर श्री अनिल चड्ढा ने ब्रांड की उच्च-विकास वाले शहरों में विस्तार करने की वचनबद्धता दोहराई और कहा कि मोहाली की रणनीतक स्थिति, मजबूत बुनियादी ढांचा और मजबूत आर्थिक गति इसको विश्व स्तरीय मेहमानवाजी के लिए एक प्राकृतिक और उचित विकल्प के तौर पर पेश कर रही है।

समागम एक प्रतीकात्मक कुंजी और ममैंटो के साथ समाप्त हुआ, जिस के साथ रस्मी तौर पर कार्यों की शुरूआत हुई और मोहाली और पंजाब के लिए निरंतर विकास, अधिक विजटर सामर्थ्य और जीवंत मेहमानवाजी भविष्य के सांझे उद्यम का जश्न मनाया गया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के द्वारा पाकिस्तान-आधारित तस्करों के संपर्क में थे गिरफ़्तार आरोपी: डीजीपी गौरव यादव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/ अमृतसर

मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए जारी मुहिम दौरान बड़ी सफलता हासिल करते अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पांच आधुनिक पिस्तौलों सहित दो आरोपियों को गिरफ़्तार करके सरहद पार गैर- कानूनी हथियारों की तस्करी में शामिल माड्यूल का पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ़्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमृतसर के गांव भिंडी नैण के निवासी शेरा सिंह (26) और अमृतसर के गांव तूर के निवासी जगरूप सिंह उर्फ जूपा (21) के तौर पर हुई है। आरोपियों से बरामद की गई पिस्तौल में एक .30 बोर पीएक्स 5 स्टौर्म पिस्तौल, एक एमएम आस्ट्रिया-मेड गलौक, दो .30 बोर चीनी नोरिंको पिस्तौल, एक .32 बोर पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस शामिल है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्राथमिक जांच अनुसार उक्त आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के द्वारा पाकिस्तान- आधारित तस्करों के संपर्क में थे और उनके निदेर्शों पर गैरकानूनी हथियारों की खेप हासिल करके इसको आगे अपराधक तत्वों को स्पलाई करते थे।

डीजीपी ने कहा कि गैर- कानूनी हथियारों के नैटवर्क के अगले- पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए ओर जांच जारी है।

कार्यवाही के विवरन देते पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि भरोसेयोग्य सूत्रों से मिली गुप्त जानकारी के आधार पर कार्यवाही करते पुलिस टीमों ने बाइपास रोड पर साढा पिंड नजदीक पूरे तालमेल के साथ आप्रेशन चलाया और शेरा सिंह और जगरूप सिंह उर्फ जूपा को एक गलौक पिस्तौल और एक .30 बोर पीएक्स 5 स्टौर्म पिस्तौल सहित गिरफ़्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि आगे वाली जांच दौरान पुलिस को दोनों गिरफ़्तार आरोपियों द्वारा किए खुलासों के आधार पर तीन और पिस्तौल बरामद हुए। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि दोनों गिरफ़्तार आरोपी अंतरराष्ट्री ाय सीमा के पास रह रहे थे, जहां से उनके लिए गैर- कानूनी हथियारों की खेप हासिल करना आसान था। उन्होंने बताया कि उक्त आरोपी नजरों से बचने के लिए ड्रोन के द्वारा भेजी गई हथियारों की खेप रात समय पर खाली पड़े स्थानों से हासिल करते थे।।

उन्होंने कहा कि आरोपी शेरा सिंह का पुराना अपराधिक रिकार्ड है जिस पर लड़की के साथ बलात्कार और उसको कत्ल कर आग लगाने सहित होने घृणित अपराध दर्ज है। एक अन्य मामले में उससे लगभग 500 ग्राम हेरोइन भी बरामद की गई थी।

इस संबंधित पुलिस थाना छावनी, अमृतसर में हथियार एक्ट की धारा 25 अधीन एफआईआर नं. 28 तारीख 14-02-2026 दर्ज है।

व्यापारियों ने सरकार से कहा कि उनकी जायज मांगों को नजरअंदाज करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: राजन ठाकुर

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

फरीदकोट में आज ज़िला व्यापार मंडल की एक जरूरी मीटिंग हुई, जिसमें बड़ी संख्या में व्यापारियों ने हिस्सा लिया और अपनी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं और मांगों पर विस्तार में चर्चा की। मीटिंग की अगुवाई ज़िला व्यापार मंडल और स्वर्णकार संघ के प्रेसिडेंट राजन ठाकुर ने की और संचालन पैटर्न और चेयरमैन वरिंदर शाह ने किया। इस मौके पर पुरानी दाना मंडी के प्रेसिडेंट ऋषभ जैन और करियाना एसोसिएशन के प्रेसिडेंट एस.एस. जैन सभा भी मौजूद थे। इनके अलावा कामरेड शाम सुंदर, प्रदीप बंसल, रम्मी शाह, चंदन कामरेड संतविंदर सिंह, रमेश गेरा राज्य सचिव पंजाब व्यापार मंडल, जगजीवन सराफ राज्य सचिव पंजाब व्यापार मंडल, रजनीश ग्रोवर कानूनी सलाहकार व्यापार मंडल, आर . प्रिंस नरूला राज्य सचिव, प्रधम्मन सिंह, गोरा मोंगा, गोगा प्रधान, राजिंदर खन्ना उप प्रधान स्वर्णकार संघ, रिंकू भाम, सुखमंदर सिंह खोसा, सतनाम सिंह, जतिंदर सिंह, कोमल नागपाल, चंद्रखर, सुखदेव शर्मा, गगन मोंगा और जैतो व्यापार मंडल के पदाधिकारी और कोटकपूरा आदि के साथ विशेष रूप से पंजाब करियाणा एसोसिएशन के अध्यक्ष ऊंकार गोयल मौजूद थे।मीटिंग के दौरान व्यापारियों ने एकमत से कहा कि सरकार व्यापारी वर्ग को टैक्स के रूप में कोई भी राशि की छूट नहीं दे रही है।सरकार को टैक्स से मोटी कमाई तो हो जाती है लेकिन बदले में उन्हें न तो उचित सुविधाएं मिल रही हैं और न ही भविष्य के लिए कोई आश्वासन दिया गया है। व्यापारियों ने सरकार को साफ कर दिया कि उनकी जायज मांगों को नजरअंदाज करना अब मंजूर नहीं होगा। मीटिंग में तय हुआ कि मुख्यमंत्री पंजाब को एक डिटेल्ड मांग पत्र भेजा जाना चाहिए, जिसमें व्यापारियों की मुख्य मांगों को शामिल किया जाएगा।मांगों में व्यापारियों के लिए जरूरी पेंशन स्कीम लागू करना, दुकानों में आग लगने या दूसरे हादसों में नुकसान का पूरा मुआवजा देना, व्यापारियों की सुरक्षा पक्का करना और गुंडागर्दी और लूटपाट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग प्रमुख है। इसके अलावा प्रॉपर्टी टैक्स, प्लास्टिक लिफाफे खत्म करना जैसे मुद्दे, किराना दुकानदारों पर दबाव बनाना कि वे छोटे दुकानदारों को परेशान न करें और बेवजह सैंपलिंग के नाम पर उन्हें दबाकर न रखें और म्युनिसिपल कमेटी की दुकानों में बैठे किराएदारों को मालिकाना हक देने की प्रक्रिया शुरू करने की मांग भी जोरदार तरीके से उठाई गई। व्यापारियों ने यह भी मांग की कि 5 लाख तक की आबादी वाले शहरों में बड़े मॉल पर रोक लगाई जाए। ताकि छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी बच सके। इसके साथ ही फरीदकोट को पिछड़ा इलाका मानते हुए यहां बड़े इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट बंद किए जाएं। शुगर मिल को तुरंत शुरू करने की भी मांग की गई। मीटिंग में रात में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया, ताकि व्यापारी बेखौफ होकर बाहर निकल सकें। अपना कारोबार चला सकें। आखिर में ट्रेड यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर इन जायज मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापारी वर्ग संघर्ष का रास्ता अपनाने को मजबूर होगा, जिसकी पूरी ज़िम्मेदारी सरकार की होगी।

जनसेवा को मिलेगा नया ठिकाना : हरियाणा रेडक्रॉस बनाएगी अपना रेडक्रॉस भवन

चंडीगढ़। प्रदेश में रक्तदान, राहत और आपदा प्रबंधन जैसे मानवीय कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी अब अपना भवन बनाएगी। सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने अध्यक्ष एवं राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष को पत्र लिखकर नए भवन के लिए उपयुक्त जगह मुहैया कराने की मांग की है। हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी प्रदेशभर में जनसेवा के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सोसायटी के कार्यों में लगातार विस्तार हो रहा है। लिहाजा, विस्तार को देखते हुए सोसायटी ने अपना रेडक्रॉस भवन बनाने को लेकर राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष को मांग पत्र भेजा है। वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी की ओर से राज्यपाल को भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी मानवीय सहायता में अग्रणी संस्था है, ऐसे में सोसायटी के विस्तार और बेहतर संचालन के लिए रेडक्रॉस भवन की आवश्यकता है। उन्होंने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि रेडक्रॉस भवन निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि आवंटित की जाए, ताकि भविष्य की योजनाओं और सेवाओं को एक केंद्रीकृत ढांचे में संचालित किया जा सके। राज्यपाल को लिखे पत्र में वाइस चेयरमैन ने यह भी उल्लेख किया है कि रेडक्रॉस का अपना भवन बनने से प्रशासनिक कार्यों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, रक्तदान शिविरों, आपदा प्रबंधन समन्वय और सामाजिक कल्याण योजनाओं को एक ही परिसर में व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा सकेगा। इससे कार्यकुशलता में वृद्धि होगी।

नालागढ़ पुलिस स्टेशन धमाका: बी.के.आई.से संबंधित दो मुख्य दोषी पिस्तौल सहित गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम दौरान बड़ी सफलता के अंतर्गत काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) जालंधर ने सीआई एस.ए.एस. नगर के साथ सांझा आप्रेशन में हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ पुलिस स्टेशन पर आर.डी.एक्स.- आधारित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आई.ई.डी.) धमाके में शामिल दो मुख्य दोषियों को गिरफ़्तार किया है। यह जानकारी डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां सांझा की।

गिरफ़्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान महावीर उर्फ बच्चा और मनप्रीत उर्फ मनी के तौर पर हुई है, दोनों एसबीएस नगर के रहने वाले हैं। आपरेशन दौरान उनके कब्जे में से एक 9 एम.एम. गलौक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि आरोपी पाबंदीशुदा आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बी.के.आई.) के साथ जुड़े विदेश आधारित मास्टरमाईंड गोपी नवांशहरिया, जस्सी कुलाम और शुशांत चोपड़ा के निदेर्शों पर काम कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि गिरफ़्तार किए गए आरोपियों ने विदेशी हैंडलरों के निदेर्शों पर अपने साथियों के साथ मिल कर आर.डी.एक्स. - आधारित आईईडी और हैड ग्रनेड वाली खेप प्राप्त की थी। गौरतलब है कि गिरफ़्तार किए दोषियों की तरफ से 1 जनवरी, 2026 को हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ पुलिस थाने पर धमाके के लिए इस्तेमाल एक आईईडी (आरडीएक्स) भी इन खेप में से ही था।

डीजीपी ने बताया कि उनके छह आरोपियों को पहले ही पंजाब पुलिस ने गिरफ़्तार किया है, जो आतंकवादी हार्डवेयर प्राप्त करके आगे स्पलाई कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि इन दोनों की गिरफ़्तारी के साथ पूरे माड्यूल का पदार्फाश हो गया है।

इस संबंधी बीएनएस और आर्मज एक्ट की संबंधित धाराओं के अंतर्गत मोहाली के पुलिस स्टेशन स्टेट स्पैशल आप्रेशन सैल (एसएसओसी) में केस दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

बाबा साहेब के आदर्श पर चलते हुए जो ज्ञान हासिल करेंगे, उन्हें किसी की मदद की जरूरत नहीं होगी : विनोद अग्रवाल

चंडीगढ़। 10वीं और 10+2 पास बच्चों के लिए सीएसडीएम की ओर से सरकारी तौर पर प्रधानमंत्री स्किल डेवलपमेंट योजना अनुसार मुफ्त ट्रेनिंग दी जाएगी। गुरुद्वारा श्री गुरु रविदास सभा, माड़ीवाला टाउन, मनीमाजरा में संपन्न कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तौर पर विनोद अग्रवाल, पूर्व उप महापौर, मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. सुरेंद्र चौहान, नोडल ऑफिसर, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (भारत सरकार उपक्रम), चंडीगढ़ स्किल डेवलपमेंट मिशन, डा. जितेंद्र बागड़, कोऑर्डिनेटर एडमिशन और प्लेसमेंट ऑफिसर, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निकल कॉलेज फॉर वूमेन, सेक्टर 10 ने भाग लिया। कार्यक्रम आयोजक स. सुभाष सिंह, लखविंदर सिंह, गुरनाम सिंह थे जबकि जसपाल सिंह, लखविंदर सिंह लक्की और रामचंद्र बड़ गुर्जर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए पूर्व उप महापौर ने कहा नौकरी रोजगार दिलाने का प्रयास करेंगे।

युवाओं को ज्यादा से ज्यादा सनातन धर्म से जोड़ने के लिए धार्मिक यात्रा आयोजित

चंडीगढ़। भक्ति पथ यात्रा समूह ग्रुप द्वारा श्री खाटू श्याम जी व श्री सालासर बाला जी धाम के दर्शनों के लिए पहली धार्मिक बस यात्रा का आयोजन किया गया। भक्ति पथ यात्रा ग्रुप का उद्देश्य है कि अपने युवाओं को ज्यादा से ज्यादा सनातन धर्म से जोड़ना और आगे भी हर महीने धार्मिक स्थानों की यात्रा कर जनता को प्रभु भक्ति से जोड़े रखना है। इसी के निमित्त एक बस पवित्र यात्रा के लिए रवाना हुईए जिसकी अगुवाई श्री सतपाल जैन, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल, देवेश मोदगिल, पूर्व मेयर चंडीगढ़, अनिल दुबे, पूर्व डिप्टी मेयर चंडीगढ़, श्री 1008 महामंडलेश्वर कमली माता, सोनी गोयल, भूपेंद्र शर्मा, मुकेश गोयल, एपी शर्मा, सिद्धार्थ मोदगिल, सुकेशा गोसाईं द्वारा नारियल फोड़ कर की गई। प्रसिद्ध समाजसेवी सोनू सेठी, सेठी ढाबा वाले ने अपने भजनों से यात्रियों का स्वागत किया व रात के भंडारे की सेवा का इंतजाम करवाया। यात्रा की सेवा में प्रमुख रूप से महिपाल खाती, पूनम कोठारी, बसवानंद भट्ट, अनिल गोयल, धीरज कुमार, तेजस्वी मठपाल, कीर्ति, कांति देवी, राजरानी, तरुणा मुख्य तौर पर शामिल रहे।

गढ़वाल महिला विकास संगठन के पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली

चंडीगढ़। गढ़वाल महिला विकास संगठन, चण्डीगढ़ का शपथ ग्रहण समारोह गढ़वाल भवन सेक्टर 29 में संपन्न हुआ। आयोजन के मुख्य अतिथि आचार्य जगदम्बा प्रसाद रतूड़ी ने संगठन की प्रधान श्रीमती राजेश्वरी देवी, महासचिव गीता देवी एवं समस्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। संगठन के संयोजक विक्रम सिंह बिष्ट ने आए हुए सभी मुख्य मेहमानों, विशिष्ट अतिथियों का फूलमालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर गढ़वाल सभा, चण्डीगढ़ के प्रधान शंकर सिंह पवार एवं उनकी समस्त टीम उपस्थित रही। गढ़ प्रवासी सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि इस समारोह में उपस्थित थे। आयोजन में भूपेन्द्र शर्मा, गुरबक्श रावत, सरुप सिंह रावत, सुरेन्द्र सिंह रावत विशिष्ट अतिथियों के अलावा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

तप और साधना का प्रतीक था कस्तूरबा गांधी का जीवन : के के शारदा

चंडीगढ़। प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और महात्मा गांधी की धर्मपत्नी कस्तूरबा गांधी को उनके पुण्यतिथि पर खादी सेवा संघ ने याद किया। संघ के अध्यक्ष के के शारदा ने कस्तूरबा गांधी जी को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन तप और साधना का प्रतीक था। महात्मा गांधी जी की प्रेरणा के वे स्रोत रही। वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज ने काव्यमय ढंग से कहा- कस्तूरबा गांधी का मौन भी/ क्रांति की भाषा बोलता था । चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ अनीश गर्ग ने कहा की सेवा, साहस और समर्पण कस्तुरबा गांधी जी की पहचान रही है।

सरहद पार खेप फेंकने के लिए ड्रोन प्रयोग कर रहे थे पाकिस्तानी हैंडलर: एस.एस.पी. फरीदकोट

फरीदकोट में पाकिस्तान- समर्थित ड्रग कंट्रोल के साथ संबंधित एक सेना जवान, बर्खास्त पुलिस कर्मचारी सहित छह व्यक्ति 4.8 किलोग्राम हेरोइन और पिस्तौल के साथ काबू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/ फरीदकोट

मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चल रहे अभियान ह्य युद्ध नशियां विरुद्धह्न दौरान बड़ी सफलता दर्ज करते फरीदकोट पुलिस ने पाकिस्तान- समर्थित अंतरराष्ट्रीय ड्रग कारटेल का पदार्फाश करते हुए एक सेना जवान और बर्खास्त पुलिस कर्मचारी सहित छह व्यक्तियों को गिरफ़्तार किया और उनके कब्जे में से 4.8 किलो हेरोइन और एक .30 बोर पिस्तौल सहित तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। यह जानकारी पुलिस डायरैक्टर जनरल (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ़्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान जरनैल सिंह उर्फ गोलडी निवासी लुधियाना, जो इस समय भारतीय सेना में सेवा निभा रहा है, अमरदीप सिंह उर्फ बॉक्सर (बर्खास्त पीएपी कैडर कर्मचारी) और डिंपल रानी निवासी फिरोजपुर, रमनदीप कौर, सरबजीत सिंह उर्फ सब्बा और अमृतपाल सिंह उर्फ अभिजोत सभी निवासी मोगा के तौर पर हुई है। नशीले पदार्थों की बरामदगी के इलावा, पुलिस टीमों ने तीस हजार ड्रग मनी भी जब्त की और उनकी दो गाड़ियां, जिनमें थार और एक्सयूवी- 500 शामिल है, को जब्त किया है, जिनका प्रयोग वह नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए कर रहे थे।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि यह सफलता बहुत ही योजनाबद्ध और खुफिया आपरेशन और 2 महीने की पुख्ता जेल निगरानी और चौकसी का नतीजा है, जिसके साथ कारटेल की दूर तक फैली जड़ों का पदार्फाश हुआ है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि दोषी पाकिस्तान- आधारित तस्करों के साथ सीधे संपर्क में थे, जो हेरोइन की खेप को भारतीय क्षेत्र में भेजने के लिए ड्रोन का प्रयोग कर रहे थे।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में अगले- पिछले संबंध स्थापित करने के लिए और जांच जारी है।

आप्रेशन संबंधित विवरन सांझा करते हुए एस.एस.पी. फरीदकोट डा. प्रग्या जैन ने कहा कि 20- 21 फरवरी की बीच का रात को, सी.आई.ए. स्टाफ की टीम ने ग्रीन एवेन्यू नजदीक एक थार गाड़ी को रोका। डीएसपी (फरीदकोट) तरलोचन सिंह के नेतृत्व में की गई तलाशी दौरान 1.008 किलोग्राम हेरोइन और ड्रग मनी बरामद हुई, जिसके साथ चार व्यक्तियों को तुरंत गिरफ़्तार कर लिया गया।

एसएसपी ने कहा, ह्यह्य पूछताछ दौरान यह बात सामने आई कि यह खेप अमरदीप सिंह उर्फ बॉक्सर द्वारा एक एक्सयूवी- 500 गाड़ी में स्पलाई की गई थी। इस सुराग पर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीमों ने गांव गोलियाना सेमनाला नजदीक बॉक्सर और उसकी साथी डिम्पल रानी को रोका और उनके कब्जे में से 3.796 किलोग्राम हेरोइन और एक .30 बोर पिस्तौल बरामद किया।ह्नह्न

डा. प्रग्या जैन ने आगे बताया कि मुख्य सरगना, अमरदीप सिंह उर्फ बॉक्सर, एक अपराधी है, जिस पर 9 अपराधिक मामले पहले ही दर्ज है, जबकि बाकी सदस्य भी एन.डी.पी.एस. और आर्मज एक्ट के अंतर्गत अहम अपराधिक रिकार्ड वाले है।

एक सेवा निभा रहे सेना के जवान और एक बर्खास्त पुलिस कर्मचारी की सम्मिलन एक बड़े नैटवर्क की तरफ इशारा करती है, जो तस्करी के लिए संस्थागत ज्ञान का प्रयोग करने में समर्थ है। उन्होंने नाकों और टोल प्लाजों से आसानी के साथ निकलने के लिए अपने अधिकारित पहचान पत्रों का दुरुपयोग किया। वाहनों में महिला साथियों की मौजूदगी, नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए सोच- समझ कर किए गए ढंग- तरीके की तरफ भी इशारा करती है।

पुलिस ने सभी अपराधियों का रिमांड ले लिया है जिससे अगले-पिछले संबंधों की ओर जांच की जा सके, विशेष तौर पर सरहद पार काम करने वाले हैंडलरों और नशे की बांट करने वाले स्थानीय टिकानों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

इस संबंध में पुलिस स्टेशन सिटी फरीदकोट में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी) और 27 ए के अंतर्गत एफआईआर नंबर 95 तारीख 21.02.2026 दर्ज की गई है।

सरहद पार गैर- कानूनी हथियारों की तस्करी में शामिल माड्यूल के साथ संबंधित दो आरोपी 5 आधुनिक पिस्तौल सहित अमृतसर से काबू किया गया।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर हवाई हमला, आतंकी ठिकानों को बनाया निशाना

पाकिस्तान के हवाई हमले में एक ही परिवार के 23 सदस्य मलबे में दबे

मलबे से चार सुरक्षित बाहर निकले, बाकी लापता

एजेंसी (हि.स.)
काबुल/ इस्लामाबाद

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान ने रविवार तड़के अफगानिस्तान पर हवाई हमला कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है।, उधर, अफगानिस्तान में कहा जा रहा है कि पाकिस्तान ने देश के कई हिस्सों में बेवजह बमबारी कर आम लोगों को निशाना बनाया। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, सूचना मंत्रालय ने शनिवार आधीरात बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में सात आतंकवादी शिविरों और ठिकानों को निशाना बनाया। मंत्रालय के मुताबिक, अफगानिस्तान के आतंकी इस्लामाबाद, बाजौर और बन्नू में हुए हमलों में शामिल हैं। इससे पहले, अफगान मीडिया ने कहा कि पक्तिया और नंगरहार प्रांतों में आतंकवादियों के ठिकानों पर धमाके सुने गए। पक्तिया के नंगरहार और मुर्गा बाजार में हुए धमाकों में आतंकवादियों का ढांचा पूरी तरह से तबाह हो गया। पाकिस्तान के युद्धक विमानों ने अलग-अलग इलाकों में हवाई हमले किए। हताहतों के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। नंगरहार के खोगयानी, खेल और बेहसूद जिलों में धमाके हुए, जिससे आतंकवादियों के ठिकाने नष्ट हो गए। द अफगानिस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमले में एक ही परिवार के 23 सदस्य मलबे में दब गए। इनमें से चार अब तक सुरक्षित बाहर निकल आए हैं। बाकी अभी भी लापता हैं। यह हमला शनिवार आधी रात के आसपास हुआ। पाकिस्तान ने नंगरहार प्रांत के तीन और पक्तिका प्रांत के दो जिलों को निशाना बनाया। हमले के वायरल वीडियो में नंगरहार प्रांत में प्रभावित परिवार का एक सदस्य मलबे में अपने रिश्तेदारों को ढूंढता हुआ दिख रहा है। परिवार के एक सदस्य ने बताया, हहमारे परिवार के 23 सदस्य मलबे में दबे हैं। अब तक हम चार निकल पाए हैं। बाकी अभी भी लापता हैं उन्होंने कहा, हम किसान हैं। हमने पूरे दिन अपने खेतों में काम किया। शाम को अपना रोजा तोड़ा। अपनी चाची से बात की। जब हमला हुआ हम सब सो रहे थे। तालिबान ने अभी तक पक्तिका के बरमल, उरगुन जिलों और नंगरहार के बेहसूद, खोगयानी और गनी खेल जिलों की स्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इस बीच, पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि यह हमले पाकिस्तान में हाल ही में हुए आत्मघाती हमलों के जवाब में किए गए।

भूपेन बोरा ने कांग्रेस का हाथ छोड़ भाजपा का कमल थामा

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

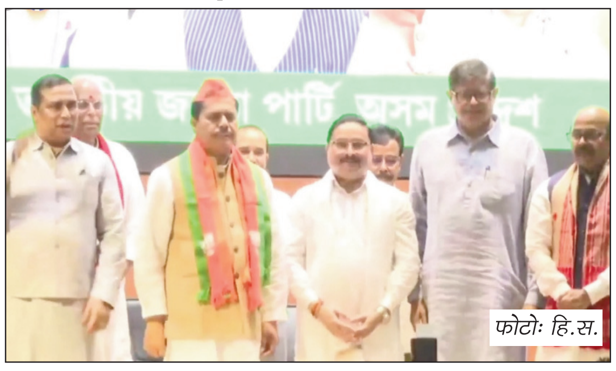
फोटोः हि.स.

असम में एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के तहत असम प्रदेश कांग्रेस पार्टी (एपीसीसी) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा ने रविवार को औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भूपेन बोरा की कई राज्य स्तरीय नेताओं के साथ असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया की उपस्थिति में भाजपा में शामिल होने की प्रक्रिया पूरी हुई। प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में जब भूपेन बोरा ने प्रवेश किया तो मुख्य द्वार पर भूपेन बोरा का स्वागत मंत्री जयंत मल्ल बरुवा, सांसद प्रदान बरुवा और प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होने से पहले मीडिया के सामने बोरा ने कहा कि महाभारत के युद्ध से पहले कर्ण की जो स्थिति थी, वही स्थिति कांग्रेस के गौरवशाली असमियों की है। मैं राजीव भवन से बाजपेयी भवन तक सराइघाट के मैदान की तरह भूमिका निभाऊंगा। कांग्रेस में रहने के दौरान मेरा वस्त्र रक्त से रंगा हुआ था। आज वह वस्त्र पहनकर भाजपा के कार्यालय आया हूं। वह रक्त भाजपा के साथ हुए संघर्ष के कारण निकला था। भाजपा उस रक्त का मूल्यांकन करेगी, यही सोचकर वस्त्र पहन रहा हूं। उल्लेखनीय है कि, बीते शनिवार को भाजपा में शामिल होने की बात उल्लेख करते हुए, भूपेन बोरा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह निर्णय आसान नहीं है। उन्होंने गंभीर मनोबल के साथ यह निर्णय जनता की सेवा के लिए लिया है।

ज्ञात हो कि, भूपेन बोरा असम प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी। वह 2006 में बिहपुरिया से असम विधानसभा के लिए चुने गए और 2011 में फिर से चुने गए। वह तरुण गोगोई के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान असम सरकार के प्रवक्ता और संसदीय सचिव थे। 2013 में उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का सचिव नियुक्त किया गया। 2021 में, उन्हें असम प्रदेश कांग्रेस समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। भूपेन बोरा के भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस पार्टी को विधानसभा चुनावों के ऐन मौके पर एक बड़ा आघात लगा है। हालांकि, कांग्रेस यह कहती हुई नजर आ रही है कि भूपेन बोरा के जाने से पार्टी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन माना जा रहा है कि पहले से कमजोर कांग्रेस पार्टी चुनाव में और कमजोर होगी। भूपेन बोरा ने भी आज कहा है कि जैसे ही कांग्रेस पार्टी के द्वारा उम्मीदवारों के नामों का ऐलान होगा, उसके बाद बड़ी संख्या में कांग्रेस के बड़े नेता भाजपा का दामन थाम लेंगे।

इस मौके पर डॉ. संजू बरुवा ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। डॉ. बरुवा भी कांग्रेस पार्टी का त्याग कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर अन्य कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

अफगानिस्तान की पाकिस्तान को माकूल जवाब की चेतावनी

एजेंसी (हि.स.)
काबुल

फोटोः हि.स.

अफगानिस्तान ने देश में किए गए पाकिस्तान के हवाई हमले को गंभीरता से लिया है। रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तान के हवाई हमले की निंदा करते हुए कहा कि इसका माकूल जवाब दिया जाएगा। अफगानिस्तान इस्लामिक अमीरात के रक्षा मंत्रालय (नेशनल डिफेंस मिनिस्ट्री) ने आज कहा कि पाकिस्तान की सेना ने एक बार फिर नंगरहार और पक्तिका प्रांतों में हमला करके देश के हवाई क्षेत्र (एयर स्पेस) का उल्लंघन किया है। एरियाना न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान ने एक धार्मिक मदरसा और कई आम लोगों के घर शामिल थे। हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित आम लोगों की मौत हो गई। मंत्रालय ने हवाई हमले की कड़ी निंदा की और इसे अफगानिस्तान की राष्ट्रीय संप्रभुता का साफ उल्लंघन बताया। साथ ही इसे अंतरराष्ट्रीय कानून, इस्लामी सिद्धांतों और पड़ोसी संबंधों के नियमों का भी उल्लंघन बताया। बयान में इस बात की पुष्टि की गई कि देश की संप्रभुता और अपने नागरिकों की रक्षा करना अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों की धार्मिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय कर्तव्य दोनों है। इसने चेतावनी दी कि सही समय पर सोचा-समझा और सही जवाब दिया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि आम इलाकों और धार्मिक संस्थानों पर हमले पाकिस्तान के खुफिया और सुरक्षा विभाग की अक्षमता को दिखाते हैं। ऐसे हमले इस्लामाबाद की अंदरूनी कमियों को छिपा नहीं सकते।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार की तबीयत फिर बिगड़ी, पुणे के अस्पताल में भर्ती

मुंबई। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार की रविवार को फिर से तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें पुणे के रुबी हॉल क्लिनिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शरद पवार अगले दो दिन तक इसी हॉस्पिटल में रहेंगे। रुबी हॉल क्लिनिक अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि शरद पवार को उल्टी की वजह से डिहाइड्रेशन हो गया है। इसलिए अगले दो दिन तक इसी हॉस्पिटल में रहकर इलाज करवाएंगे। शरद पवार की तबीयत अब पूरी तरह से स्थिर और ठीक है। शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने बताया कि शरद पवार को आज अचानक उल्टी हुई, जिससे वे असहज महसूस करने लगे। इसके बाद तत्काल रुबी हॉल क्लिनिक के डॉक्टरों को बुलाया गया। डॉक्टरों की सलाह पर शरद पवार को फिर से अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सुप्रिया सुले ने कार्यकताओं को अस्पताल में न आने की अपील की है। शरद पवार को हाल ही में रुबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसी अस्पताल से १४ फरवरी को शरद पवार को डिस्चार्ज किया गया था। अस्पताल में शरद पवार का सीटी स्कैन सहित अन्य जरुरी जांच की गई है। डॉक्टरों ने शरद पवार को आराम करने की सलाह दी है।

अमेरिका के जेपी मॉर्गन बैंक का अदालत में हलफनामा

छह जनवरी को कैपिटल पर हमले के बाद ट्रंप के खाते बंद किए

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

अमेरिका के जेपी मॉर्गन बैंक ने पहली बार माना कि उसने 06 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल पर हुए हमलों के बाद राजनीतिक और कानूनी नतीजों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निजी और उनके कई व्यापारिक बैंक खातों को बंद कर दिया था। इस कानूनी लड़ाई में यह सबसे बड़ा कुबूलनामा है।

अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह बात इस हफ्ते बैंक और उसके सीईओ जेमी डिमन के खिलाफ ट्रंप के मुकदमे में कोर्ट में जमा किए गए हलफनामा में सामने आई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बैंक पर पांच बिलियन अमेरिकी डॉलर (भारतीय मुद्रा में लगभग 45,363.43 करोड़ रुपये) का मुकदमा किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि उनके खाते राजनीतिक कारणों से बंद किए गए। इससे उनके व्यापार में रुकावट आई।

जेपी मॉर्गन बैंक के पूर्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डैन विल्केनिंग ने हलफनामा में लिखा, ₹फरवरी 2021 में, जेपी मॉर्गन ने प्लेनटिफ को बताया था कि जेपी मॉर्गन के सीबी और पीबी में रखे गए कुछ खाते बंद कर दिए जाएंगे।₹ उल्लेखनीय है कि पीबी और सीबी का मतलब जेपी मॉर्गन का प्राइवेट बैंक और कमर्शियल बैंक है। इससे पहले जेपी मॉर्गन ने कभी यह नहीं माना था कि उसने राष्ट्रपति के खाते बंद किए हैं।

ट्रंप ने शुरू में जेपी मॉर्गन पर फ्लोरिडा स्टेट कोर्ट में केस किया। बैंक ने कोर्ट से आग्रह किया है कि केस को न्यूयॉर्क स्थानांतरित कर दिया जाए। ट्रंप ने बैंक पर व्यापारिक मानहानि का आरोप लगाया है। ट्रंप के वकीलों का आरोप है कि जेपी मॉर्गन ने राष्ट्रपति और उनकी कंपनियों को काली सूची में डाला। वकीलों ने बयान में कहा, "एक बड़ी बात यह है कि बैंक ने मान लिया है कि उसने गैरकानूनी और जानबूझकर खाते बंद किए।" ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने मार्च 2025 में क्रेडिट कार्ड की बड़ी कंपनी कैपिटल वन पर इसी तरह के कारणों और आरोपों के लिए केस किया था। इस केस का अभी निपटारा नहीं हुआ है।

संक्षिप्त-समाचार

ओडिशा के झारसुगुड़ा में ट्रेलर-एसयूवी टकराव में पांच पुलिसकर्मी की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

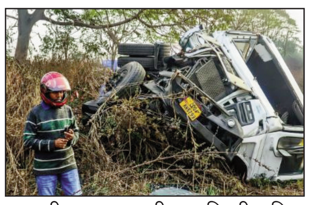

भुवनेश्वर। झारसुगुड़ा जिले में रविवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में पांच पुलिसकर्मी की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा झारसुगुड़ा सदर पुलिस स्टेशन के सामने हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुलिस वाहन ड्यूटी पर था, तभी वह विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर से टकरा गया। टक्कर इतनी गंभीर थी कि बोलेरो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पांचों पुलिसकर्मी मौके पर ही अपनी जान गंवा बैठे। मृतकों की पहचान एपीआर कर्मी कशीराम भोई और देबदत्ता स, ड्रिल सब-इंस्पेक्टर निरंजन कुजुर, एपीआर हवलदार लिंगराज धुरुआ और होम गार्ड भक्तबंधु मिर्धा के रुप में हुई है । इनकी अचानक मृत्यु से उनके परिवार, सहयोगी और स्थानीय समुदाय गहरे शोक में हैं। तीन अन्य पुलिसकर्मी झ दो एपीआर और एक सार्जेंट गंभीर रूप से घायल हुए। उन्हें तुरंत बचाकर झारसुगुड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनकी चिकित्सा जारी है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उनकी स्थिति गंभीर है और उन्हें कड़ी निगरानी में रखा गया है।

नवादा में दोस्त के तिलक में जा रहे तीन युवकों की दुर्घटना में मौत

नवादा। बिहार में नवादा जिले के सीतामढ़ी थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक सड़क दुर्घटना ने तीन युवकों की मौत हो गई है। गया जिले के अतरी थाना क्षेत्र अंतर्गत रिवला गांव के तीन युवक अपने दोस्त के तिलक समारोह में शामिल होने नवादा के अकबरपुर जा रहे थे, तभी उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक युवक बाइक पर सवार थे और तेज रफ्तार से जा रहे था। नवादा जिले के सीतामढ़ी थेन के कटघारा गांव के पास तरवा आहर के पास एक मोड़ पर बाइक का संतुलन बिगड़ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रफ्तार के कारण बाइक का नियंत्रण खो गया था। मृतकों की पहचान प्रताप कुमार उर्फ विकास कुमार (पिता- विजय चौधरी), इंद्रन मांझी (पिता- राजेश मांझी) और सोनू कुमार उर्फ भोला चौधरी (पिता- सुनील चौधरी) के रूप में हुई है। सभी युवक गया जिले के अतरी थाने के रिवला गांव के निवासी थे और उम्र लगभग 20-23 वर्ष के बीच बताई जा रही है। घटना की जानकारी ग्रामीण समाजसेवी दीपक कुमार ने सीतामढ़ी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त बाइक को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस अब मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है, जिसमें रफ्तार और अन्य कारकों की पड़ताल की जा रही है।

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार, 104 नाके लगाए गए

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग हिस्सों में दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए राज्य के विभिन्न हिस्सों में कुल 104 नाका लगाए गए। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने यह जानकारी आज दी। पुलिस के अनुसार, इंफाल पश्चिम जिले के इंफाल थानांतर्गत मिनुथोंग क्षेत्र से जबरन वसूली करने वाले केसीपी (पीडब्लूजी) के सक्रिय कैडर पुयम सिंदूर सिंह उर्फ चालम्बा (43) को गिरफ्तार किया। आरोपित बिष्णुपुर जिले का निवासी बताया गया है। एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने केसीपी (पीएससी) के एक सक्रिय कैडर जानी कंगजम उर्फ जापान (23) को गिरफ्तार किया गया। उसे इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल थाना क्षेत्र में स्थित उसके निवास से गिरफ्तार किया गया।

भाजपा अध्यक्ष नवीन का गुजरात के नेताओं से जनता के बीच जाकर काम करने का आह्वान

एजेंसी (हि.स.)
गांधीनगर

गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी नेताओं और जनप्रतिनिधियों को कड़ी नसीहत दी है। गुजरात मुख्यालय 'कमलम' में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि राजनीति कोई शॉर्टकट नहीं बल्कि एक मैराथन है, जिसमें निरंतर मेहनत जरूरी है। उन्होंने पार्टी नेताओं से जनता के बीच जाकर काम करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, ह्नकेवल पद पाने के लिए पार्टी में मत आइए। पद हो या न हो, संगठन के लिए काम करना चाहिए। अपने जिले में खुद को ही पार्टी समझ लेना और अपने लोगों को सेट करना, यह नीति पार्टी के लिए सही नहीं है।ह्व बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों, शहर अध्यक्षों और अन्य नेताओं के साथ चर्चा के दौरान नितिन नवीन ने प्रभारियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कई नेता जिले में जाकर न्याय की बात करते हैं, लेकिन वहीं अपने लोगों को सेट कर देते हैं, जो संगठन के सिद्धांतों के खिलाफ है।

भाजपा अध्यक्ष नवीन ने नेताओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भाजपा प्रतिनिधियों की समाज पर मजबूत पकड़ होनी चाहिए। अगर आप अपने पद से दो कदम नीचे उतरकर काम करेंगे, तो बेहतर परिणाम मिलेंगे। साथ ही उन्होंने अपनी छवि सकारात्मक बनाए रखने की भी सलाह दी। विधायकों और सांसदों के साथ बैठक में उन्होंने खास तौर पर कहा, ह्नघर बैठकर कार्यालय मत चलाइए। जमीन पर उतरिए, लोगों के बीच जाइए और जनसंपर्क को मजबूत बनाइए।ह्व आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाया जाए और बूथ स्तर पर डेटा मजबूत किया जाए।

सोशल मीडिया पर भी उन्होंने नेताओं की निष्क्रियता पर नाराजगी जताई। उन्होंने सवाल किया कि हाल ही में हुए एआई समिट में कांग्रेस के विरोध पर कितने नेताओं ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी। इस पर बहुत कम लोगों के हाथ उठाने पर उन्होंने कहा, ह्नअगर जिम्मेदार लोग ही सक्रिय नहीं होंगे, तो संगठन कैसे चलेगा।

नेपाल में ओपिनियन पोल का प्रसारण करने वाले कुछ मीडिया संस्थानों को निर्वाचन आयोग की चेतावनी

काठमांडू। नेपाल के निर्वाचन आयोग ने कुछ प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों के ओपिनियन पोल का प्रसारण करने पर आपत्ति जताई है। प्रमुख निर्वाचन आयुक्त रामप्रसाद भण्डारी ने कड़ी चेतावनी दी है कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रही तो संबंधित संस्थानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग ने अब तक कार्रवाई नहीं की है, इसे उसकी कमजोरी न समझा जाए। आयोग स्थिति पर लगातार निगरानी रखे हुए है और आवश्यक होने पर सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। काठमांडू में रविवार को मीडिया से बातचीत में प्रमुख निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि आयोग की ओर से कई बार मीडिया संस्थानों को मत सर्वेक्षण या ओपिनियन पोल जैसे कार्यक्रम प्रकाशित और प्रसारित न करने के लिए समझाया और सचेत किया गया है। इसके बावजूद कुछ संस्थान इस प्रकार की सामग्री प्रकाशित या प्रसारित कर रहे हैं, जिससे मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह सिलसिला आगे भी जारी रहा तो संविधान और प्रचलित कानून में जो प्रावधान हैं, उनके अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल के रौतहट जिले का गौर कस्बा सेना के हवाले, कर्फ्यू

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के रौतहट जिले के गौर में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प के कारण आज भी अनिश्चितकालीन कर्फ्यू जारी है। तनाव को देखते हुए गौर कस्बे में सेना को तैनात किया गया है। जिला प्रशासन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हालिया अशांति के बाद सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है।

रौतहट के जिला अधिकारी दिनेश सागर भुसाल ने कहा कि अगली सूचना तक कर्फ्यू प्रभावी रहेगा। प्रशासन की स्थिति पर कड़ी नजर है। उपद्रवियों से निपटने के लिए सेना को बुलाया गया है। गौर में प्रतिबंधित क्षेत्र की सीमा पूर्व में मुदबलवा गेट से लेकर पश्चिम में लालबकैया बांध तक, उत्तर में बाम नहर से लेकर दक्षिण में गौर भंसार कार्यालय (कस्टम्स ऑफिस) की सीमा तक निर्धारित किया गया है। इस परिधि के भीतर आवागमन, सभा, प्रदर्शन और किसी भी प्रकार की सार्वजनिक गतिविधि पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा हिंदू समुदाय के बाराती सदस्यों के बीच विवाद के बाद शनिवार दोपहर एक बजे कर्फ्यू पहली बार लागू किया गया था। अधिकारियों के अनुसार स्थिति अब काफी हद तक सामान्य हो चुकी है। एहतियातन और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए कर्फ्यू को जारी रखा गया है।

इतिहास

मधुबाला ने बेहद कम उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखा

खूबसूरती और अदाकारी की मिसाल मधुबाला

एजेंसी (हि.स.)

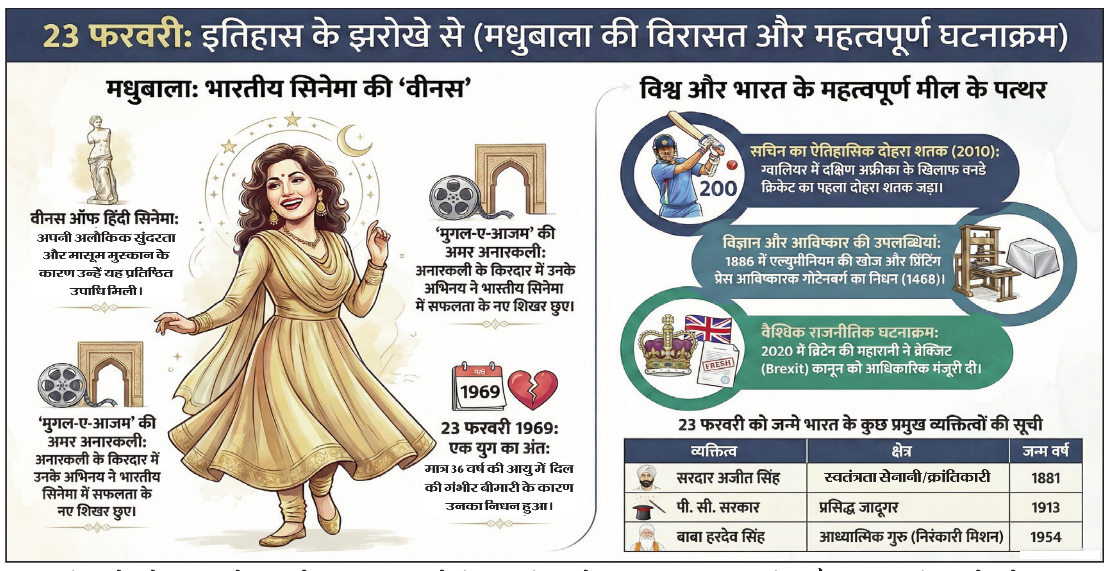

किसी बेहद खूबसूरत चेहरे को देखकर अकसर यह कहा जाता है कि उसे ऊपरवाले ने फुरसत में गढ़ा है। हिंदी सिनेमा की अद्वितीय अभिनेत्री मधुबाला के लिए यह कथन बिल्कुल सटीक बैठता है। अपनी अलौकिक सुंदरता, मासूम मुस्कान और स्वाभाविक अभिनय के कारण उन्होंने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। 14 फरवरी 1933 को जन्मी मधुबाला ने बेहद कम उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखा और देखते ही देखते हिंदी सिनेमा की सबसे चहेती नायिकाओं में शुमार हो गईं। उन्हें उनकी अद्वितीय सुंदरता के कारण ह्ववीनस ऑफ हिंदी सिनेमाह्न कहा गया। लेकिन उनकी पहचान केवल खूबसूरती तक सीमित नहीं थी; वे एक सशक्त और संवेदनशील अभिनेत्री भी थीं, जिन्होंने हर किरदार में जान डाल दी। ऐतिहासिक महाकाव्य फिल्म 'मुगल-ए-आजम' में अनारकली की भूमिका निभाकर उन्होंने अभिनय का ऐसा शिखर छुआ, जिसे आज भी याद किया जाता है। शहजादा सलीम और अनारकली की प्रेम कहानी को उन्होंने जिस दर्द, गरिमा और नजाकत से पर्दे पर जिया, वह भारतीय सिनेमा के इतिहास में अमर हो गया। वहीं, हास्य से भरपूर फिल्म 'चलती का नाम गाड़ी' में उनका चुलबुला और शोख अंदाज दर्शकों को खूब भाया। किशोर कुमार के साथ उनकी जोड़ी ने फिल्म को यादगार बना दिया। मधुबाला का फिल्मी सफर भले ही लंबा नहीं रहा, लेकिन प्रभाव अत्यंत गहरा था। निजी जीवन में दिल की गंभीर बीमारी से जूझती रहीं इस अदाकारा ने मात्र 36 वर्ष की आयु में 23 फरवरी 1969 को दुनिया को अलविदा कह दिया। आज भी जब हिंदी सिनेमा की सबसे हसीन और प्रभावशाली अभिनेत्रियों का जिक्र होता है, तो मधुबाला का नाम श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है। उनकी मुस्कान, उनकी आंखों की मासूमियत और परदे पर बिखरा उनका जादू सिनेप्रेमियों के दिलों में हमेशा जीवित रहेगा।

जन्म

1881 - सरदार अजीत सिंह - भारत के सुप्रसिद्ध राष्ट्रभक्त एवं क्रांतिकारी थे। 1897 - राधारमण मित्र - बंगाली भाषा के विख्यात साहित्यकार थे। 1913 - पी. सी. सरकार - भारत के प्रसिद्ध जादूगर थे। 1954 - बाबा हरदेव सिंह - भारत के प्रसिद्ध संत और संत निरंकारी मिशन के आध्यात्मिक गुरु थे। 1969 - भाग्यश्री - भारतीय अभिनेत्री। 1982 - कर्ण सिंह - भारतीय राजनेता। 1983 - अजीज अंसारी - भारतीय/अमेरिकन हास्य अभिनेता।

निधन

1468 - छपाई की मशीन का आविष्कार करने वाले यूहेन गोटेनबर्ग। 1904 - महेन्द्रलाल सरकार - समाज सुधारक और होम्योपैथ को बढ़ावा देने वाले चिकित्सक थे। 1969 - वृंदावनलाल वर्मा - ऐतिहासिक उपन्यासकार एवं निबंधकार, 1969 - मधुबाला - भारतीय फिल्म अभिनेत्री। 1975 - राजेंद्र नारायण सिंह देव - उड़ीसा राज्य के 6वें मुख्यमंत्री रहे थे। 1990 - अमृतलाल नागर - साहित्य जगत में उपन्यासकार के रूप में सर्वाधिक ख्याति प्राप्त हुई 2004 - विजय आनन्द - अभिनेता, पटकथा-लेखक, निमार्ता, निर्देशक 2024 - मनोहर जोशी - महाराष्ट्र के प्रमुख राजनीतिक दल शिवसेना के प्रमुख नेताओं में से एक थे।

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

1768 - कर्नल स्मिथ ने हैदराबाद के निजाम के साथ शांति संधि पर दस्तख्त किए, जिसके तहत निजाम ने ब्रिटिश हुकूमत का आधिपत्य स्वीकार कर लिया। 1886 - अमेरिका के रसायनशास्त्री और आविष्कारक मार्टिन हेल ने अलम्यूनियम की खोज की। 1940 - रूसी सेनाओं ने यूनान के समीप स्थित लासी द्वीप पर कब्जा किया। 1945 - अमेरिका ने जापान के कब्जे वाले टापू ईवो जीमा पर अपना परचम फहराया। इस टापू की स्थिति सामरिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण थी। 1952 - कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम पारित किया गया। 1964 - चीन ने अपनी स्थिति में बदलाव करते हुए कश्मीर मसले पर पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया। 1970 - गयाना देश गणराज्य बना और आज के दिन को इस देश का राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया। 1981 - स्पेन में दक्षिणपंथी सेना ने सरकार का तख्ता पलट दिया, जिससे राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई। 1998 - जैविक एवं रासायनिक हथियारों की जांच को लेकर हुए गतिरोध को समाप्त करने के लिए सं.रा. महासचिव कोफी अन्नान व इराकी उपप्रधानमंत्री तारिक अजीज के बीच ऐतिहासिक समझौता सम्पन्न, विश्व में पहली बार बछड़े की प्रतिकृति क्लोन सं.रा. अमेरिका में तैयार। 2001 - अमेरिकी सीनेट द्वारा सीटीबीटी खारिज, प्रक्षेपास्त्र रक्षा प्रणाली जारी रखने की घोषणा। 2003 - कनाडा के जॉन डेविसन ने विश्वकप का सबसे तेज शतक लगाकर 1983 में बनाये गये कपिलदेव का रिकार्ड तोड़ा। 2005 - अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई तीन दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे। 2006 - ईराक में जातीय हिंसा में 159 लोग मारे गये। 2006 - भारत ने पाकिस्तान को सर्वाधिक तरजीह प्राप्त राष्ट्र का दर्जा देने की सिफारिश मंजूर कर ली। 2007 - पाकिस्तान ने शाहीन-2 का परीक्षण किया। 2008 - 10 साल बाद चुनार सीमेण्ट फैक्ट्री में उत्पादन शुरू हुआ। रक्षामंत्री ए.के. एंटनी ने जेट ट्रेनर हॉक विमान को देश के बेड़े में शामिल करने की औपचारिक घोषणा की। 2008 - कोलंबो में हुए एक विस्फोट में 18 लोग घायल हुए। 2009 - भारतीय तीरंदाज थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एशियाई ग्रां प्री तीरंदाजी चैम्पियनशिप में टीम स्पर्धा में तीन रजत पदक जीते। 2009 - फि ल्मों और टेलीविजन कार्यक्रमों में धूम्रपान के दृश्य दिखाने पर लगा प्रतिबंध समाप्त कर दिया गया। 2010 - 2962वें वन डे में बनाए गए पहला दोहरा शतक बनाने वाले सचिन की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रिका से ग्वालियर के कैप्टन रूपसिंह स्टेडियम में खेला गया एकदिवसीय मैच 153 रनों से जीत लिया 402 रनों के लक्ष्य के जबाब में दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 43वें ओवर में 248 रन बनाकर आउट हो गई। इसके साथ ही भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। 2010 - भारत के मशहूर चित्रकार एम.एफ. हुसैन को कतर की नागरिकता प्रदान कर दी गई। 2020 - अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने एक महत्वपूर्ण आदेश में म्यांमार से रोहिंग्या आबादी को सुरक्षा देने को कहा। 2020 - ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने ब्रिटिश सरकार के ब्रेक्जिट कानून को मंजूरी दी। 2020 - भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 80वें स्थान पर लुढ़का। डेनमार्क और न्यूजीलैंड संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने रहे।

टी20 विश्व कप: आज खेला जाएगा वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के बीच मैच

जिम्बाब्वे के दृढ़ संकल्प के सामने होगी वेस्टइंडीज के आत्मविश्वास की परीक्षा

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

बेहद आत्मविश्वास से भरी वेस्टइंडीज की टीम को सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे के दृढ़ संकल्प से सतर्क रहना होगा। यह दोनों टीम टूर्नामेंट में अभी तक अजेय रही है और वे यह सिलसिला जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे दोनों ने पहले दौर में अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन काम अभी खत्म नहीं हुआ है क्योंकि आगे और भी कड़ी चुनौतियां उनका इंतजार कर रही हैं।

दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के आत्मविश्वास की यह उस प्रारूप में कड़ी परीक्षा होगी जिसमें वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और अपने कौशल का ऐसा नमूना पेश करते हैं जैसा शायद ही कोई अन्य टीम कर पाती है। पूर्व चैंपियन कप्तान डेरेन सैमी की कोचिंग वाली टीम ने अभी तक एकजुट होकर प्रदर्शन किया है लेकिन उसके लिए निरंतरता बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होगी। वेस्टइंडीज ने लगातार चार मैच में जीत हासिल करके यह सुनिश्चित कर लिया है कि टी20 विश्व कप से पहले सात द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में मिली हार अब अतीत की बात हो गई है। कैरेबियाई टीम एक बार फिर एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है। उसने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार जीत हासिल की और निचले पायदान की टीमों को आसानी से हराया। कप्तान शाई होप (155 रन, दो अर्धशतक) ने अपनी फॉर्म वापस पा ली है, जबकि शिमरोन हेटमायर (134) ने नंबर तीन के बल्लेबाज की अपनी भूमिका के साथ पूरा न्याय किया है।

जेसन होल्डर और रोस्टन चेज ने भी महत्वपूर्ण योगदान देकर टीम को मजबूती प्रदान की है। शेरफेन रदरफोर्ड (126) की विस्फोटक बल्लेबाजी वेस्टइंडीज के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। इसके अलावा रोमारियो शेफर्ड की ऑलराउंड क्षमता से टीम को संतुलन मिला है।

वह आईपीएल में वानखेड़े में खेलने के अपने अनुभव का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करेंगे। दूसरी ओर जिम्बाब्वे ने अब तक के अपने प्रेरणादायक प्रदर्शन से क्रिकेट जगत में नई उम्मीद जगा दी है। उसने ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सभी को चौंका दिया था और अब वह यह साबित करने के लिए प्रतिबद्ध होगा कि उसकी यह जीत महज संयोग नहीं थी। जिम्बाब्वे ने सुपर आठ में जगह बनाकर अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर रहा लिया है। अब उसका सामना वेस्टइंडीज के अलावा दक्षिण अफ्रीका और भारत से होगा। उसके खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प को देखते हुए अगर वह फिर से कोई उलटफेर कर देता है तो उस पर किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए।

टीम इस प्रकार हैं

वेस्टइंडीज: शाई होप (कप्तान एवं विकेटकीपर), जॉनसन चार्ल्स (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेज, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्डे, अकील हुसैन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, जेडन सील्स।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), बेन कुरेन, क्लाइव मदांडे (विकेटकीपर), तादिवानाशे मारुमानी, डायोन मेयर्स, ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ब्रैड इवांस, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ग्रीम क्रेमर, टिनोटेन्डा मापोसा, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड नगारवा।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा।

भारतीय टीम निरंतर विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा कायम करना चाहती है: मंधाना

एजेंसी (हि.स.)
एडिलेड

भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम लगातार शीर्ष पर बने रहकर विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा कायम करना चाहती है। पिछले साल पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम की निगाहें इस साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्व कप में जीत हासिल करने पर टिकी हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की टी20 श्रृंखला में हराकर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की अपनी तैयारी की शानदार शुरूआत की। मंधाना ने बीसीसीआई टीवी से कहा, यह भारतीय टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रही है। हम अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम या अतीत में जो कुछ भी हुआ उसके बारे में नहीं सोचते हैं। हमने इसे हराया, हमने उसे हराया। मुझे लगता है कि अब यह सब उतना महत्वपूर्ण नहीं है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन की पारी खेली। उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स (59) के साथ 121 रन की साझेदारी की जिससे भारत छह विकेट पर 176 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम नौ विकेट पर 159 रन ही बना पाई।

मंधाना ने कहा, मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है। कुछ ऑस्ट्रेलियाई बहुत खुश होंगे जब मैं कहूंगी कि यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अच्छा शहर है। वास्तव में मुझे यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अच्छा शहर लगता है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधाना ने कहा, यह साल टी20 का साल है। पिछला साल एकदिवसीय क्रिकेट का साल था जिसमें हमने बहुत सारे वनडे मैच खेले। लेकिन अब हम अपने टी20 खेल पर काम कर रहे हैं। हम यह भी तय कर रहे हैं कि टी20 के लिए हमारी सर्वश्रेष्ठ एकादश और सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी कैसे होने चाहिए। निश्चित रूप से डब्ल्यूपीएल से हमें टी20 में बेहतर प्रदर्शन करने में बहुत मदद मिली है।

मेस्सी की मौजूदगी में एमएलएस चैंपियन इंटर मियामी को मिली पहले मैच में हार

एजेंसी (हि.स.)
लॉस एंजिलिस

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद इंटर मियामी ने एमएलएस कप में अपने खिताब के बचाव का अभियान हार के साथ किया।

इंटर मियामी को अपने पहले मैच में लॉस एंजिलिस एफसी (एलएएफसी) से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। विजेता टीम की तरफ से डेविड मार्टिनेज, डेनिस बुआंगा और नाथन ऑर्डाज ने गोल किए।

बुआंगा ने मैच के बाद कहा, वह मैच हमेशा खास होता है जिसमें मेस्सी खेलते हैं। हम मेस्सी की मौजूदगी में मियामी को हराना चाहते थे। इस मैच के लिए प्रत्येक खिलाड़ी का मनोबल बढ़ा होता है।।

इस मैच को देखने के लिए ऐतिहासिक लॉस एंजिल्स मेमोरियल कोलिज़ियम स्टेडियम में 75,673 दर्शक उपस्थित थे। दर्शकों ने घरेलू टीम की शानदार जीत का जश्न मनाया और मेस्सी को खेलते हुए देखने का भरपूर आनंद लिया। मेस्सी ने इस महीने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बावजूद पूरा मैच खेला।

छठे खेलो इंडिया शीतकालीन खेल आज से गुलमर्ग में

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर का प्रसिद्ध शीतकालीन पर्यटन स्थल गुलमर्ग सोमवार से शुरू होने वाले छठे खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों (केआईडब्ल्यूजी) की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिसमें 400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के एक प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट में होने वाले इन चार दिवसीय खेलों के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा इन खेलों का उद्घाटन करेंगे। जम्मू कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुजहत गुल ने बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। गुल ने कहा, इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 400 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। गुलमर्ग में अच्छी बर्फबारी हुई है और उम्मीद है कि मौसम हमारा साथ देगा। केआईडब्ल्यूजी का पहला चरण इस वर्ष 20 से 26 जनवरी तक लद्दाख के लेह में आयोजित किया गया था। अब इन खेलों का दूसरा चरण 23 से 26 फरवरी तक गुलमर्ग में आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले भी केआईडब्ल्यूजी का आयोजन जम्मू कश्मीर और लद्दाख में किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि गुलमर्ग में चार पदक स्पधार्एं होंगी, जिनमें स्की पर्वतारोहण, अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग (क्रॉस-कंट्री) और स्नोबोर्डिंग शामिल हैं।

आर्थर फिल्स को हरा कार्लोस अल्काराज ने जीता कतर ओपन खिताब

एजेंसी (हि.स.)
दोहा

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शानदार खेल का नमूना पेश करते हुए आर्थर फिल्स को केवल 50 मिनट में 6-2, 6-1 से हराकर कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता।

स्पेन के इस स्टार खिलाड़ी ने इस तरह से 2026 में अपनी जीत का सिलसिला 12 मैच तक पहुंचा दिया है। उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता था।

इस तरह से उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने यानि चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने के 20 दिन बाद कतर ओपन में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अल्काराज ने कहा, साल की शुरूआत वाकई बहुत शानदार रही है।

दोहा में खिताब जीतने के साथ ही अल्काराज के टूर-स्तरीय खिताबों की संख्या 26 हो गई है।

टेनिस स्टार स्टीफंस और पूर्व अमेरिकी फुटबॉलर अल्टिडोर ने चार साल का वैवाहिक बंधन तोड़ा

न्यूयॉर्क। अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पूर्व चैंपियन स्लोएन स्टीफंस और अमेरिकी पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के पूर्व खिलाड़ी जोजी अल्टिडोर ने चार साल बाद अपना वैवाहिक बंधन समाप्त समाप्त कर दिया है। अमेरिकी ओपन में 2017 की चैंपियन स्टीफंस ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में जोजी से अलग होने की घोषणा की। स्टीफंस ने लिखा, जोजी और मैंने अपना वैवाहिक बंधन खत्म करने का फैसला क्या है। मैं आपसी सहमति और पूरे सम्मान के साथ इस बदलाव का सामना कर रही हूं और इस दौरान निजता बनाए रखने का अनुरोध करती हूं। आपके प्यार और निरंतर समर्थन बनाए रखने के लिए हार्दिक आभार। बत्तीस वर्षीय स्टीफंस 2018 में फ्रेंच ओपन में उपविजेता भी रही थी जबकि 36 वर्षीय अल्टिडोर ने 2007 से 2019 तक अमेरिकी पुरुष फुटबॉल टीम के लिए 115 मैचों में 42 गोल किए। इसके अलावा मेजर लीग सॉकर और विदेशों में उनका लंबा पेशेवर करियर रहा है।

मैनचेस्टर सिटी ने न्यूकैसल पर जीत से प्रीमियर लीग खिताब के लिए आर्सेनल पर दबाव बढ़ाया

एजेंसी (हि.स.)
मैनचेस्टर

मैनचेस्टर सिटी ने न्यूकैसल को 2-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबाल टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ को और रोमांचक बना दिया है। मैनचेस्टर सिटी में इस जीत से आर्सेनल पर दबाव बढ़ा दिया है। इन दोनों टीमों के बीच अब केवल दो अंक का अंतर रह गया है। आर्सेनल के 27 मैच में 58 और मैनचेस्टर सिटी के इतने ही मैच में 56 अंक हैं।

न्यूकैसल के खिलाफ एतिहाद स्टेडियम में खेले गए मैच में मैनचेस्टर सिटी की तरफ से निको ओरेली ने दोनों गोल किए। इस तरह से मैनचेस्टर सिटी ने अपने अजेय अभियान को पांच मैच तक पहुंचा दिया है।

मैनचेस्टर सिटी ने तीसरे स्थान पर काबिज एस्टन विला पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है, जिसने लीड्स के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। चेल्सी बर्नली के साथ 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद चौथे स्थान पर है। एस्टन विला के 27 मैच में 51 जबकि चेल्सी के इतने ही मैच में 45 अंक हैं।

दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए मनाया जाता है विश्व शांति और समझ दिवस

दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी समझ और सद्भावना पर जोर देने के लिए हर साल 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनिया में प्रेम-भाईचारा और शांति को बनाए रखना है। अविश्वास समाज को गलतफहमी, विद्रोह, लड़ाई और संघर्ष की ओर ले जाता है। समाज में एकजुटता की भावना को बनाए रखने के लिए शांति और समझ होना बेहद आवश्यक है। इसलिए हिंसा से रहित दुनिया में शांति लाने के उद्देश्य के लिए हर साल इस दिवस को मनाया जाता है। इस दिवस पर दुनिया भर के देशों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

विश्व शांति और समझ दिवस के उद्देश्य

हिंसा या क्रूरता से रहित दुनिया के निर्माण व विश्व में शांति लाने के उद्देश्य के लिए इस दिवस को मनाया जाता है। दुनिया में शांति और समझ पैदा करना पूरी मानव जाति का कर्तव्य है। समाज में समझ से ही शांति स्थापित की जा सकती है। इसके लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्तकता है। इसके विपरित यदि, पूरी दुनिया के लोग एक दूसरे को घृणा और नफरत की दृष्टि से देखेंगे तो उसका परिणाम युद्ध और विनाश के रूप में सामने आएगा। संघर्ष, अविश्वास, गलतफहमी और विद्रोह समजा को बांटता है और उसे एक अन्नत संघर्ष की खाई में धकेल देता है। इसलिए समाज में विश्वास और शांति स्थापित करने के लिए सभी मनुष्यों को एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोगी के रूप में कार्य करना होगा।

विश्व शांति और समझ दिवस का इतिहास

विश्व में शांति और समझ की भावना विकसित करने को लेकर 23 फरवरी 1905 को पहली रोटरी बैठक हुई थी। इसके लिए शिकागो शहर की यूनिटी बिल्डिंग के रूम नंबर 711 में पॉल हैरिस, गुस्तावस लोएहर, सिल्वेस्टर शिएले और हीराम शोरे लोहर जैसी हस्तियां एकत्रित हुई थी। अटॉर्नी पॉल हैरिस एक पेशेवर संघ बनाना चाहते थे इसलिए उन्होंने यह सभा बुलाई थी। इन हस्तियों के मिलने के स्थान 'रोटेट' होते रहते थे इसलिए हैरिस, गुस्तावस लोहर, सिल्वेस्टर शिएले और हीराम शौरी ने अपने इस क्लब का नाम रोटरी क्लब रखा था। बाद में इस क्लब में मानवीय मूल्यों के लिए अपनी इच्छा साझा करने वाले लोगों का समूह जुड़ता गया। हालांकि रोटरी क्लब ने औपचारिक रूप से साल 1922 में 'रोटरी इंटरनेशनल' नाम को अपनाया था। विश्व शांति और समझ दिवस दुनिया के सबसे बड़े धर्मार्थ संगठनों में से एक के निर्माण की वर्षगांठ की याद दिलाता है। इस संगठन की स्थापना की याद में हर साल 'विश्व शांति और समझ दिवस' मनाया जाता है। इस साल विश्व शांति और समझ दिवस की 117वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इन वर्षों के दौरान पूरी दुनिया ने विश्व शांति और सद्भावना को लेकर लंबा रास्ता तया किया है। वहीं दुनिया भर के लोगों में सद्भावना, शांति और समझ विकसित करने के लिए अभी और लंबा रास्ता तय करना है।

युद्ध से अलग शान्ति और अच्छी समझ ही मानवता की रक्षा एक सराहनीय कदम

आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है। वहाँ परिवार और समाज में स्नेह, आत्मीयता,भाईचारे की भावना के साथ सहयोग एवं सहानुभूति कर संकल्प लिया जाय तो इन्सान का जीवन स्वर्गमय बन सकता है। ऐसे इन्सान को सुख, चैन, शान्ति से जीवनयापन करने से कोई रोक नहीं सकता। निःशस्त्रीकरण आज की मांग है। इस बात की आवश्यकता है कि उचित निदान द्वारा विश्वजनित मतभेदों को भुलाकर अशांति का माहौल खत्म किया जाए। अतः युद्ध से अलग शान्ति और अच्छी समझ ही मानवता की रक्षा एक सराहनीय कदम है।

विश्व शांति और समझ दिवस का महत्व

विश्व शांति और समझ दिवस का महत्व दुनिया भर के लोगों के बीच शांति और सामान्य समझ को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस बेहद महत्वपूर्ण है। इस दिवस पर दुनिया में शांति और समझ विकसित करने के लिए प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है। दुनिया भर में लोगों और राष्ट्रों के बीच शांति और संघर्षों के बीच प्रचलित गलतफहमी को देखते हुए इस दिवस का महत्व और बढ़ जाता है। आज परमाणु युद्ध का माहौल बन रहा है इसलिए जरुरी है विश्व शांति और समझ की विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं। रूस और यूक्रेन के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है और लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में यूक्रेन व रूसी सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 6 महीने से चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के वक्तवय व ताईवान की सीमा पर चीन द्वारा लगातार युद्धाभ्यास से नजर आ रहा है दोनों देश के पास परमाणु अस्त्रओं का भंडार है अतः आज विश्व मैंं परमाणु हमले का खतरा मंडरा रहा है जिसके शिकार निर्दोष जनता को भुगतना पड़ सकता है इसके अलावा जो आस पास के देश होंगे वहां भी एटम बम के विस्फोट से रेडिशन फैल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडीएशन की मार से कैंसर, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है।

रोज फेस्टिवल में खिलती करुणाः 139 नागरिकों ने ऑर्गन देने का वादा किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

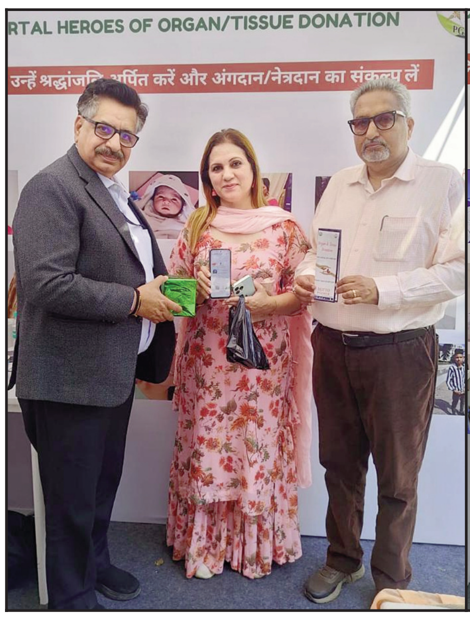

चंडीगढ़ में रोज फेस्टिवल के रंगीन रंगों और त्योहार की भावना के बीच, रीजनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा 20 से 22 फरवरी 2026 तक ऑर्गन डोनेशन अवेयरनेस और वादा कैंप, लोगों की जान बचाने के लिए जागरूकता, बातचीत और मिलकर किए गए कमिटमेंट के लिए एक जबरदस्त प्लेटफॉर्म के तौर पर उभरा।

तीन दिन के आउटरीच के दौरान, 139 नागरिकों ने ऑर्गन डोनेशन के लिए औपचारिक रूप से वादा किया, जबकि सैकड़ों और लोग ऑर्गन और टिशू डोनेशन के कानूनी ढांचे, मेडिकल सुरक्षा उपायों और मानवीय असर को समझने के लिए स्टॉल पर आए।फ्लश्ठ्ठस्ठ स्टॉल पर पूरे इलाके से दिल से लोगों ने हिस्सा लिया। बबीता अरोड़ा, अपने पति के साथ, ने बताया कि वादा करने का विचार उनके मन में सालों से था और यह फेस्टिवल उस कदम को उठाने का सही मौका था। डेराबस्सी की दीया ने अपना वादा पूरा किया और अपने दोस्तों को आगे आने के लिए हिम्मत दी, उन्होंने ऑर्गन डोनेशन को ज़िंदगी भर की ज़िम्मेदारी बताया।

हिसार की मंजू और संदीप कुमार ने न सिर्फ साथ में वादा किया, बल्कि काउंसलर के साथ बातचीत में भी काफी समय बिताया, और कहा कि ऑर्गन डोनेशन इंसानियत की सच्ची भावना को दिखाता है। उन्होंने बताया कि वे ज्यादा जागरूकता फैलाने के लिए अपने परिवार में भी बातचीत शुरू करेंगे। इसी तरह, बलटाना के पिंदर सिंह, मोहाली के चरणजीत सिंह, चंडीगढ़ के राजेश कुमार, और पटियाला के मयंक कठैत ने वादा किया और इस फैसले को एक छोटा कदम बताया जो किसी और को ज़िंदगी का दूसरा मौका दे सकता है। उन सभी ने एक जैसी भावना दिखाई – कि ऑर्गन डोनेट करना दया की एक हमेशा रहने वाली विरासत है।

वादा करने वाले कई विज़िटर ने आखिरी कदम उठाने से पहले कुछ सोच-समझकर सवाल भी पूछे। अंबाला के विकास मल्होत्रा ने पूछा कि क्या ऑर्गन डोनेशन से डोनर के परिवार पर कोई फाइनेंशियल बोझ पड़ेगा। रोहतक की शालिनी मेहता ने ऑर्गन देने और वेटिंग लिस्ट में ट्रांसपेरेंसी पर साफ-साफ जानकारी मांगी। होशियारपुर से गुरप्रीत सिंह ने गलत इस्तेमाल या कमर्शियल इस्तेमाल को रोकने के लिए मौजूद सुरक्षा उपायों के बारे में पूछा। हर सवाल का पूरी तरह से जवाब दिया गया, जिससे उन्हें भरोसा दिलाया गया कि भारत में ऑर्गन डोनेशन एक कड़े कानूनी और नैतिक फ्रेमवर्क के तहत होता है, जिसमें साफ तौर पर बताए गए मेडिकल प्रोटोकॉल और ट्रांसपेरेंट एलोकेशन सिस्टम होते हैं जिन लोगों ने वादा किया था, उन्हें उनके नेक काम के लिए शुक्रिया के तौर पर एप्रिसिएशन सर्टिफिकेट, छोटे यादगार टोकन और अवेयरनेस गुडीज दिए गए। इस पहचान ने पहले से ही एक मतलब वाले फैसले में एक जश्न का पहलू जोड़ दिया।

आंकड़ों से परे, कैंप ने ऑर्गन डोनेशन को एक साझा सामाजिक ज़िम्मेदारी और उदारता के जीवन को पक्का करने वाले काम के रूप में समझने के लिए बढ़ते सामाजिक खुलेपन को दिखाया। प्रो. विपिन कौशल, नोडल ऑफिसर, ने कहाः रोज फेस्टिवल जीवन और नई शुरूआत का प्रतीक है। नागरिकों को दूसरों को जीवन देने का वादा करके उस भावना को अपनाते हुए देखना बहुत हिम्मत देने वाला था। हर वादा हमदर्दी और उम्मीद की एक मजबूत पुष्टि है।

रोटो ने सभी पार्टिसिपेंट्स और विज़िटर्स की दिल से तारीफ की, और कम्युनिटी आउटरीच के लिए अपने लगातार कमिटमेंट को दोहराया और एक ऐसा कल्चर बनाने की बात कही, जहाँ ऑर्गन डोनेशन एक सोच-समझकर लिया गया और समाज में आम तौर पर माना जाने वाला नियम बन जाए।

रोज फेस्टिवल में 10 रुपये के नए नोटों के लिए मारामारी, लगी लंबी कतारें

चण्डीगढ़। रोज फेस्टिवल में इस बार 10 रुपये के नोटों की भी जबरदस्त मांग देखने को मिल रही है। स्टेट बैंक आफ इंडिया द्वारा लगाए गए स्टॉल पर लोगों की लंबी कतारें लगी हुई हैं, जहां 500 रुपये के बदले 10-10 रुपये के 50 नए नोट दिए जा रहे हैं। बैंक की ओर से यह सुविधा आधार कार्ड दिखाने पर उपलब्ध कराई जा रही है। एक व्यक्ति को अधिकतम 500 रुपये तक के छोटे नोट दिए जा रहे हैं। शादी-ब्याह के सीजन में छोटे नोटों की भारी किल्लत है, इसलिए लोग दूर-दूर से यहां पहुंच रहे हैं। मोहाली, खरड़ और पंचकूला से भी बड़ी संख्या में लोग 10 रुपये के नए नोट लेने के लिए रोज फेस्टिवल पहुंच रहे हैं। स्थिति यह है कि नोटों को लेकर कई जगहों पर बहस और धक्का-मुक्की भी हो रही है। फरवरी महीने में शादियों की भरमार के चलते छोटे नोटों की मांग काफी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि बाजार और बैंकों में 10 रुपये के नोट आसानी से उपलब्ध नहीं हो रहे, ऐसे में रोज फेस्टिवल के स्टॉल उनके लिए राहत साबित हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चण्डीगढ़ स्थित क्षेत्रीय व्यावसायिक कार्यालय ने रोज फेस्टिवल में एक बड़ा जनसंपर्क अभियान शुरू किया हुआ है, जो 23 फरवरी तक चलेगा। इस शिविर में सभी लोग अपने पुराने नोट और सिक्के बदल सकते हैं। इसके साथ ही, यहाँ लोगों को बैंकिंग से जोड़ने और ऑनलाइन फ्रॉड (धोखाधड़ी) से बचने के बारे में भी सिखाया जा रहा है। इसका शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों तक सीधे बैंकिंग सेवाएं और सही जानकारी पहुंचाना है। इस कैंप का उद्घाटन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) चंडीगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक विवेक श्रीवास्तव ने किया था। इस मौके पर एसबीआई के कई बड़े अधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें विमल किशोर (जनरल मैनेजर), परवीन कुमार (डिप्टी जनरल मैनेजर) और सुभाषिनी राय (क्षेत्रीय प्रबंधक) शामिल रहे। रोज फेस्टिवल में अधिक भीड़ होने के कारण यहाँ शिविर लगने से अधिकतर लोग इसका फायदा उठा पा रहे हैं। पहले ही दिन कैंप में भारी भीड़ देखने को मिली, जिससे पता चलता है कि लोगों को ऐसी बैंकिंग सेवाओं तथा सुविधाओं की बहुत आवश्यकता है। सिर्फ पहले दिन ही 500 से अधिक लोगों ने बैंक की नोट और सिक्के बदलने की सुविधा का फायदा उठाया। इसके अलावा, शिविर में बैंकिंग सुरक्षा, वित्तीय समावेशन तथा डिजिटल करेंसी पर भी लोगों को जागरूक किया गया। लोगों को नए तरह के ऑनलाइन फ्रॉड (ठगी) से बचने की जानकारी दी गई, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। लोगों ने जाना कि वे इंटरनेट पर होने वाली ठगी से अपनी मेहनत की कमाई को कैसे बचा सकते हैं।यह शिविर दिखाता है कि बैंक सभी लोगों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने और सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन सिखाने के लिए लगातार प्रयत्नशील है। उपस्थित लोगों ने बैंक के इस प्रयास की सराहना की तथा और बैंको को भी इस मुहिम में शामिल होने का आग्रह किया।

समग्र शिक्षा हिमाचल-पायनियर एग्रीटेक द्वारा मेधावी विद्यार्थियों के लिए एग्रीटेक प्रशिक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

एग्रीटेक कंपनी पायनियर एग्रीटेक सॉल्यूशंस ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न सरकारी विद्यालयों के कक्षा 12 के मेधावी विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह प्रशिक्षण समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा संडे होटल, जीरकपुर, चंडीगढ़ में किया गया।

पायनियर एग्रीटेक सॉल्यूशंस की विशेषज्ञ कृषि वैज्ञानिकों और वरिष्ठ पेशेवरों की टीम ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अम्बरीश अरोड़ा के साथ मिलकर आधुनिक कृषि पद्धतियों पर अपना ज्ञान साझा किया। कार्यक्रम में सैद्धांतिक सत्रों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल था।

कार्यक्रम में हिमाचल के जिलों सोलन, सिरमौर, मंडी, चंबा, कांगड़ा, ऊना, शिमला, कुल्लू, हमीरपुर और बिलासपुर के मेधावी विद्यार्थियों ने भाग लिया। समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश के डायरेक्टर राजेश शर्मा (आईएफएस) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए युवाओं के सशक्तिकरण में कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के पूर्व डीजीपी संजय कुंडू और पूर्व आईएएस विवेक अत्रेय मुख्य अतिथि जबकि नाबार्ड के पूर्व सीजीएम दिनेश कपिला विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने प्रमाण पत्र वितरण कर विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। अम्बरीश अरोड़ा ने कहा कि हमने वर्ष 2025 में अपने व्यवसाय के 10 वर्ष पूर्ण किए हैं और हमें देश के युवाओं को सहयोग देने तथा हिमाचल प्रदेश सरकार के प्रयासों में योगदान करने पर गर्व है, ताकि विद्यार्थियों को नवाचारी कृषि तकनीकों से परिचित कराया जा सके।

मार्केटिंग तथा एक्सपैंशन डायरेक्टर अंशुमान अरोड़ा ने कहा कि यह पहल सतत कृषि को बढ़ावा देने और युवा मस्तिष्कों को सशक्त बनाने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप है।

गुरबाणी कीर्तन मानवता को शुद्ध कर सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की प्रेरणा देता हैः हरमीत सिंह कालका

सिटी दर्पण संवाददाता
नई दिल्ली

हरमीत सिंह कालका, अध्यक्ष दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने जानकारी देते हुए बताया कि नशा मुक्त समाज की स्थापना के उद्देश्य से

वर्ल्ड पंजाबी संगठन और सन फाउंडेशन द्वारा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के विशेष सहयोग से गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में भव्य वार्षिक कीर्तन समागम आयोजित किया गया।

प्रधान कालका ने कहा कि गुरबाणी कीर्तन मानवता को भीतर से शुद्ध करता है और सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि नशे जैसी गंभीर समस्या से निपटने के लिए आध्यात्मिक जागरूकता और गुरु घर से जुड़ाव सबसे प्रभावी मार्ग है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे समागम युवा पीढ़ी को सही दिशा प्रदान करते हैं और चढ़दी कला से युक्त समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में संगतों ने उपस्थित होकर गुरबाणी कीर्तन का रसास्वादन किया तथा गुरु साहिब के समक्ष नतमस्तक होकर नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया। समागम के दौरान गुरबाणी की मधुर ध्वनियों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंगा रहा। कालका ने वर्ल्ड पंजाबी ऑर्गनाइजेशन और सन फाउंडेशन का धन्यवाद करते हुए कहा कि सामाजिक सुधार के लिए धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं का संयुक्त प्रयास समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी भविष्य में भी नशा मुक्त एवं स्वस्थ समाज की स्थापना हेतु इस प्रकार के आध्यात्मिक और जागरूकता से भरपूर कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। समागम गुरबाणी के पवित्र स्वर के माध्यम से समाज को नई सोच, नई आशा और नई दिशा देने वाला स्मरणीय आयोजन सिद्ध हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

न्यू चंडीगढ़ में गूंजा म्यूजिक का महाकुंभः सुनिधि चौहान के कॉन्सर्ट ने रची यादगार शाम

चंडीगढ़। न्यू चंडीगढ़ ने एक भव्य और ऐतिहासिक म्यूजिक नाइट का साक्षी बनते हुए उस समय अलग ही रंग दिखाया, जब ओमैक्स न्यू चंडीगढ़ में सुनिधि चौहान के कअट ल्डटए इंडिया टूर ने हजारों लोगों को एक साथ संगीत के उत्सव में जोड़ दिया। 10,000 से अधिक लोगों की मौजूदगी ने इस आयोजन को क्षेत्र के सबसे बड़े लाइव एंटरटेनमेंट इवेंट्स में शामिल कर दिया। मंच पर सुनिधि चौहान के आते ही पूरा माहौल तालियों और उत्साह से गूंज उठा। दमदार आवाज, सुपरहिट गीतों की शानदार प्रस्तुति और जबरदस्त स्टेज प्रेजेंस ने दर्शकों को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। युवा, परिवार और म्यूजिक प्रेमी बड़ी संख्या में गानों के साथ गाते और इस खास शाम को अपने कैमरों में कैद करते नजर आए। भव्य मंच, आधुनिक लाइटिंग, विशाल एलईडी स्क्रीन और बेहतरीन साउंड सिस्टम ने पूरे परिसर को किसी बड़े म्यूजिक फेस्टिवल का रूप दे दिया। फूड जोन में रौनक, लोगों की आवाजाही और उत्सव जैसा माहौल इस आयोजन को केवल कॉन्सर्ट नहीं बल्कि एक बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजन के रूप में स्थापित करता दिखा। इस अवसर पर जतिन गोयल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, ओमैक्स ग्रुप, ने कहा कि 10,000 से अधिक लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी क्षेत्र में प्रीमियम लाइव एंटरटेनमेंट की बढ़ती मांग को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि ओमैक्स का उद्देश्य ऐसे डेस्टिनेशन विकसित करना है जो लोगों को साझा अनुभवों के माध्यम से जोड़ें और शहर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करें।

व्यक्तिगत कारोबार स्थापित करने से पूर्व महिलाओं को दिया जाएगा प्रशिक्षणः उपायुक्त

पंचकूला। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि विधवा महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा व्यक्तिगत कारोबार स्थापित करने हेतू बैकों के माध्यम से 3 लाख रुपये तक के ऋण दिलवाने की योजना शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत जिला के लिये 20 केसों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उपायुक्त ने बताया कि योजना के अन्तर्गत जिन महिलाओं की वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक तथा आयु 18 से 60 वर्ष है, इस स्कीम की पात्र होंगी।योजना के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कुल ऋण का 10 प्रतिशत हिस्सा महिला को स्वंय वहन करना होगा तथा शेष राशि बैकों के माध्यम से दी जाएगी। बैंक ऋण के ऊपर लगे ब्याज की प्रतिपूर्ति हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा सब्सिडी के रुप में अदा की जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 50,000 रुपये व अवधि 3 वर्ष जो भी पहले होगी।उन्होंने बताया कि विभिन्न क्रियाकलापों जैसे कि बुटिक, सिलाई-कढ़ाई, आटो, ई-रिक्शा, मसाला, आचार इकाइया, खाद्य प्रसंस्करण, कैरी बैग का निर्माण, बेकरी, रेडीमेंट्स गारमेंटस, कम्पयूटर जांच वर्क्स इत्यादि तथा अन्य किसी भी कार्य जिसको महिलाएं करने में सक्षम हो, उन सभी कार्यो के लिए ऋण देने से पूर्व ट्रेनिंग भी करवाई जाएगी ताकि महिला को अपने कारोबार या लघु उधोग स्थापित करने में कार्य कुशलता की कमी महसूस न हो। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिये निगम के कार्यालय जिला प्रबन्धक हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा न0 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिग, मिनी सचिवालय सैक्टर-1 पंचकूला, फोन न0 0172-2585271 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

सनातन संस्कृति हमारी पहचान और राष्ट्र की आत्माः कुलभूषण गोयल

पंचकूला। सेक्टर-6 के पार्क नंबर 605 में आयोजित हिंदू सम्मेलन में पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि सनातन संस्कृति हमारी पहचान और राष्ट्र की आत्मा है। उन्होंने कहा कि समाज को संगठित, जागरूक और संस्कारित बनाने के लिए ऐसे आयोजनों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। कुलभूषण गोयल ने कहा कि सनातन परंपराएं हमें सत्य, सेवा और सद्भाव का मार्ग दिखाती हैं। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक मूल्यों को समझे और उन्हें जीवन में अपनाए। उन्होंने समाज में बढ़ती चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि एकजुटता और आपसी भाईचारा ही हर समस्या का समाधान है। उन्होंने यह भी कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा की प्रेरणा देता है। सम्मेलन जैसे मंच सामाजिक समरसता को मजबूत करने और सांस्कृतिक चेतना जागृत करने का कार्य करते हैं। अंत में उन्होंने आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर राष्ट्रहित में कार्य करने का आान किया। इस अवसर पर अरुणा मग्गो, रुबि बंसल, एससी अग्रवाल, वीके सूद, विकास जिंदल, रिंपी नैन, पूनम बांगा, भारती, अंजना, आशीष रामपाल, डीबी खन्ना, रिषभ जैन, विनोद अग्रवाल, कथावाचक आचार्य महेश नौटियाल, रविंद्र सहित अन्य उपस्थित रहे।

हरियाणा के युवाओं ने रचा नया इतिहासः ेसात दिन में 153 किलोमीटर लंबा ट्रैक सफलतापूर्वक किया पूरा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा के छात्रों ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए, कालका से कलेसर तक 153 किलोमीटर का ट्रैक 7 दिनों में पूरा करके नया इतिहास रच दिया है। यह ट्रैक हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसमें प्रमुख रूप से जे.सी. बोस विश्विद्यालय के मृदुल, रोहन ,प्रांजल ,समीर ,सर्वेश और एम.एल.एन. कॉलेज, यमुनानगर के विवेक , योगेश , कार्तिक , मोहित आशीष ने भाग लिया। वन विभाग के संयुक्त सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

युवक कल्याण सयोंजक नरेंद्र सिंह ने इस ऐतिहासिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह 7 दिवसीय ट्रैकिंग कार्यक्रम हरियाणा सरकार द्वारा विशेष रूप से आयोजित किया गया था, जिसमें राज्यभर से छात्रों ने भाग लिया। यह राज्य में पहली बार था जब छात्रों ने इतनी लंबी दूरी तय की और उसे सफलता पूर्वक पूरा किया।

उन्होंने छात्रों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि न केवल छात्रों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है, बल्कि यह युवाओं की शक्ति, साहस और दृढ़ निश्चय का प्रतीक भी है रेंज अधिकारी संजय ने इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वन विभाग ने पहले इस ट्रैक को चिन्हित किया था, लेकिन अब तक किसी भी छात्र दल ने इसे पूरा नहीं किया था। इस ट्रैक को छात्रों ने अपनी मेहनत, समर्पण से पूरा कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

यह न केवल हरियाणा राज्य के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह राज्य में युवा गतिविधियों और साहसिक खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।इस प्रकार के आयोजन युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उन्हें नेतृत्व, समर्पण और सामूहिक कार्य की अहमियत भी सिखाते हैं।

ब्रह्माकुमारीज सेक्टर 44 ने हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव से मनाया महाशिवरात्रि पर्व

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

प्र जापिता ब्रह्माकुमारीज की सेक्टर 44 शाखा द्वारा आज रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव से मनाया गया। ब्रह्मकुमारी कविता दीदी ने इस मौके उपस्थित सभी सदस्यों को भगवान् शिव के अवतार, ज्योतिर्लिंग और उनके उपदेश के बारे में बताया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी यूथ विंग पंजाब के कोऑर्डिनेटर अरुण भाई जी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। ब्रह्मकुमारी कविता दीदी ने इस अवसर पर आध्यात्मिक उपदेश के साथ साथ सभी को मैडिटेशन का न केवल महत्व भी बताया, बल्कि मैडिटेशन का अभ्यास भी करवाया। वही इस मौके नाटिका के माध्यम से आधुनिक भ्रांति एवं भ्रम मिटाकर राजयोग का महत्व बताया। इसके साथ साथ कुछ अन्य बच्चों ने भजन गायन और नृत्य से भगवान शिव के स्वरुप पर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिल्पी दीदी ने जीवन में सत्यता को अपनाकर शांतिमय हृदय और साक्षीभाव जगाकर क्षमा का महत्व बताया और सभी को मन में छोटी छोटी बातें भुला कर क्षमादान के लिए प्रेरित किया। समारोह के अंत मे मुख्य अतिथि अरुण भाई जी, ब्रह्मकुमारी कविता दीदी और ब्रांच इंचार्ज शिल्पी दीदी सहित अन्य की उपस्थिति में ध्वजारोहण भी किया गया और जीवन को शांतिमय और प्रसन्नचित तरीके से जीने का संकल्प भी लिया गया।

भक्ति केवल शब्दों से नही कर्मों में प्रकट होः निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

निरंकारी मिशन का सेवा और समर्पण से सशक्त जल संरक्षण का प्रेरक संकल्प

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के आशिर्वाद से चंडीगढ़ के सेक्टर 15, 30, 45, मलोया, मनीमाजरा के संत निरंकारी सत्संग भवनों और आसपास की निरंकारी सेवादल और साध संगत के सैकड़ो श्रद्धालुओं ने सफाई की। चंडीगढ़ के जोनल इंचार्ज श्री ओ. पी. निरंकारी जी ने जानकारी देते हुए कहा कि चंडीगढ़ जोन में आठ से दस ब्रांचों में जल स्त्रोतों की सफाई की गई और अन्य ब्रांचों में निरंकारी सत्संग भवनों तथा उनके आस पास के स्थानों की सफाई की गई।

जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है, जीवन की आधारशिला और मानव सभ्यता की जीवनरेखा। जब यह जल स्वच्छ और संरक्षित रहता है, तो केवल पर्यावरण ही नहीं, समाज का सामूहिक स्वास्थ्य और संतुलन भी सुदृढ़ होता है। इसी विचार को साकार रूप देते हुए प्राकृतिक जल स्त्रोतों, नदियों, तालाबों, झीलों और समुद्री तटों की निस्वार्थ भाव से स्वच्छता एवं संरक्षण का व्यापक अभियान आज जन-जन के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन रहा है। यह पहल केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि जागरूकता, जिम्मेदारी और सामूहिक सहभागिता का सशक्त संदेश है।

स्वच्छ जल, स्वच्छ मन अभियान के चौथे चरण का भव्य एवं प्रेरणास्पद आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के मार्गदर्शन में भारतवर्ष के 25 राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेश के 930 शहरों के 1600 से अधिक स्थानों पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें लगभग 12 लाख स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। यह केवल एक पर्यावरणीय प्रयास नहीं, बल्कि अध्यात्म, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत समन्वय था, जो जन-जन के अंतर्मन को स्पर्श करते हुए जागरूकता एवं कर्तव्यबोध की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाता है।

संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में, बाबा हरदेव सिंह जी की अनेक शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए इस ह्यप्रोजेक्ट अमृतह्ल का आयोजन किया गया। यह परियोजना मानवता को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन के प्रति सामूहिक संकल्प का संदेश देती है। दिल्ली के बुराड़ी चौक ग्राउंड न0.8 में आयोजित विशेष सत्संग कार्यक्रम में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने अपने अमृतमय प्रवचनों में फरमाया कि बाबा जी की शिक्षाएँ केवल स्मरण करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए हैं। सतगुरु माता जी ने कहा कि सच्ची श्रद्धांजलि शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से दी जाती है। यदि हम स्वयं को उनके अनुयायी कहते हैं, तो हमें आत्ममंथन करना होगा कि क्या हम वास्तव में प्रेम, सेवा, करुणा और समदृष्टि जैसे मानवीय गुणों को अपने जीवन में धारण कर रहे हैं। बाबा हरदेव सिंह जी महाराज का सम्पूर्ण जीवन मानव कल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने सिखाया कि सेवा, सुमिरन और सत्संग जीवन का आधार हैं। भक्ति केवल वाणी तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार में झलके - यही उनका स्पष्ट संदेश था।

इसी सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए मिशन द्वारा संत निरंकारी हेल्थ सिटी जैसी मानवीय सेवा परियोजनाओं को विकसित किया जा रहा है। यह पहल केवल स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि करुणा और समर्पण का जीवंत उदाहरण है। जिस प्रकार ब्रह्मज्ञान आत्मा को शांति प्रदान करता है, उसी प्रकार यह स्वास्थ्य सेवा समाज के प्रत्येक वर्ग को शारीरिक राहत और सशक्त जीवन प्रदान करने का माध्यम बनेगी।

सत्संग में यह आान किया गया कि प्रत्येक श्रद्धालु तन-मन-धन को निराकार की देन मानते हुए निष्कपट भाव से सेवा में जुड़े। जब सेवा स्वार्थरहित होती है, तभी वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। अंत में यही कामना की गई कि बाबा जी की शिक्षाएँ प्रत्येक हृदय में जीवित रहें और हेल्थ सिटी जैसे प्रकल्प मानवता की भलाई के नए आयाम स्थापित करें।